फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 309 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 12 जून, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 21 संख्याः 65 प्रभात जालोर, शुक्रवार 12 जून, 2026 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राहुल तथा सोनिया से मिले ममता एवं अभिषेक

अभिषेक बनर्जी ने राहुल गांधी के सामने ममता बनर्जी को राज्यसभा में भेजने और सदन में विपक्ष का नेता बनाने ष का विकल्प पेश किया

- इसी बीच खबर है कि तृणमूल के बागी गुट से तकरीबन आधा दर्जन सांसद पुनः ममता बनर्जी के पक्ष में आ गए हैं।
- अगर ऐसा होता है तो बागी गुट के पास दो तिहाई से कम सांसद रह जाएंगे जो दलबदल कानून के तहत अलग गुट के रुप में मान्यता दिए जाने के लिए आवश्यक है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जून। क्या ममता बनर्जी राज्यसभा में प्रवेश करेंगी और इसके बाद कांग्रेस की मदद से सदन में विपक्षी नेता के पद तक पहुँच जाएँगी? ऐसी संभावनाओं पर दोनों पार्टियों के नेताओं के बीच चर्चा चल रही है।

विधानसभा चुनाव में जबरदस्त पराजय के बाद, अभूतपूर्व आंतरिक संकट का सामना कर रहा टीएमसी नेतृत्व दो मोर्चों पर काम कर रहा है: एक तरफ़ विधायकों और सांसदों के बीच विद्रोह को काबू में करना, और दूसरी तरफ़ पार्टी को पुनर्गठित और पुनर्जीवित करना। समझा जाता है कि यह विचार (ममता के राज्यसभा में प्रवेश और सदन में विपक्षी नेता के रूप में पदोन्नति) ममता के भतीजे और पार्टी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कल कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ हुई अपनी बैठक में प्रस्तुत किया था। ममता खुद एक दिन पहले सोनिया गांधी से मिली थीं। कहा जाता है कि कांग्रेस नेतृत्व इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है।

टीएमसी के विद्रोही समूह की नेता काकोली घोष दास्तिदार द्वारा पार्टी से अलग हुए 20 सांसदों का समर्थन प्राप्त होने की सनसनीखेज घोषणा के बाद, विद्रोही शिविर की गति थोड़ी धीमी होती लग रही है। टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा और प्रतिमा मंडल, जिन्हें विद्रोही शिविर अपना समर्थक मान रहा था, ने अलग हुए समूह से दूरी बना ली है। इसके अलावा, लगभग आधा दर्जन और सांसदों की पार्टी में वापसी की भी रिपोर्टें हैं। यदि ऐसा होता है, तो विद्रोही समूह के पास आवश्यक दो-तिहाई बहुमत से काफी कम समर्थन रह जाएगा, जैसा कि दल-बदल विरोधी कानून में प्रावधान है।

कहने का अभिप्राय यह नहीं है कि टीएमसी का आंतरिक संकट गंभीर नहीं है। हाल ही में पार्टी से दिये गये उच्च स्तरीय इस्तीफों में राज्यसभा सांसद सुखेन्दु सरकार राय और सुष्मिता देब शामिल हैं, जिससे राज्यसभा में टीएमसी सदस्यों की संख्या घट कर 11 रह गई है। इधर पता चला है कि पार्टी के लोकसभा सांसद कल्याण बनर्जी, जिन्हें ममता का नज़दीकी सहयोगी माना जाता है, ने भी टीएमसी सुप्रीमो को अल्टीमेटम दिया है: "मुझे चुनें या अभिषेक बनर्जी को।" कल्याण ने गुरुवार को अभिषेक की आलोचना करते हुए, सार्वजनिक रुप से कहा कि ममता के भतीजे और पार्टी के महासचिव "अहंकारी" हैं और "सोचते हैं कि सभी उनके नीचे हैं।"

म.प्र. से भाजपा ने राज्यसभा की तीनों सीटें जीती

भोपाल, 11 जून। मध्य प्रदेश से राज्यसभा की तीनों सीटें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जीत ली हैं। पार्टी के तीनों उम्मीदवारों तरुण चुग, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट को गुरुवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया।

राज्यसभा निर्वाचन के तय कार्यक्रम के अनुसार, उम्मीदवारी से नाम वापसी का गुरुवार को अंतिम दिन था। दोपहर 3 बजे नाम वापसी का समय समाप्त होने के बाद भाजपा के तीन उम्मीदवारों को निर्विरोध विजयी घोषित

- नाम वापसी का समय समाप्त होने के बाद भाजपा प्रत्याशियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया व सर्टिफिकेट भी दे दिए गए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अभिषेक बनर्जी प.बंगाल सीआईडी के सामने पेश हुए

इससे पहले अभिषेक को तीन बार सीआईडी ने बुलाया था पर वे नहीं गए थे

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11जून। विधानसभा सदस्यों के हस्ताक्षरों की कथित जालसाजी के मामले में तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी आज पश्चिम बंगाल सीआईडी के सामने में पेश हुए। इससे पहले वे तीन बार सीआईडी के सामने पेश होने से बच चुके हैं।

दिल्ली में कुछ दिन बिताने के बाद, वे कोलकाता लौटे और वहां से उन्हें राज्य की सबसे चर्चित जांच एजेंसी के समक्ष पेशी के लिए ले जाया गया।

पुलिस की जांच शाखा यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या विपक्ष के नेता के नाम का प्रस्ताव भेजने से पहले उन्होंने वास्तव में 70 विधायकों की सहमति ली थी। तीन विधायक पहले ही कह चुके हैं कि

- सीआईडी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अभिषेक ने नेता प्रतिपक्ष पद के लिए स्पीकर को जो पत्र लिखा था उसमें कितने विधायकों के फर्जी हस्ताक्षर थे तीन विधायकों ने तो दावा किया है कि पत्र पर उनके साइन नहीं हैं।
- अगर यह आरोप साबित हो गया तो अभिषेक को सात साल की जेल हो सकती है।
- विधानसभा चुनाव हारने के बाद हालात बदल गए हैं। ममता बनर्जी को भाव नहीं मिल रहा है, कई नेता उनका फोन तक नहीं उठा रहे हैं।
- ममता जी भी बेहद शांत हो गई हैं पूर्व में दिल्ली से लौटने पर वे गंभीर टिप्पणियां करती थीं पर इस बार वे एयरपोर्ट से चुपचाप निकल गईं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में बादल छाये, भीषण गर्मी से राहत

दो दिन तेज आंधी, बारिश की संभावना

नई दिल्ली, 11 जून। दिल्ली एनसीआर में गुरुवार को मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। सुबह से ही आसमान में काले घने बादल छा गए और कई इलाकों में तेज हवा चलने लगी। कुछ स्थानों पर धूल भरी आंधी भी देखने को मिली। इस बदलाव से भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को राहत का अहसास हुआ।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राजधानी और आसपास के क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए अगले कुछ घंटों में तेज आंधी, गरज चमक के साथ बारिश और 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चलने की संभावना जताई है।

आईएमडी के मुताबिक, 12 जून को आंधी और बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। बारिश और हवा के असर से तापमान में 6 से 7 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज हो सकती है। अनुमान है कि अधिकतम तापमान 40 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

'कर्नाटक के मुख्यमंत्री का महा कचरा घोटाला'

भाजपा ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर कचरा प्रबंधन में 39,000 करोड़ रूपए के घोटाले का आरोप लगाया

- भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर लिखी एक पोस्ट में कहा कि कचरा प्रोसेस करने के लिए दी जाने वाली टिपिंग फीस 260 रूपए से बढ़ाकर 2400 रूपए कर दी गई है यानि 950 प्रतिशत वृद्धि। उन्होंने करदाताओं को भारी नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को कर्नाटक में कांग्रेस सरकार, जिसका नेतृत्व मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार कर रहे हैं, पर एक कचरा प्रबंधन प्रोजेक्ट के माध्यम से करदाताओं को भारी नुकसान पहुँचाने का आरोप लगाया।

भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि इस परियोजना की लागत में भारी वृद्धि हुई है और दावा किया कि कुछ विशेष संस्थाओं को लाभ पहुँचाने के लिये निविदा (टेंडर) प्रक्रिया में हेरफेर किया गया। एक्स पर की गई अपनी पोस्ट में पूनावाला ने इस प्रोजेक्ट को "महा कचरा घोटाला" बताया और इसे उन विवादों की श्रृंखला से जोड़ा, जिनमें भाजपा पहले भी कांग्रेस सरकार पर शामिल होने का आरोप लगाती रही है। उन्होंने लिखा, "कर्नाटक में बड़ा कचरा घोटाला! एमयूडीए घोटाला, ठेकेदार घोटाला, आवास घोटाला, शराब घोटाला और भूमि घोटाला के बाद, अब कांग्रेस का 39,000 करोड़ रुपये का कचरा घोटाला सामने आया है।" पूनावाला के अनुसार, कचरा प्रसंस्करण (वेस्ट प्रोसेसिंग) के लिए दी जाने वाली टिपिंग फीस लगभग 260 रुपये प्रति टन से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आज रात ईरान पर सबसे बड़ा हमला'

वॉशिंगटन, 11 जून। पश्चिम एशिया में बड़े युद्ध का खतरा बहुत ज्यादा बढ़ गया है। अमेरिका और ईरान के बीच लगातार दूसरे दिन जोरदार हमले हुए हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखी है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अमेरिका आज रात ही ईरान पर बहुत बड़ा हमला करने जा रहा है। इसके साथ ही ट्रंप ने यह भी कहा कि बहुत जल्द अमेरिका ईरान के तेल और गैस उद्योग पर अपना पूरा कब्जा जमा लेगा। इसमें ईरान का सबसे मुख्य तेल केन्द्र खर्ग द्वीप भी शामिल है। दोनों देशों के बीच यह भीषण लड़ाई गुरुवार सुबह तक चलती रही। अमेरिकी सेना का यह हमला पिछले दिन के मुकाबले बहुत ज्यादा बड़ा, तेज और आक्रामक था। इस हमले से ईरान को काफी नुकसान पहुंचने की बात कही जा रही है। दूसरी तरफ, ईरान ने अपने नुकसान की पूरी जानकारी तो नहीं दी है। लेकिन कहा कि उसने अमेरिका को करारा जवाब दिया है।

प्र.मंत्री ने नीति आयोग की बैठक ली

मीटिंग में पहली बार सभी 28 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भाग लिया।

नई दिल्ली, 11 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में अल-नीनो की संभावित चुनौतियों को देखते हुए जल संरक्षण तथा प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने का आव्हान किया।

उन्होंने आकांक्षी जिलों के मानकों के आधार पर प्रगति के मूल्यांकन और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के लिए स्पष्ट निगरानी व्यवस्था, 100-दिवसीय तथा पांच वर्षीय लक्ष्यों की आवश्यकता पर जोर दिया।

नीति आयोग की शीर्ष बैठक में पहली बार सभी 28 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केन्द्र में नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद बैठक की अध्यक्षता की। इस साल का विषय 'विकसित भारत 2047 के लिए समावेशी मानव विकास' था। इसमें 28 राज्यों और 5 केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, उप-राज्यपाल और प्रशासक शामिल हुए।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुँची कांग्रेस

कांग्रेस का दावा नटराजन के खिलाफ कोई एफआईआर नहीं है

- कांग्रेस ने चुनाव आयोग में भी मध्य प्रदेश के रिटर्निंग ऑफिसर के फैसले के खिलाफ शिकायत की और तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की।
- मध्य प्रदेश से भाजपा के राज्यसभा प्रत्याशी महेश केवट के वकील के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव प्रक्रिया या चुनाव नतीजे घोषित करने पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11जून। मध्य प्रदेश में कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन खारिज होने का मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुँच गया है। कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार के नामांकन को रद्द किए जाने के खिलाफ शीर्ष न्यायालय में याचिका दायर की है।

यह कानूनी कदम तब उठाया गया, जब रिटर्निंग ऑफिसर ने भाजपा द्वारा उठाई गई आपत्तियों के कारण, नटराजन के नामांकन पत्र खारिज कर दिए। सत्ताधारी पार्टी का दावा था कि कांग्रेस नेता ने अपने नामांकन पत्र के साथ दिए गए हलफनामे में तेलंगाना के एक कानूनी मामले की जानकारी नहीं दी।

लेकिन, नटराजन ने इन आरोपों को "राजनीतिक साजिश" करार देते हुए जोर देकर कहा कि उनके खिलाफ कोई केस नहीं है और यह मुद्दा केवल एक निजी शिकायत से संबंधित था।

बुधवार को नटराजन ने आरोप लगाया कि रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) कम्प्रोमाइज्ड थे। वे वर्तमान सरकार के प्रवक्ताओं और फ्रंटल संगठन प्रमुखों की तरह काम कर रहे थे।

उन्होंने कहा, "मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कहूंगी कि कल रिटर्निंग ऑफिसर "कम्प्रोमाइज्ड" थे। वे वर्तमान सरकार के प्रवक्ताओं और फ्रंटल संगठन प्रमुखों की तरह काम कर रहे थे।"

कांग्रेस ने बुधवार को चुनाव आयोग से तत्काल हस्तक्षेप करने और इसे "पूरी तरह से गलत, साफ तौर पर मनमाना एवं गैर कानूनी" आदेश बताते हुए, रद्द करने का अनुरोध किया।

कांग्रेस के वरिष्ठ अधिवक्ता और सांसद अभिषेक मनु सिंघवी की अगुआई में एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की और विस्तृत पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें तर्क

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजेश पायलट

10 फरवरी 1945 – 11 जून 2000

विचार बिन्दु

अज्ञानी के लिए खामोशी से बढ़कर कोई चीज़ नहीं और यदि उसमे यह समझाने की बुद्धि हो तो वह अज्ञानी नहीं रहेगा। –शेख सादी

राजस्थान की पंच गौरव योजना: स्थानीय संसाधनों से वैश्विक पहचान तक

राजस्थान की पंच गौरव योजना राज्य के विकास के फलक पर एक अभिनव और दूरदर्शी पहल है जो स्थानीय संसाधनों को वैश्विक पहचान दिलाने, रोजगार सृजन करने और राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने हेतु विकसित की गई है। यह योजना राज्य के प्रत्येक जिले की विशिष्टता को पहचान देकर उन्हें विकास के नए केंद्र के रूप में स्थापित करने पर केंद्रित है। 17 दिसंबर 2024 को आयोजना विभाग द्वारा शुरू किया गया यह कार्यक्रम राजस्थान सरकार की दूरदर्शी सोच का परिणाम है और बजट 2025-26 में इस योजना को गति प्रदान करने के लिए 550 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह योजना राजस्थान को भारत के मानचित्र में अलग स्थान देगी और राज्य को स्वदेशी, स्थानीय और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पंच गौरव योजना का मुख्य उद्देश्य राजस्थान के प्रत्येक जिले की पांच विशिष्ट पहचानों को चुनकर उन्हें विकास के मुख्य धारा में लाना है। प्रत्येक जिले से पांच तत्व या उत्पाद चुने गए हैं जिनमें एक उपज, एक प्रजाति, एक खेल, एक उत्पाद और एक पर्यटन स्थल शामिल है। कृषि विभाग एक उपज का चयन करता है, वन विभाग एक प्रजाति का, खेल विभाग एक खेल का, उद्योग विभाग एक उत्पाद का और पर्यटन विभाग एक पर्यटन स्थल का। यह पंचमुखी विकास मॉडल राज्य के समग्र विकास को बढ़ावा देता है और प्रत्येक जिले की विशिष्टता को राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर रखता है।

स्थानीय संसाधनों को वैश्विक पहचान दिलाने में पंच गौरव योजना की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राजस्थान के प्रत्येक जिले की अपनी विशिष्ट उपज, वनस्पति, खेल, हस्तशिल्प और पर्यटन स्थल हैं जो सदियों से उस जिले की पहचान बनकर रहे हैं। कोटा जिले का धनिया, खैर वृक्ष, कुश्ती, कोटा डोरिया और चंबल रिवर फ्रंट जैसे पंचगौरव इस जिले की विशिष्ट पहचान हैं। इन संसाधनों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए योजना के तहत विस्तृत कार्ययोजना बनाई गई है जिसमें मार्केटिंग, ब्रांडिंग, ट्रेड शो और इंटरनेशनल एक्सपोजर शामिल हैं।

योजना के तहत प्रत्येक जिले के पंचगौरव को अंतरराष्ट्रीय मंच पर रखने के लिए विशेष अभियान शुरू किए गए हैं। इनमें जिले की विशिष्ट उपजों को विदेशी देशों में मार्केट किया जाएगा, हस्तशिल्प उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय ट्रेड शो में प्रदर्शित किया जाएगा और पर्यटन स्थलों को विदेशी पर्यटकों के लिए आकर्षक बनाया जाएगा। इससे राजस्थान के स्थानीय संसाधनों को वैश्विक पहचान मिलेगी और राज्य की अर्थव्यवस्था में वृद्धि होगी।

रोजगार सृजन में पंच गौरव योजना का महत्व अत्यंत विशिष्ट है। प्रत्येक जिले के पंचगौरव के विकास से कृषि, वन, खेल, उद्योग और पर्यटन क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर प्रदान करना है। कृषि विभाग द्वारा चुने गए उपज के विकास से किसानों को नई तकनीक और मार्केटिंग के अवसर मिलेंगे जिससे उनके उत्पादन और बिक्री में वृद्धि होगी। वन विभाग द्वारा चुने गए प्रजाति के संरक्षण और विकास से वन क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे। खेल विभाग द्वारा चुने गए खेल के विकास से युवाओं को खेल क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे। उद्योग विभाग द्वारा चुने गए उत्पाद के विकास से स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और नए रोजगार के अवसर मिलेंगे। पर्यटन विभाग द्वारा चुने गए पर्यटन स्थल के विकास से पर्यटन क्षेत्र में रोजगार के माध्यम मिलेंगे।

पंच गौरव योजना का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। इस योजना के तहत प्रत्येक जिले के पंचगौरव का विकास होगा और उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर रखा जाएगा। इससे राजस्थान की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, रोजगार के अवसर मिलेंगे और राज्य आत्मनिर्भर बन जाएगा।

योजना के तहत युवाओं, किसानों और महिलाओं के लिए स्वर्ण अवसर प्रदान किए गए हैं। युवाओं को खेल क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे और उन्हें खेल प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए अवसर दिए जाएंगे। किसानों को नई कृषि तकनीक और मार्केटिंग के अवसर मिलेंगे जिससे उनके उत्पादन और बिक्री में वृद्धि होगी। महिलाओं को हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों के विकास में रोजगार के अवसर मिलेंगे और उन्हें स्वरोजार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

''स्वदेशी, स्थानीय और आत्मनिर्भर'' की भावना को ठोस आधार प्रदान करने में पंच गौरव योजना की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह योजना स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके स्थानीय उत्पादों को विकसित करने और उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर रखने पर केंद्रित है। इससे राजस्थान की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और राज्य आत्मनिर्भर बन जाएगा। योजना के तहत स्थानीय उत्पादों को ब्रांडिंग और मार्केटिंग के अवसर दिए जाएंगे जिससे उनकी बिक्री में वृद्धि होगी और स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।

राजस्थान को भारत के मानचित्र में अलग स्थान देने में पंच गौरव योजना की भूमिका अत्यंत विशिष्ट है। यह योजना राज्य की विशिष्टता को राष्ट्रीय और वैश्लिक मंच पर रखती है और राज्य को विकास के नए केंद्र के रूप में स्थापित करती है। प्रत्येक जिले के पंचगौरव को अंतरराष्ट्रीय मंच पर रखने के लिए विशेष अभियान शुरू किए गए हैं जिससे राजस्थान को भारत के मानचित्र में अलग स्थान मिलेगा।

योजना के तहत राज्य की विशिष्ट उपजों, हस्तशिल्प उत्पादों और पर्यटन स्थलों को विदेशी देशों में मार्केट किया जाएगा जिससे राजस्थान को वैश्विक मंच पर पहचान मिलेगी। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था में वृद्धि होगी और राजस्थान को भारत के मानचित्र में अलग स्थान मिलेगा।

पंच गौरव योजना का कार्यान्वयन जिला स्तरीय और राज्य स्तरीय समितियों द्वारा किया जाएगा। जिला स्तरीय समितियां प्रत्येक जिले के पंचगौरव का चयन और विकास कार्ययोजना बनाएंगी। राज्य स्तरीय समिति जिला स्तरीय प्रस्तावों और कार्ययोजनाओं का परीक्षण कर उन्हें अंतिम मंजूरी देगी। 8 सितंबर 2025 को राज्य स्तरीय समिति की बैठक हुई थी जिसमें जिला स्तरीय प्रस्तावों और कार्ययोजनाओं का परीक्षण कर उन्हें अंतिम मंजूरी दी गई थी।

योजना के कार्यान्वयन में विभिन्न विभागों का सहयोग आवश्यक है। कृषि विभाग एक उपज के विकास में, वन विभाग एक प्रजाति के संरक्षण और विकास में, खेल विभाग एक खेल के विकास में, उद्योग विभाग एक उत्पाद के विकास में और पर्यटन विभाग एक पर्यटन स्थल के विकास में सहयोग देंगे। यह पंचमुखी विकास मॉडल राज्य के समग्र विकास को बढ़ावा देता है।

पंच गौरव योजना का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। इस योजना के तहत प्रत्येक जिले के पंचगौरव का विकास होगा और उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर रखा जाएगा। इससे राजस्थान की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, रोजगार के अवसर मिलेंगे और राज्य आत्मनिर्भर बन जाएगा। योजना के तहत युवाओं, किसानों और महिलाओं के लिए स्वर्ण अवसर प्रदान किए गए हैं जिससे राज्य के समग्र विकास को बढ़ावा मिलेगा।

योजना के सफल कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकार ने विस्तृत कार्ययोजना बनाई है जिसमें मार्केटिंग, ब्रांडिंग, ट्रेड शो और इंटरनेशनल एक्सपोजर शामिल हैं। इससे राजस्थान के स्थानीय संसाधनों को वैश्विक पहचान मिलेगी और राज्य की अर्थव्यवस्था में वृद्धि होगी। पंच गौरव योजना राजस्थान के विकास के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ती है। यह योजना स्थानीय संसाधनों को वैश्विक पहचान दिलाने, रोजगार सृजन करने और राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

योजना के सफल कार्यान्वयन से राजस्थान की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, रोजगार के अवसर खुलेंगे, और राज्य आत्मनिर्भर बन जाएगा। यह योजना राजस्थान के विकास के नए मॉडल को प्रस्तुत करती है जो स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके स्थानीय उत्पादों को विकसित करने और उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर रखने पर केंद्रित है।

पंच गौरव योजना राजस्थान के लिए एक नया अवसर है जो राज्य को विकास के नए केंद्र के रूप में स्थापित करेगी। यह योजना स्थानीय संसाधनों को वैश्विक पहचान दिलाने, रोजगार सृजन करने और राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह योजना राजस्थान को भारत के मानचित्र में अलग स्थान देगी और राज्य को स्वदेशी, स्थानीय और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं आर्थिक सलाहकार

नए और सशक्त भारत का उदय

नरेन्द्र मोदी सरकार के ऐतिहासिक 12 वर्ष

डॉ. सतीश पूनियां

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले बारह वर्षों में भारत ने एक विकसित, आत्मविश्वास से लबरेज और दुनिया की आंखों में आंखें डालकर बात करने वाले मजबूत राष्ट्र के रूप में पहचान कायम की है। भारत के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक उत्थान की गाथाएं दुनिया की जुबान पर है। अब वह दौर नहीं रहा, जब आतंक फैलाने वाले मुल्क को देश में आतंकी घटनाओं में उसकी स्पष्ट संलिप्तता के बावजूद भी उसे दंडित करने के स्थान पर उसको डोजियर पर डोजियर सौंपा जाए, अब सीधी और स्पष्ट कार्रवाई होती है। यह सब संभव हुआ है एक कुशल, विजनरी और राष्ट्र प्रथम की भावना वाले नेतृत्व के कारण।

मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार यह जानती थी कि दुनिया के सामने खड़ा होना है तो हमें पहले आर्थिक ताकत बनना होगा। भारतीय नागरिकों को आर्थिक और सामाजिक तौर पर सशक्त करना होगा। पिछले बारह वर्षों में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था और देश के नागरिकों को सशक्त करने का काम किया है। इस बात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्तमान में जब पूरी दुनिया मिडिल

ईस्ट में चल रहे युद्ध की आग से झुलस रही है, उस दौर में भी भारतीय अर्थव्यवस्था 7.7 की उत्साहजनक वार्षिक वृद्धि दर से आगे बढ़ रही है। ये आंकड़े ही साफ संकेत देते हैं कि देश के नागरिकों और दुनिया के निवेशकों का भरोसा मोदी सरकार पर लगातार बना हुआ है। वर्ष 2014 में देश की बागडोर संभालने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबका साथ, सबका विकास मूलमंत्र के साथ काम आरंभ किया। इसका परिणाम आज देश के हर क्षेत्र में दिखाई देता है। मोदी सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं ने देश के सामाजिक और आर्थिक भूगोल को पूरी तरह बदल कर रख दिया है। एक वक्त था जब लोग बैंक में खाता खुलवाने में हिचकते थे। लेकिन जनधन योजना ने देश के पूरे माइंड सैटअप को बदल दिया। प्रधानमंत्री जनधन योजना ने बैंकों को खुद लोगों तक पहुंचा दिया। कभी देश की आधी से अधिक आबादी औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से कटी हुई थी। मोदी सरकार ने इस खाई को पाटने के लिए मिशन मोड में काम किया और आज 58 करोड़ से अधिक जन धन खाते खोले जा चुके हैं। इन खातों में आज की तारीख तक तीन लाख करोड़ से अधिक की धनराशि जमा है।

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कदम बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के युवाओं को एक विजन दिया। उन्होंने युवाओं से रोजगार मांगने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बनने का आव्हान किया। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के माध्यम से उनको सपनों को पंख दिये। उनके भीतर आत्मविश्वास पैदा किया। आज गांवों शहरों में मुद्रा योजना के माध्यम से हजारों लाखों की संख्या में युवक और युवतियां स्वरोजगार के माध्यम हजारों हाथों को काम दे रहे हैं। आंकड़े खुद इस योजना की सफलता की गवाही देते हैं। योजना की शुरुआत से लेकर अब तक 57 करोड़ से अधिक मुद्रा ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं। 40 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे छोटे उद्यमियों के हाथों में सौंपी गई है। इसमें लगभग 68 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं और समाज के पिछड़े तबके से हैं। महंगी दवाओं और ईलाज को आसान बनाते हुए मोदी सरकार ने आयुष्मान भारत योजना और प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा को बिलकुल किफायती बना दिया गया है। देशभर में खुले हज़ारों जन औषधि केंद्रों के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं बाज़ार मूल्य से पचास से नब्बे प्रतिशत तक कम कीमत पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में कनेक्टिविटी पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मोदी सरकार ने पिछले बारह वर्षों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की गति और कवरेज में क्रांतिकारी बदलाव किया है। इन वर्षों में ग्रामीण कनेक्टिविटी को अभूतपूर्व गति देते हुए सात लाख किलोमीटर से अधिक लंबी ग्रामीण सड़कों का निर्माण किया गया है। इसका असर यह हुआ है कि इन बारहमासी सड़कों ने न केवल किसानों की फसलों को मंडियों तक आसानी से पहुँचाया है, बल्कि ग्रामीण अंचलों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को भी सुलभ किया है।

जल जीवन मिशन के माध्यम से महिलाओं सशक्तिकरण का ऐतिहासिक कार्य किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से जल जीवन मिशन की घोषणा की और इसे एक जन-आंदोलन बना दिया। ग्रामीण इलाकों में पाइप से पानी का दायरा आज बढ़कर पंद्रह करोड़ से अधिक घरों तक पहुंच चुका है। इस योजना ने ग्रामीण भारत, विशेषकर महिलाओं को पानी से होने वाली गंभीर बीमारियों से मुक्ति दी है।

महिला सशक्तिकरण के साथ यह योजना ईज ऑफ लिविंग का एक बेहतरीन उदाहरण है। कोविड महामारी के दौरान जब पूरी दुनिया थम गई थी। लोग घरों में कैद हो गए थे। लोगों के सामने भूखो मरने की नौबत आ गई थी, उस दौर में मोदी सरकार ने सुनिश्चित किया कि देश का कोई भी गरीब परिवार भूखा न सोए। सौभाग्य से उस वक्त राजस्थान प्रदेश का भाजपा अध्यक्ष होने के नाते हमने प्रधानमंत्रीजी के निर्देशन में प्रदेश में यह सुनिश्चित किया कि पार्टी की तरफ से लोगों तक अधिक से अधिक सहायता पहुंचायी जाए। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त राशन की यह व्यवस्था आज भी अनवरत जारी है। देश के 81 करोड़ से अधिक नागरिकों को हर महीने मुफ्त खाद्यान्न प्रदान किया जा रहा है।

हर सर पर छत के मिशन के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से अब तक चार करोड़ से अधिक पक्के घरों का निर्माण किया गया और उन्हें गरीब और बेघर परिवारों को सौंपा जा चुका है। हाल ही में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए योजना के अगले चरण को भी मंजूरी दे दी गई है। इसी तरह डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से विभिन्न केंद्रीय योजनाओं का 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक का फंड सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में ट्रांसफर किया गया यह पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त शासन का सबसे बड़ा प्रमाण है। मोदी सरकार की कल्याणकारी नीतियों ने भारत से गरीबी उन्मूलन के कार्य को एक अभूतपूर्व गति दी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, आवास और स्वच्छता के मोर्चे पर चौतरफा सुधार के कारण पिछले एक दशक में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी के जाल से बाहर आए हैं।

पाठकों को याद होगा कि 2014 से पहले स्वच्छता भारत की प्राथमिकताओं में कहीं पीछे छूट गई थी। लेकिन जब लाल किले से जब प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन का आव्हान किया। देशभर में रिकॉर्ड समय के भीतर 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया, जिससे ग्रामीण स्वच्छता का दायरा 2014 के 39 प्रतिशत से बढ़कर अब शत-प्रतिशत हो चुका है। यह केवल एक स्वच्छता अभियान नहीं था, बल्कि यह देश की करोड़ों महिलाओं की सुरक्षा, गरिमा और स्वास्थ्य से जुड़ा एक ऐतिहासिक सामाजिक सुधार आंदोलन था। देश के श्रमिक वर्ग के कल्याण के लिए मोदी सरकार ने ई-श्रम पोर्टल और विभिन्न पेंशन तथा बीमा योजनाओं के माध्यम से उनको संरक्षण देने की पहल की। आज देश के 31 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा के दायरे में शामिल हो चुके हैं। मोदी सरकार ने इन 12 वर्षों में देश की राजनीति के व्याकरण को बदल दिया है। 2014 से पहले की राजनीति महज जातिगत समीकरणों, तुष्टिकरण और वोटबैंक के इर्द-गिर्द घूमती थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने विकास की राजनीति की एक नई संस्कृति विकसित की है। आज का भारत एक आत्मविश्वास से भरा हुआ भारत है, जो अपनी कमियों को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक पटल पर एक महाशक्ति बनने की ओर कदम बढ़ा चुका है।

–डॉ. सतीश पूनियां,
(हरियाणा भाजपा प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद)

कैसे मिलें ईमानदार, संवेदनशील और जनहित को समर्पित प्रशासक?

राजेन्द्र भाणावत

आप कोई भी समाचार पत्र उठा लें, प्रशासन की संवेदनहीनता के समाचार निरंतरता के साथ प्रकाशित हो रहे हैं। प्रशासक चाहे वे किसी भी विभाग के क्यों न हों, शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, पुलिस, खान, कर, परिवहन आदि। इन सब विभागों के मुखिया अधिकांशतया आईएएस, आईपीएस, आरएएस, आरपीएस या अन्य अखिल भारतीय और राज्य सेवा के अधिकारी होते हैं। यदि सरकार के कामकाज में संवेदनशीलता लानी है, तो ईमानदार प्रशासकों और लोक सेवकों की संख्या को बढ़ाना होगा। इस हेतु सरकार को महत्वपूर्ण आवश्यक कदम उठाने होंगे। इनके बिना संवेदनशील और ईमानदार प्रशासन की कल्पना, कोरी कल्पना ही बनी रहेगी।

पहले लोक सेवकों कि चयन प्रक्रिया को ही लें। इसमें आमूल चूल परिवर्तन की आवश्यकता है।संघ लोक सेवा आयोग या राज्य लोक सेवा आयोग की वर्तमान व्यवस्था, अभ्यर्थियों के विभिन्न विषयों से संबंधित जानकारी का ही आकलन करती है। यह सोच ही सही नहीं है कि भौतिकी, इतिहास, समाजशास्त्र या कानून जैसे विषयों में अच्छे अंक लाने वाला अच्छा अधिकारी सिद्ध होगा प्रीलिम्स और मैंस परीक्षा पार करने के बाद साक्षात्कार के दौरान भी 20 से 30 मिनट में किसी भी व्यक्ति के बारे में यह आकलन करना संभव नहीं हो सकता कि वह आने वाले 30-35 वर्षों तक किस प्रकार की मानसिकता के साथ काम करेगा? गत कुछ वर्षों से ऐसे संवेदनशील और ईमानदार अधिकारियों की संख्या निरंतर घटती जा रही है। कुछ दशक पूर्व तक संभवतया संवेदनशील अधिकारी मिल पाए थे, किंतु अब तो यह दुर्लभ सा हो गया है। विषय विशेषज्ञ और तकनीकी रूप से पारंगत अधिकारी की नीयत यदि अच्छी नहीं है तो वह कहीं अधिक नुकसान समाज को पहुंचा सकता है। आज हम ऐसा ही कुछ देख रहे हैं। आप किसी भी ऐसे व्यक्ति से बात करें जिसका किसी सरकारी विभाग से वास्ता पड़ा हो, तो उसकी धारणा भी लगभग ऐसी ही होगी।

चयन की सर्वाधिक उपयुक्त प्रणाली संभवतया सेना में अधिकारियों की भर्ती के लिए है। लगभग चार या पांच दिन तक अभ्यर्थियों को मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञों की सतत निगरानी में रखा जाता है और उन्हें विभिन्न प्रकार की स्थितियों से गुजरना पड़ता है। बनावटी तौर पर, कोई व्यक्ति 15-20 मिनट तक तो स्वयं को संवेदनशील सिद्ध कर भी दे, किंतु चार-पांच दिन तक लगातार ऐसा कर पाना उसके लिए संभव नहीं होता और उसके व्यक्तित्व के वास्तविक गुण स्पष्टतया प्रकट हो जाते हैं। संघ लोक सेवा आयोग और राज्य लोक सेवा आयोगों को भी इस प्रकार की प्रणाली के आधार पर अपनी चयन प्रक्रिया को बिल्कुल बदलना होगा। प्रारंभ में इसे साक्षात्कार के स्तर पर लागू किया जा सकता है। बाद में इसे प्रीलिम्स और लिखित मुख्य परीक्षा के स्तर पर भी लागू किया जा सकता है। प्रश्न पत्र भी किसी विषय विशेष की जानकारी का मूल्यांकन करने के बजाय विभिन्न परिस्थितियों में उसका दृष्टिकोण क्या रहता है, उसका आकलन करने वाला हो सकता है। परिणामस्वरूप, कहीं अधिक उपयुक्त लोक सेवकों के चयन की संभावना रहेगी। किसी भी व्यक्ति को गणित, भौतिक शास्त्र, इतिहास या नागरिक शास्त्र में कितने अंक प्राप्त हुए, उससे यह निर्धारित नहीं होता कि कोई व्यक्ति जनहित के प्रति समर्पित प्रशासक सिद्ध होगा या नहीं। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या ऐसे अधिकारियों को मंत्री और अन्य जनप्रतिनिधि पसंद करेंगे? यदि देश को संविधान के प्रति प्रतिबद्ध, निष्ठावान, ईमानदार अधिकारियों की वास्तव में आवश्यकता है तो ऐसे ही अधिकारियों का चयन होना चाहिए। अधिकारियों के लिए निर्धारित गुण केवल जनप्रतिनिधियों की सुविधा के अनुसार ही तय नहीं किए जा सकते। देश के 150 करोड़ लोगों के हित को सर्वोपरि रखने वाले और उनके प्रति संवेदनशीलता रखने वाले अधिकारी का कोई विकल्प नहीं हो सकता।

सही चयन के पश्चात प्रशिक्षण व्यवस्था में भी बहुत बदलाव करना होगा। मसूरी, हैदराबाद और जयपुर स्थित प्रशिक्षण संस्थाओं में वर्तमान की तरह केवल विषयों का सैद्धांतिक ज्ञान या जानकारी देने की अधिक आवश्यकता नहीं है। आजकल तकनीक के युग में किसी भी विषय की पूरी जानकारी, अधिकारी, अपने स्तर पर इंटरनेट के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। उसे विषय वस्तु की जानकारी देना अथवा कानून के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी देना, समय को व्यर्थ करना ही होगा। इसके बजाय उसे विख्यात प्रतिष्ठित, अनुभवी, संवेदनशील अधिकारियों के साथ खुले संवाद का अधिकतम अवसर देना चाहिए, जिससे वह ऐसे प्रशासकों की जीवन शैली और कार्य प्रणाली पर चर्चा करके उसे आत्मसात करने का प्रयास कर सके।

ऐसी बात नहीं है कि आज अच्छे प्रशासकों का नितांत अभाव हो। ऐसे प्रशासक और पुलिस अधिकारी एवं अन्य सेवाओं के अधिकारी अभी भी सेवा में उपलब्ध हैं या सेवा निवृत्त हैं, जो नवनियुक्त अधिकारियों के लिए रोल मॉडल का काम कर सकते हैं। बस करना यह है कि ऐसे अधिकारियों का चयन किसी भी प्रकार के पूर्वाग्रह और भेदभाव के बिना सही लोगों के द्वारा किया जाए। प्रशिक्षण के लिए प्रभावी तरीका, केस स्टडीज पर चर्चा करना है। केस स्टडीज जो वास्तविक हों और अच्छी तरह लिखी गई हों तो वे प्रशासकों में वांछित दक्षता विकसित करने के लिए काम आ सकती हैं। ऐसी केस स्टडीज को एकत्रित किया जाना चाहिए और उन पर किसी निष्णात प्रशिक्षक के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ चर्चा की जानी चाहिए। जब तक इस प्रकार का प्रशिक्षण केवल व्याख्यान आधारित रहेगा, तब तक उसका अधिक प्रभाव नहीं होगा। दुर्भाग्य से अधिकांश प्रशिक्षण संस्थानों में आजकल यही हो रहा है।

प्रशिक्षण में उन्हें आधुनिकतम तकनीक में पारंगत किया जा सकता है, किंतु उन्हें यह भी समझाया जाय कि तकनीक केवल साधन है, साध्य नहीं। सेना के प्रशिक्षण संस्थानों में श्रेष्ठतम व्यक्तियों को नियुक्त किया जाता है। जबकि राज्यों के प्रशिक्षण संस्थानों में अधिकांशतया अधिकारियों को, अपवादों को छोड़कर, बतौर सजा लगाया जाता है। वास्तव में यह सजा इन अधिकारियों के बजाय उन्हें अधिक मिलती है जो इस अवधि में वहां प्रशिक्षण के लिए आते हैं। राज्य के प्रशिक्षण संस्थानों में भी श्रेष्ठतम अधिकारियों को चयन के आधार पर, नियुक्त किया जाना आवश्यक है, ताकि वे प्रशिक्षणार्थियों में ऊर्जा और उत्साह का संचार कर सकें।

यह बात अधिकारियों के दिलों दिमाग में अच्छी तरह बिठाई जा सकती हैं कि उनकी प्रतिबद्धता केवल और केवल देश के लोगों के प्रति, संविधान के माध्यम से है। जिस स्टील फ्रेम की बात सरदार वल्लभभाई पटेल ने कही थी, उसकी आवश्यकता जितनी आज है, उतनी शायद पहले कभी नहीं थी। आज के अधिकारियों की रीढ़ की हड्डी बहुत लचीली हो गई है। लगता है स्टील में जंग लग गया है। देश के चाहे आईएएस अधिकारी हों या आईपीएस अधिकारी, सब जिस प्रकार सत्ता के बदलते ही अपना रंग बदल लेते हैं, उसे देखकर गिरगिट भी शरमा जाएयह चिंता का विषय है। सत्ताधारी दल, प्रजातंत्र में बदलते रहेंगे, किंतु स्थाई सेवा में नियुक्त अधिकारियों, विशेष कर उच्च सेवा के अधिकारियों को, अपने कार्य करने के तरीके को इस प्रकार संवेदनशील और निष्पक्ष रखना होगा जैसी उनसे सरदार पटेल ने अपेक्षा की थी। तब ही, वे अपनी सेवा के प्रति एवं जनता के प्रति न्याय कर पाएंगे। एक और बड़ा कारण जो अधिकारियों को ईमानदारी और संवेदनशीलता के मार्ग से दूर करता है, वह है जवाब देही का नितांत अभाव। भ्रष्ट अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई एक-दो दिन की हेडलाइंस बनती है लेकिन कुछ समय बाद वही अधिकारी अपनी सेवा में पदोन्नति की सीढ़ियां चढ़ते हुए सर्वोच्च पदों तक चढ़ते हुए देखे गए हैं। जब किसी अधिकारी को भ्रष्ट तरीके अपनाने पर किसी प्रकार की तत्काल कड़ी सजा का डर नहीं होगा, तो विरले अधिकारी ही ईमानदारी की राह पर चलना पसंद करेंगे। आज यही त्रासदी सिविल सेवा के साथ में है। वे देखते हैं कि बेईमान अधिकारी, केवल चाटुकारिता के बल पर आगे बढ़ जाते हैं, जबकि जनता के प्रति समर्पित ईमानदार अधिकारी कई बार सत्ताधारी दल के जनप्रतिनिधियों के कोप के भाजन बन जाते हैं। संवेदनहीन और बेईमान अधिकारियों को सजा देने के लिए यदि कानूनी प्रक्रिया में संशोधन की भी आवश्यकता हो तो, उसे करने में किसी प्रकार का संकोच नहीं करना चाहिए। एक बार जब सही प्रकार के अधिकारी मिल गए, तो फिर बहुत अधिक प्रयास करने की आवश्यकता नहीं होगी और जनता को उनकी अपेक्षा के अनुसार शासन व्यवस्था उपलब्ध हो पाएगी।

डेढ़ सौ करोड़ की जनसंख्या वाले देश में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। यदि उनकी प्रगति में कोई बाधा उत्पन्न होती है तो वह स्वार्थ अथवा दबाव के कारण होती है। हमने हाल ही में अभी, सीबीएसई और नीट की परीक्षा में देखा है कि किस प्रकार अपने व्यक्तिगत लोभ के लिए लोग लाखों युवाओं का भविष्य दाँव पर लगा देते हैं।

अब देश और अधिक प्रतीक्षा नहीं कर सकता। अब तत्काल इस विषय को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। यदि आप अधिकारी सही रूप से चयन तक नहीं कर सकते, तो फिर जनता के साथ तो अन्याय ही होगा। उच्च अधिकारियों के स्थानांतरण हेतु एक अलग से स्वतंत्र बोर्ड बनाया जाना चाहिए जो अधिकारियों को किसी भी पद पर काम करने के लिए न्यूनतम तीन साल का कार्यकाल दे।यदि निश्चित अवधि से पहले किसी का स्थानांतरण करना हो तो उसके लिए विशेष कारण अंकित करना अनिवार्य होना चाहिए। वर्तमान व्यवस्था में अधिकारियों को फुटबॉल की तरह एक से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने की परिपाटी हो गई है।

उपरोक्त कुछ सुझाव लेखक ने अपने दीर्घ प्रशासनिक अनुभव और अब सेवानिवृत्ति के बाद समाज के विभिन्न वर्गों से चर्चाओं के आधार पर दिए हैं। आशा है, लोक सेवा आयोग और सरकारें इस ओर गंभीरता से ध्यान देंगे ताकि देशवासियों को संवेदनशील और ईमानदार, जनहितकारी शासन मिल सके जिसके वे हकदार हैं।

–राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 12 जून, 2026

द्वितीय ज्येष्ठ मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2083, अश्विनी नक्षत्र प्रात: 6:29 तक, अतिगंड योग रात्रि 9:26 तक, कौलव करण प्रात: 9:07 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मेष, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-कर्क, शुक्र-कर्क शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग प्रात: 6:29 तक है। राजयोग प्रात: 6:29 से योग रात्रि 7:37 तक है। आज प्रदोष व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:19 तक, लाभ अमृत 7:19 से 10:44 तक, शुभ 12:27 से 2:09 तक, चर 5:34 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:17

मेष
मानसिक तनाव दूर होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। पारिवारिक कारणों से भागदौड़ और मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

सिंह
धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

तुला
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

वृश्चिक
विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। व्यक्तिगत परेशानियां यथावत बनी रहेगी।

मकर
घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों का निपटारा हो सकता है।

मीन
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सार-समाचार

मित्र जीवन का वरदान : सुबेदी महाराज

जैसलमेर, (नि.सं.)। श्री पुरुषोत्तम मास भागवत सेवा समिति द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के गुरुवार को सप्तम दिवस सुबेदी महाराज ने कृष्ण सुदामा की मित्रता की कथा सुनाते हुए कहा कि जीवन में सच्ची मित्रता सब से बड़ा वरदान होता है, कृष्ण ने न केवल मित्रता निभाई बल्कि सुदामा की गरीबी मिटाकर उनकी झोपडी को महल में तब्दील कर दिया। मिडिया प्रभारी प्रमोद जगानी ने बताया कि भागवत कथा के अंतिम दिन गुरुवार को सुबेदी महाराज ने सात दिन की कथा कथा का सार संक्षेप में सुनाया तथा सुदामा चरित्र की कथा विस्तार पूर्वक सुना कर, सात दिवसीय कथा को विराम दिया आयोजन समिति के स्थाई सदस्य दुर्गा प्रसाद दाधीच ने बताया कि गुरुवार को सुबेदी महाराज का स्वागत एवं भागवत व्यास पीठ पूजन का सभी यजमान परिवार ने सामूहिक रूप से किया। झाकियों प्रभारी राखी थानवी और कृष्णा केवलिया ने बताया कि गुरुवार को झांकियों में प्रमुखत कृष्ण, सुदामा,द्वारपाल एवं पंढरीनाथ भगवान की झाकियां आकर्षित कर रही थी। पंढरीनाथ भगवान की झांकी की भूमिका को आर सी व्यास सुशोभित कर रहे थे। समिति के सदस्य अभिषेक व्यास ने बताया कि सुरीले रसपूर्ण भजन पांडाल को भक्तिमय बना रही थीं, विशेषत सुदामा के द्वारका आगमन पर भजन अरे द्वारपालों कन्हैया से कह दो द्वार पर सुदामा गरीब आया है। आयोजन समिति के सरंक्षक गोवर्धन थानवी ने कथा विराम के पश्चात समस्त श्रद्धालुओं का शांतिपूर्ण भागवत कथा सम्पूर्ण होने में सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया एवं आभार प्रकट किया। समिति के सदस्य आर सी व्यास ने बताया कि सुबेदी महाराज के कर कमलों से गजेटेड हनुमान मंदिर के पुजारी एवं उनकी टीम अशोक महाराज आसाराम सिन्धी, जीवन दलाल, जुगल भाटिया का उपर्णा पहना कर सत्कार किया एवं आशीर्वाद दिया तथा गजरूप सागर के संत बाल भारती महाराज का भी स्वागत किया गया।

शहरी वार्डो में शिविर आज

जालोर, (कासं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले के सभी स्थानीय निकायों में 12 जून से 15 जुलाई 2026 तक शहरी सेवा शिविर 2026 आयोजित किये जायेंगे। शिविर में विभागीय अधिकारियों द्वारा आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान एवं उनके कार्य सम्पादित किये जायेंगे। जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले के सभी स्थानीय निकायों में 12 जून से 15 जुलाई तक शहरी सेवा शिविर 2026 का आयोजन किया जाएगा। शिविर में साफ-सफाई, स्ट्रीट लाईट मरम्मत, नई लाइट लगाना, टूटे फेरो कवर व क्रास सही करना, ब्लैक स्पॉट सही करवाना, पेचवर्क, पार्को की सफाई, सार्वजनिक शौचालयों की सफाई व मरम्मत, सीवरेज कनेक्शन व मरम्मत, लम्बित पत्रावलियों का निस्तारण, विभिन्न प्रकार के पट्टे, स्टेट ग्रांट, कच्ची बस्ती 69ए, .पि भूमि भू-उपयोग परिवर्तन, खांचा भूमि, नामांतरण, भवन निर्माण मंजूरी, ट्रेड लाईसेंस, फायर एनओसी, स्ट्रीट वेंडर रजिस्ट्रेशन, उप-विभाजन-एकीकरण, लीज मुक्ति प्रमाण पत्र, जन्म-मृत्यु, विवाह प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना, पीएम स्वनिधि योजना के आवेदन, प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत आवेदन, एसबीएम 2.0 के अंतर्गत घरेलू शौचालय निर्माण के आवेदन प्राप्त कर त्वरित गति से निस्तारित किये जायेंगे।

सरकार के 12 साल पर प्रदर्शनी आज से

बाड़मेर, (नि.सं.)। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग जयपुर के निर्देशानुसार केन्द्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों पर आधारित तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रदर्शनी शुक्रवार से भगवान महावीर टाउन हॉल में आयोजित होगी। इसके लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों के उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए उसकी पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। जिला कलक्टर चिन्मयी गोपाल ने बताया कि भगवान महावीर टाउन हॉल में जिला स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारंभ शुक्रवार को दोपहर 12 बजे होगा। यह प्रदर्शनी आमजन के अवलोकनार्थ 14 जून तक खुली रहेगी। इसमें केन्द्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों को प्रदर्शनी किया जाएगा। संपूर्ण कार्यक्रम का समन्वयक अधिकारी अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत एवं सह समन्वयक अधिकारी सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक प्रमोद वैष्णव को बनाया गया है। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय प्रदर्शनी के दौरान कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्थाओं के साथ रंगोली, चिकित्सा, प्रचार-प्रसार एवं विद्यार्थियों को प्रदर्शनी का अवलोकन करवाने के लिए विभागीय अधिकारियों का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए आदेशों की पालना सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए गए है।

मामाजी ओरण में प्याऊ शुरू

सायला, (निसं)। सायला के निकटवर्ती ओटवाला गांव स्थित मामाजी ओरण में सेवानिवृत्त शिक्षक दिवंगत वागाराम राजपुरोहित की पुण्य स्मृति में उनके परिवार की ओर से आमजन एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्थायी पेयजल प्याऊ का निर्माण करवाया गया। प्याऊ का शुभारंभ गुरुवार को विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। जानकारी के अनुसार दिवंगत वागाराम राजपुरोहित शिक्षा के क्षेत्र में लंबे समय तक सेवाएं देने के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी सदैव सक्रिय रहे। उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाने तथा जनहित की भावना से उनकी धर्मपत्नी भंवरी देवी की प्रेरणा से उनके पुत्रों प्रवीणसिंह राजपुरोहित एवं रविन्द्र सिंह राजपुरोहित द्वारा मामाजी मंदिर परिसर में इस प्याऊ का निर्माण करवाया गया है। इससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं, राहगीरों एवं ग्रामीणों को शुद्ध व शीतल पेयजल की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इससे पूर्व प्याऊ के उद्घाटन की पूर्व संध्या पर राजपुरोहित परिवार द्वारा भजन संध्या एवं प्रसादी का आयोजन किया गया। भजन संध्या में स्थानीय कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। इस दौरान ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती, होटल में दुष्कर्म

जोधपुर, (कासं)। शहर के शास्त्रीनगर पुलिस थाना क्षेत्र में आई एक होटल में किशोरी से दुष्कर्म का किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता के परिजन की तरफ से पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया गया है। आरोपी से किशोरी की दोस्ती इंस्टाग्राम पर हुई थी। दोनों बाद में मिलने लगे थे। फिलहाल पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अब जांच आरंभ की है। पुलिस के अनुसार पीड़िता के परिजन ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि गत एक साल पहले उसकी नाबालिग पुत्री का संपर्क एक युवक से सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर हुआ था। जिस पर दोनों मिलने लगे थे। सालभर से आरोपी युवक उसको होटल में ले जाकर दुष्कर्म करता रहा। जब मामला ज्यादा बढ़ गया तो किशोरी ने अपने परिजनों को बताया। इस पर परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे तथा रिपोर्ट दर्ज कराई।

अत्यधिक शराब से मिर्गी रोगी की मौत

जोधपुर, (कासं)। नौ मील मंडोर इंडस्ट्रीयल एरिया में श्रमिक की अत्यधिक शराब सेवन और मिर्गी रोग के चलते अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। मृतक के भाई की तरफ से मंडोर थाने में रिपोर्ट दी गई है। शव पोस्टमार्टम करवा परिजन को सुपुर्द किया। मंडोर पुलिस के अनुसार लोहावट के हनुमान सागर, भेड निवासी लक्ष्मणराम पुत्र हरूराम जाट ने रिपोर्ट में बताया कि भाई खुमाराम यहां मंडोर 9 मील स्थित इंडस्ट्रीयल एरिया में मजदूरी करता था। वह मिर्गी रोग से पीड़ित होने के साथ शराब का सेवन करता था। अत्यधिक शराब सेवन करने और मिर्गी का दौरा आने पर उसे अस्पताल ले जाया गया। मगर बाद में उसकी मौत हो गई।

सोलर पावर प्लांट से केबल चोरी

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती मथानिया स्थित नेवरा रोड पर एक फार्म हाउस पर चोरों ने सैंध लगाकर वहां से पांच हजार मीटर सोलर पावर प्लांट की केबल चोरी कर ली। फार्म हाउस मालिक ने मथानिया थाने में इस बाबत केस दर्ज कराया है। पुलिस अब चोरों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। मथानिया पुलिस ने बताया कि नेवरा रोड निवासी जगदीश जाखड़ ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि 7 जून को उसके खेत-फार्म हाउस में लगे सोलर पावर प्लांट से करीब 5 हजार मीटर की डीसी केबल को अज्ञात व्यक्ति चुराकर ले गया। सोलर प्लांट ने काम करना बंद किया तो घटना का पता लगा। सूचना पर मथानिया पुलिस ने मौका मुआयना किया।

जिला पश्चिम जोधपुर की डीएसटी भंग

जोधपुर, (कासं)। पुलिस उपायुक्त पश्चिम कमल शेखावत ने एक आदेश जारी कर जिला विशेष टीम (डीएसटी) को भंग कर दिया है। इस टीम का गठन गत वर्ष तीन दिसंबर को किया गया था। डीसीपी कमल शेखावत के अनुसार प्रशासकीय आधार पर इस टीम का भंग किया गया है। डीएसटी में तैनात अधिकारी व कर्मचारियों को उपस्थिति संबंधित थाना व पुलिस लाइन में तत्काल देने के निर्देश दिए गए है।

खर्रा ने बजट घोषणाओं व बकाया कामों की जानकारी ली

पाली, (नि.सं.)। जिला प्रभारी मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने गुरुवार को सर्किट हाउस में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली, उन्होंने पानी बिजली व चिकित्सा, बजट घोषणा को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। साथ ही विभिन्न विभागों की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन व बकाया कामो के बारे में आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने गर्मी के मौसम में व आने वाले मानसून के लिए सुचारू और निर्बाध पेयजल आपूर्ति व बिजली उपलब्धता, वितरण आदि के बारे में आवश्यक निर्देश दिये। इसके साथ ही सार्वजनिक निर्माण विभाग में सड़कों के मरम्मत व बकाया कामो की जानकारी लेकर निर्देश दिए।

पाली जिला प्रभारी मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने सर्किट हाउस में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। फोटो-राष्ट्रदूत

प्रभारी मंत्री ने बैठक में चिकित्सा विभाग व बांगड चिकित्सालय चिकित्सा उपायों प्रबन्धों, मौसमी बीमारियों ओपीडी के बारे में समीक्षा कर निर्देश दिये। साथ ही जल संसाधन विभाग, कृषि में खाद, बीज, उर्वरक, निर्देश दिये। उन्होंने नगर निगम को बरसात पूर्व नाला सफाई विभिन उपायों के बारे में विस्तार से चर्चा कर निर्देश दिए।साथ ही यूआईटी, रोडवेज में बसों के लिए, आबकारी विभाग को, वंदे गंगा अभियान की जानकारी व चर्चा व हरियालो राजस्थान पौधरोपण अधिक से अधिक करने व व पोधो को संरक्षित करने के लिए कहा।

इस अवसर पर बैठक में जिला कलक्टर ने जिले में चल रही विभिन्न योजनाओं व कामो की प्रगति की जानकारी दी। बैठक में इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक मोनिका सेन, अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ बजरंग सिंह, आई सीईओ मुकेश चौधरी, सहित विभिन विभागों के अधिकारी, आदि मौजूद रहे।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सर्किट हाउस में खर्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

प्रभारी मंत्री ने बताया कि बीते 12 वर्षों में केंद्र सरकार ने विश्वास, विकास और जनकल्याण के मूल मंत्र के साथ कार्य करते हुए देश के हर वर्ग के उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। उन्होंने गरीब कल्याण, युवा सशक्तिकरण, किसान कल्याण, कृषि एवं ग्रामीण विकास, डिजिटल और आर्थिक विकास, उद्योग, रोजगार और आत्मनिर्भरता, नारी शक्ति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, मिडिल क्लास को राहत, राष्ट्र निर्माण, 'राष्ट्र प्रथम' की भावना तथा विरासत एवं विकास जैसे विभिन्न आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में समान सोच के साथ कार्य कर रही है। राज्य में हर वर्ग और क्षेत्र के संतुलित एवं समग्र विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका समयबद्ध क्रियान्वयन और गुणवत्तापूर्ण परिणाम सुनिश्चित करना है। इसी दिशा में विभिन्न विभागों के माध्यम से निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

'अविवाहित महिला को अनुकंपा नियुक्ति का मिल सकता है लाभ'

- **एक अविवाहित महिला को अपनी मृत सरकारी कर्मचारी बहन के आधार पर अनुकंपा नियुक्ति का लाभ मिल सकता है : हाईकोर्ट**

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अनुकंपा नियुक्ति के एक महत्वपूर्ण मामले में राज्य सरकार के फैसले को गलत बताते हुए अविवाहित बहन को राहत दी है। कोर्ट ने कहा कि एक अविवाहित महिला को अपनी मृत सरकारी कर्मचारी बहन के आधार पर अनुकंपा नियुक्ति का लाभ मिल सकता है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के उस निर्णय को गलत ठहराया है, जिसमें अविवाहित महिला को उसकी मृत सरकारी कर्मचारी बहन के आश्रित होने के बावजूद नियुक्ति का लाभ देने से इनकार कर दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि पात्रता का परीक्षण केवल मृत्यु की तारीख के आधार पर नहीं किया जा सकता, बल्कि यह भी देखा जाना चाहिए कि आवेदन के समय कौन से नियम प्रभावी थे। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने विभागीय आदेश रद्द कर मामले पर दोबारा विचार करने के निर्देश दिए हैं।

जोधपुर निवासी अरुणा ओझा की ओर से अधिवक्ता निशित शाह ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर बताया कि उनकी बहन करुणा ओझा अभियोजन विभाग में अभियोजन अधिकारी के पद पर कार्यरत थीं। करुणा ओझा का 13 सितंबर 2021 को निधन हो गया था। वह अविवाहित थीं और अरुणा ओझा पूरी तरह उन पर निर्भर थीं। करुणा ओझा की मृत्यु के कुछ सप्ताह बाद राज्य सरकार ने 28 अक्टूबर 2021 को राजस्थान अनुकंपा नियुक्ति नियम, 1996 में संशोधन किया। संशोधन के तहत अविवाहित मृत सरकारी कर्मचारी की आश्रित अविवाहित बहन को भी अनुकंपा नियुक्ति के लिए पात्र माना गया। इसके बाद अरुणा ओझा ने निर्धारित अवधि के भीतर नियुक्ति के लिए आवेदन किया। हालांकि अभियोजन विभाग ने नवंबर 2023 में उनका आवेदन यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि संशोधित नियम करुणा ओझा की मृत्यु के बाद लागू हुए थे और इन्हें पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू नहीं किया जा सकता। विभाग ने इसी आधार पर अरुणा को अपात्र मान लिया। जस्टिस अरुण मोंगा ने मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि याचिकाकर्ता ने मृत्यु के बाद निर्धारित 90 दिनों की अवधि के भीतर आवेदन किया था। उस समय संशोधित नियम प्रभाव में आ चुके थे।

अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता संशोधन को पूर्वव्यापी रूप से लागू करने की मांग नहीं कर रही थीं, बल्कि आवेदन की तारीख पर लागू नियमों के तहत अपने अधिकार का दावा कर रही थीं। कोर्ट ने माना कि विभाग ने पात्रता तय करते समय नियमों की गलत व्याख्या की। केवल इसलिए, लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता कि कर्मचारी की मृत्यु संशोधन लागू होने से पहले हुई थी। यदि आवेदन के समय नियम लागू था, तो उसका लाभ मिलना चाहिए। हाईकोर्ट ने विभाग का आदेश निरस्त करते हुए सक्षम प्राधिकारी को निर्देश दिया है कि अरुणा ओझा के मामले पर पुनर्विचार किया जाए। यदि वह अन्य सभी शर्तों के अनुसार पात्र पाई जाती हैं तो उन्हें अनुकंपा नियुक्ति का लाभ दिया जाए।

पाली में राजेश पायलट की 26 वीं पुण्यतिथि मनाई

पूर्व केंद्रीय मंत्री व कांग्रेस नेता स्वर्गीय राजेश पायलट की 26 वीं पुण्यतिथि पर पाली के जिला कांग्रेस भवन में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। पूर्व केंद्रीय मंत्री व कांग्रेस नेता स्वर्गीय राजेश पायलट की 26 वीं पुण्यतिथि पर जिला कांग्रेस भवन में उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर मनाई गई।

इस दौरान पाली जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाडा, शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हकीम भाई, पूर्व सभापति प्रदीप हिंगड, महावीर सिंह सुकरलाई, मदनसिंह जागरवाल, जोगाराम सोलंकी, सुमित्रा जेन, प्रकाश सांखला, जीवराज बोराणा, मेहबूब टी, भंवर राव, प्रकाश सीरवी, गोविंद बंजारा, यशपालसिंह कुम्पावत, राजेन्द्र सिंह जाखोडा, रतन उदेश, ताराचन्द चन्दनानी, ओमा चौधरी, कृष्णा सांसी, संतोश सिंह बाजवा, रफीक गौरी, दिलीप ओड, जावेद सिरोहा, विजय जोशी, तालिब अली चूडीघर, रफीक चौहान, मांगूसिंह दुदावत, गणपत पटेल, रमेश चावला, अशोक कुलदीप, भेराराम गुर्जर, चन्द्रकांत मारू, दिनेश दवे,बाबू कौर, राजू सोलंकी, कन्हैयालाल परिहार, मांगीलाल सोलंकी, चेलाराम राखडा, शकील नागोरी, रमेश परिहार, रमजान सामरिया, कैलाश गोयल, राजवीर देवासी, अनिल सिंह निम्बाडा, जसवंत भारद्वाज, डुंगरदास, पुष्पराज सोनी, संजय परमार, फारुख रंगीला,रामचन्द्र बुनकर, असगर कुरैशी, यासीन सबावत, नजीर सिंधी, महेंद्र मेहता, विक्रम भाटी, पंकज आदिवाल, हाजी मोहम्मद, रमेश गर्ग, मूलचंद संकलेचा, वसीम खान, राजूसिंह सोनाई माझी, चन्द्रपाल सिंह पुनायता, अरबाज खान, शाहिद पिनु, इलू अब्बासी, आबिद चढवा, ओटाराम चौधरी, मुकेश मीणा, मांगीलाल कौर, रिजवान चढवा, रमेश सिंघारिया, रमेश चौधरी, मुनाजिर अली चूडीघर, रमेश तुंगारिया, चाँद रंगरेज, धनाराम हीरागर पूर्व पार्षद प्रतिनिधि हाजी इंसाफ मोयल, वार्ड अध्यक्ष रमेश परिहार, मोहम्मद सत्तार पठान,यासीन लोहार , जिशान अली रंगरेज, अनवर सोजत , रिजवान चढवा, मुनाजिर अली , वार्ड अध्यक्ष समीर मोयल, राजू भाई , नियाज मोयल, निखिल बारिया , भावेश मेवाडा, अंकित सुराणा , मकसूद अली, शौकीन अली घोसी इत्यादि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिव शक्ति धाम जसदेर में किया योगाभ्यास

- **स्वस्थ जीवन जीने का संदेश दिया**

बाड़मेर,(नि.सं.)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर आयुर्वेद विभाग एवं जिला प्रशासन बाड़मेर की ओर से जन-जन में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न स्थानों पर प्रतिदिन सामान्य योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया जा रहा है।

बाड़मेर जिला मुख्यालय स्थित शिव शक्ति धाम जसदेर के प्रांगण में गुरुवार को सामान्य योग प्रोटोकॉल का अभ्यास आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों एवं योग साधकों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। योगाभ्यास कार्यक्रम में स्वामी रामपुरी, डॉ. प्रदीप धनदे, डॉ. नरेंद्र कुमार, डॉ. जोगेंद्र, डॉ. कदंब, डॉ. मोहनलाल, डॉ. छगन सोनी, डॉ. राकेश चौधरी, डॉ. संगीता, प्रकाश चंद्र, भूराराम, अमोलख सिंगारिया, करणाराम, राजेश सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में आयुर्वेद एवं योग विशेषज्ञ डॉ. रणवीर राजपुरोहित एवं डॉ. नखत कोड़ेचा ने प्रतिभागियों को सामान्य योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया तथा नियमित योग अपनाने के लिए प्रेरित किया। जिला प्रशासन एवं आयुर्वेद विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 21 जून को जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम आदर्श स्टेडियम, बाड़मेर में आयोजित किया जाएगा।

जैसलमेर के रामगढ़ में 20 किलोवाट एफएम ट्रांसमीटर का उद्घाटन

जैसलमेर/जयपुर, (नि.सं.)। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को आकाशवाणी जयपुर परिसर से जैसलमेर जिले के रामगढ़ में स्थापित 20 किलोवाट क्षमता वाले आकाशवाणी एफएम ट्रांसमीटर का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस नए ट्रांसमीटर के शुरू होने से राजस्थान में एफएम ट्रांसमीटरों की संख्या बढ़कर 39 हो गई है। रामगढ़ में स्थापित यह ट्रांसमीटर सीमावर्ती क्षेत्र में लगभग 80 किलोमीटर के दायरे में रेडियो प्रसारण की सुविधा उपलब्ध कराएगा। इसके माध्यम से जैसलमेर जिले के करीब 20 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में रहने वाले लोगों तक सूचनात्मक, शैक्षिक और मनोरंजक कार्यक्रमों की पहुंच सुनिश्चित होगी। साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में संचार और प्रसारण व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि तेजी से बदलती तकनीक के दौर में रेडियो प्रसारण को प्रासंगिक और प्रभावशाली बनाए रखने के लिए डिजिटल फर्स्ट और हाइपर-लोकल दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। उन्होंने प्रसार भारती के अधिकारियों को इस दिशा में एक स्पष्ट रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए। वैष्णव ने स्थानीय कलाकारों, लोक संस्कृति और शिल्पकारों को प्रसारण प्रणाली से जोड़ने पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने जयपुर में विकसित हो रहे एआई डेटा सेंटर का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भविष्य की तकनीकी जरूरतों को पूरा करने और डिजिटल भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

प्रसार भारती के अध्यक्ष प्रसून जोशी ने कहा कि आकाशवाणी और दूरदर्शन जैसे संस्थान आज भी समाज की जड़ों से जुड़े हुए हैं और जनसंचार के विश्वसनीय माध्यम के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।कार्यक्रम में राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, जयपुर सांसद मंजू शर्मा, आकाशवाणी के महानिदेशक राजीव कुमार जैन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जबकि जैसलमेर सांसद उमेदराम बेनीवाल वर्चुअल माध्यम से जुड़े। यह पहल कश्मीर से कच्छ तक मजबूत प्रसारण नेटवर्क विकसित करने की राष्ट्रीय परिकल्पना को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

लूनी नदी प्रदूषण मामले में बालोतरा पहुंची एसआईटी

- **राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल ने जांच प्रक्रिया को तेज किया**

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा क्षेत्र के जोजरी, लूनी एवं बांडी नदी में बढते प्रदूषण के मामले को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने गुरुवार को बालोतरा पहुंचकर जांच प्रक्रिया को तेज कर दिया।

पुलिस महानिरीक्षक लवली कटियार के नेतृत्व में टीम ने बिठूजा औद्योगिक क्षेत्र तथा बालोतरा स्थित कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट का विस्तृत निरीक्षण कर प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्थाओं की पड़ताल की। आईपीएस अधिकारी दिनेश विश्नोई, पंकज यादव, आरएसी कमांडेंट, बालोतरा पुलिस अधीक्षक रमेश कुमार तथा राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

टीम ने विभिन्न स्थलों का दौरा कर तकनीकी जानकारियां जुटाई और प्रदूषण नियंत्रण उपायों की प्रभावशीलता का आकलन किया।

जांच दल ने सबसे पहले बिठूजा औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण किया, जहां औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले अपशिष्ट जल के उपचार, संग्रहण और निस्तारण की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। इसके बाद टीम ने बालोतरा स्थित सीईटीपी प्लांट का निरीक्षण कर संयंत्र की क्षमता, संचालन प्रणाली, उपचारित पानी की गुणवत्ता तथा पर्यावरणीय मानकों की पालना की स्थिति का परीक्षण किया।

सूत्रों के अनुसार टीम ने संबंधित अधिकारियों से औद्योगिक इकाइयों द्वारा छोडे जा रहे रासायनिक अपशिष्ट, प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों की कार्यप्रणाली तथा नदियों में बढते प्रदूषण के कारणों को लेकर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। टीम ने विभिन्न स्थानों से जल एवं अपशिष्ट के नमूने भी एकत्रित किए हैं, जिनकी वैज्ञानिक जांच के बाद विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि जोजरी, लूनी और बांडी नदी में बढते प्रदूषण को लेकर लंबे समय से पर्यावरण प्रेमियों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों द्वारा चिंता जताई जा रही है। रासायनिक प्रदूषण के कारण कृषि भूमि, पशुधन और भूजल की गुणवत्ता पर पड रहे प्रतिकूल प्रभावों को लेकर कई बार आवाज उठाई गई है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने उच्चस्तरीय एसआईटी का गठन किया था। अब टीम की जमीनी स्तर पर शुरू हुई जांच को प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। माना जा रहा है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों तथा जिम्मेदार पक्षों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि टीम की जांच से प्रदूषण के वास्तविक कारण सामने आएंगे और लूनी, जोजरी तथा बांडी नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए प्रभावी एवं स्थायी समाधान लागू किए जा सकेंगे।

बाड़मेर नगर परिषद् ने 29 हजार 700 रुपए जुर्माना वसूला

बाड़मेर, (नि.सं.)। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रावधान 1 अप्रैल 2026 से लागू हो गए है। राजस्थान नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन उपविधियां, 2019 पूर्व में लागू है। इसके तहत बाड़मेर नगर परिषद क्षेत्र में घर-घर कचरा संग्रहण के लिए उपयोग राशि निर्धारित की गई है। इधर, बाड़मेर नगर परिषद ने दो दिन में 29 हजार 700 रुपए जुर्माना वसूलने की कार्रवाई की।

नगर परिषद आयुक्त भगवत सिंह परमार ने बताया कि बाड़मेर नगर परिषद क्षेत्र में घर-घर कचरा संग्रहण के लिए 50 वर्ग मीटर क्षेत्रफल तक के आवासीय मकान के लिए मासिक उपयोग राशि 15 रूपए, 50 वर्ग मीटर क्षेत्रफल से अधिक एवं 300 वर्ग मीटर क्षेत्रफल तक के आवासीय मकान के लिए 50,300 वर्ग मीटर क्षेत्रफल से अधिक आवासीय मकान के लिए 100, व्यवसायिक प्रतिष्ठान, दुकान, खानपान के स्थान ढाबा, मिठाई की दुकान, फार्म हाउस के लिए 200, गेस्ट हाउस 500, सरकारी छात्रावास 400, निजी छात्रावास एवं निजी शिक्षण संस्थान 750, निजी कोचिंग संस्थान 3000, निजी कोचिंग क्लासेज 750, व्यवसायिक कार्यालय, सरकारी कार्यालय, बैंक, बीमा कार्यालय, निजी के अलावा कोचिंग क्लासेज, शिक्षण संस्थान के लिए 500, शादी हॉल, उत्सव हॉल, प्रदर्शनी एवं मेला 3000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल तक शादी हॉल, उत्सव हॉल, प्रदर्शनी एवं मेला 3000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल से अधिक 4 हजार रूपए, गोदाम, कोल्ड स्टोरेज केवल गैर खतरनाक अवशिष्ट लघु एवं कुटीर उद्योग वर्कशॉप एक हजार, गोदाम, कोल्ड स्टोरेज केवल गैर खतरनाक अवशिष्ट 10 किलोग्राम प्रतिदिन लघु एवं कुटीर उद्योग वर्कशॉप के लिए 500, रेस्टोरेंट 500, होटल रेस्टोरेंट 750, होटल रेस्टोरेंट थ्री स्टार तक 1 हजार, होटल रेस्टोरेंट थ्री स्टार से अधिक 2 हजार, क्लीनिक 750, क्लीनिक, डिस्पेन्सरी, लेबोरेटिज 50 बेड तक के लिए 1500 एवं 50 बेड से अधिक के लिए 3 हजार रूपए प्रति माह उपयोग राशि वसूली जाएगी।

आयुक्त भगवत सिंह परमार ने बताया बाड़मेर शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के लिए नगर परिषद ने प्रभावी कदम उठाते हुए कचरा फैलाने तथा दुकानों के आगे सामान रखकर अस्थायी अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है। पिछले दो दिनों में नगर परिषद ने विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण कर 29 हजार 700 रूपए जुर्माना वसूला।

आयुक्त परमार ने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा। कार्रवाई राजस्व अधिकारी सावन कुमार अवस्थी, राजस्व लिपिक अरुण घारू और स्वास्थ्य जमादार अरुण सर्वटा के निर्देशन में की गई।

मंदिरों में पूजा-अर्चना की

जालोर. (कासं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार "12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के" कार्यक्रम के तहत देवस्थान विभाग व जिला प्रशासन के तत्वाधान में बुधवार को जिले में विशेष आयोजन हुए। इसी क्रम में राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने नारणावास के प्रसिद्ध जागनाथ महादेव मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर जिले के कल्याण, आमजन के उत्तम स्वास्थ्य व सुख-समृद्धि की कामना की।

मंदिर प्रांगण में पूरी श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ आयोजित कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना सम्पन्न कराई। विधि-विधान से हुई पूजा-अर्चना के पश्चात भगवान श्री जागनाथ महादेव की महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने जागनाथ महादेव मंदिर की मुख्य सड़क के सीसी पुनर्निर्माण, सुदृढ़ीकरण व चौड़ाईकरण को लेकर सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निदेर्शित किया। कार्यक्रम में जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे, महंत महेन्द्रभारती महाराज, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंद किशोर राजोरा, तहसीलदार रणवीर सिंह, बीडीओ प्रदीप मायला, महेन्द्र मेघवाल, भूपेन्द्र देवासी, गणपतसिंह बगेड़िया, पेमाराम देवासी, ओबाराम देवासी, रूपसिंह नारणावास सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं आमजन की सहभागिता रही।

कार्यालय नगर परिषद, जालोर (राजस्थान)

(अस्पताल चौराहा, जोधपुर रोड, जालोर-343001

आपत्ति विज्ञप्ति

क्रमांक-नपजा/राजस्व/2026/1832 दिनांक-09.06.2026

श्रीमती निकिता कंवर पत्नी श्री मानसिंह जाति राजपूत निवासी आम चौहाटा, कंनपुरा ढोला तहसील सुमेरपुर जिला पाली (राज.) ने एक भूखण्ड/मकान के नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

भूखण्ड का पता	पट्टा संख्या एवं पट्टाधारक का नाम	हस्तान्तरण का जरिया	आडौस-पडौस व तुर्थदर्शी	भूखण्ड का क्षे. (व.ग.)	प्रयोजन का प्रकार
जालोर सी की आबादी भूमि के खसरा नं. 2157 बनाम केशरनाथ कॉलोनी जालोर	कार्यालय नगर परिषद जालोर के लीजडीड सं. -205/2020-21 दिनांक 20.07.2020 (गंगाबेन वालेड/गोपाल जी) कार्यालय नगर परिषद जालोर के लीजडीड सं. -204/2020-21 दिनांक 20.07.2020 (रेशमाबेन वालेड/रमेश जी)	रजिस्टर्ड बेचाननामा	उत्तर-द्वितीय आवासीय प्लॉट के उत्तर दिशा का शेष हिस्सा प्लॉट। दक्षिण-प्रथम आवासीय प्लॉट के दक्षिण दिशा का शेष हिस्सा प्लॉट। पूर्व-20 फीट चौडा रास्ता। पश्चिम-रमेश कुमार, अन्तर देवी व कानाराम का प्लॉट।	133.33	आवासीय प्लॉट

अतः सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो उक्त सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस की अवधि में अपनी लिखित आपत्ति मय दस्तावेज साक्ष्य सहित निम्नहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी। इस प्रकरण से संबंधित प्रार्थना पत्र व संलग्न दस्तावेजो का अवलोकन किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय के दौरान इस कार्यालय के राजस्व अनुभाग में आकर किया जा सकेगा। अवगत रहे।

आयुक्त, नगर परिषद जालोर

श्रीगंगानगर में पुलिस और पंजाब के गैंगस्टर के बीच मुठभेड़, बदमाश घायल

मुठभेड़ के दौरान सदर थाना के कांस्टेबल कैलाश जाखड़ बाल-बाल बच गए, एसपी मौके पर पहुंचे

- घायल गैंगस्टर शकील अंसारी को जिला हॉस्पिटल में भर्ती कराया, पुलिस जाब्ता तैनात किया
- शकील अंसारी पंजाब का कुख्यात गैंगस्टर है और श्रीगंगानगर में अपराधिक गतिविधियां करने का प्लान बना रहा था

श्रीगंगानगर, (निसं)। सदर थाना पुलिस और पंजाब के गैंगस्टर के बीच में मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में गैंगस्टर को पैर में गोली लगी है। गैंगस्टर ने पुलिस पर फायरिंग की थी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। घटना 17 एमएल पठानवाला के पास सदर थाना क्षेत्र में हुई। हार्डकोर गैंगस्टर की पहचान शकील अंसारी के रूप में हुई है, जो पंजाब का रहने वाला है। गैंगस्टर को जिला हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी अनुसार एजीटीएफ और सीआई रामविलास बिश्नोई के इनपुट पर पुलिस ने गैंगस्टर के श्रीगंगानगर पहुंचने की सूचना पर पूरे क्षेत्र में नाकाबंदी कर दी थी। एसपी हरिशंकर के सीधे निर्देश पर सदर सीआई सुभाष ढील की टीम ने नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोलीबारी की। क्रॉस फायरिंग में शकील अंसारी घायल हो गया। मुठभेड़ के दौरान सदर थाना के कांस्टेबल कैलाश जाखड़ बाल-बाल बच गए। टीम में शामिल अन्य जवान मनफूल, सलीम, राधेश्याम और रघुवीर भी मौके पर डटे रहे। बदमाश श्रीगंगानगर में फायरिंग की वारदात को अंजाम देने आया था, जिसे पुलिस ने समय रहते नाकाम कर दिया। घटना के बाद श्रीगंगानगर एसपी हरीशंकर सहित सभी थानाधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल और जिला अस्पताल दोनों जगह भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। एसपी हरिशंकर के कार्यभार संभालने के बाद गैंगस्टरों के साथ यह तीसरी पुलिस मुठभेड़ है। पुलिस के अनुसार शकील अंसारी पंजाब का कुख्यात गैंगस्टर है और श्रीगंगानगर में अपराधिक गतिविधियां करने का प्लान बना रहा था। आगे की जांच चल रही है।

हनुमानगढ़ में तापमान 45 डिग्री पहुंचा, गर्मी से नहीं मिल रही राहत

मौसम विभाग ने 13 से 15 जून के बीच जिले में गर्जना के साथ बारिश की संभावना जताई

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले में भीषण गर्मी और उमस ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। दोपहर साढ़े चार बजे तक जिले का अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। सुबह से तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण जनजीवन प्रभावित रहा, जिससे सड़कों पर आवाजाही और बाजारों में चहल-पहल कम दिखाई दी। रात के समय भी गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है, क्योंकि न्यूनतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे तापमान और उमस के कारण गर्मी का असर अधिक महसूस हो रहा है। दिनभर चलने वाली गर्म हवाओं के साथ उमस भी लोगों को परेशान कर रही है। डॉक्टरों ने बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को दोपहर में घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की साप्ताहिक मौसम पूर्वानुमान रिपोर्ट के अनुसार गुरुवार को आंशिक रूप से बादल छाने के साथ कहीं-कहीं गरज के साथ हल्की बारिश और धूलभरी आंधी चलने के आसार हैं। 12 जून को भी इसी तरह की स्थिति बनी रह सकती है।

मौसम विभाग ने बताया कि 13 जून से 15 जून के बीच जिले में गर्जना के साथ बारिश हो सकती है। इस दौरान कई स्थानों पर आंधी, बिजली चमकने और वर्षा होने की संभावना जताई गई है। लगातार मौसम परिवर्तन के कारण अधिकतम तापमान में भी गिरावट आने की उम्मीद है। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को मौसम विभाग के पूर्वानुमान पर नजर रखने की सलाह दी है। वहीं, प्रशासन ने लोगों से पर्याप्त पानी पीने, धूप से बचाव करने और लू से बचने के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है।

नाबालिग से होटल में दुष्कर्म

जोधपुर, (कासं)। जिला पश्चिम के राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र में एक किशोरी का अगवा कर होटल में दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने इस दौरान उसके फोटो लेने के साथ वीडियो भी बना लिया। अब फोटो वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल तथा परेशान किया जा रहा है। पीड़िता के परिजन की तरफ से पुलिस में रिपोर्ट दी गई है। आईटी एक्ट एवं पॉक्सो में केस दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि पीड़िता की मां की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि आरोपी 2 जून की रात्रि के समय उसकी नाबालिग पुत्री को जान पहचान का फायदा उठाकर संपर्क किया और उसे एक होटल पर लेकर गया। जहां पर नशीला पदार्थ पिलाकर उससे दुष्कर्म किया। वहां पर उसने फोटो खींचने के साथ वीडियो भी बना लिये। फोटोज और वीडियो से वह उसकी पुत्री को ब्लैकमेल कर रहा है। उसे वायरल करने की धमकी दी जा रही है।

भैंसों के तबेले में छिपाकर रखी डेढ़ करोड़ की हेरोइन जब्त, एक गिरफ्तार

- दो फीट गहरा गड्ढा खोदकर ढाई लाख नगदी और आईफोन-16 सहित दो मोबाइल फोन भी बरामद किए
- पुलिस, बीएसएफ और सीआईडी की टीम ने अनूपगढ़ के रावला थाना क्षेत्र के 365 हेड गांव में कार्रवाई की

अनूपगढ़, (निसं)। एक युवक ने भैंस के तबेले में गड्ढा खोदकर हेरोइन छिपा रखी थी। तबेले में करीब दो फीट गहरा गड्ढा खोदकर ढाई लाख नगदी और आईफोन-16 सहित दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। तबेले के ही दूसरे कोने में गड्ढे में हेरोइन भी छिपाई गई थी। गड्ढा खोदकर थैली निकाली गई, जिसमें दो पैकेट में करीब डेढ़ करोड़ कीमत की 300 ग्राम हेरोइन मिली।

मामला रावला थाना क्षेत्र के 365 हेड गांव में गुरुवार दोपहर करीब 3:30 बजे का है। पुलिस, बीएसएफ और सीआईडी की टीम गांव में पहुंची और अलग-अलग घरों की तलाशी ली। इस दौरान एक घर से हेरोइन और कैश बरामद किया गया है। फिलहाल, युवक को हिरासत में ले लिया गया है।

रायसिंहनगर एएसपी रामेश्वर लाल ने बताया कि भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में पुलिस, बीएसएफ और सीआईडी द्वारा संयुक्त गश्त के दौरान गांव 365 हेड में एक व्यक्ति के घर पर हेरोइन और भारी मात्रा में नकदी मिलने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस, बीएसएफ और सीआईडी की टीम दोपहर करीब तीन बजे गांव में पहुंची और कई घरों की तलाशी ली। सुरक्षा एजेंसियों की टीम को देख एक युवक कुलदीप सिंह, एक महिला और एक-दो अन्य लोग घबरा गए। जब कुलदीप सिंह से हेरोइन के बारे में पूछा गया तो वो टालमटोल करने लग गया। कैश और मोबाइल फोन को पतीले में भरकर कट्टे में डाला गया था और कट्टे को दो फीट गहरे गड्ढा खोदकर छिपाया गया था।

उन्होंने बताया कि जब कुलदीप से थोड़ी सख्ताई से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि भैंसों के तबेले में जमीन के नीचे सामान दबाया हुआ है। मौके पर मौजूद बीएसएफ, पुलिस और सीआईडी के अधिकारियों ने भैंसों के तबले में जमीन को खुदवाना शुरू किया। युवक ने दो फीट गड्ढा खोदकर एक कट्टा निकाला, जिसमें एक पतीला निकाला। इसमें दो थैलियां रखी थी, एक पॉलीथीन में ढाई लाख रुपए कैश और दूसरी थैली में दो मोबाइल फोन छिपाए हुए थे। पहले पूछताछ में युवक ने ये नकदी और मोबाइल फोन सट्टे की कमाई से लाना बताया। हालांकि, सख्ताई से पूछताछ करने पर उसने मादक पदार्थों से कमाना कबूल कर लिया। युवक ने तबेले के ही दूसरे कोने में एक और थैली छिपाने की बात कबूल की, जिसमें हेरोइन भरी हुई थी। गड्ढा खोदकर थैली निकाली गई, जिसमें दो पैकेट में करीब डेढ़ करोड़ कीमत की 300 ग्राम हेरोइन मिली।

एडिशनल एसपी ने बताया कि मौके पर सुरक्षा एजेंसियों द्वारा अभी भी सर्च अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के बाद ही पूरे मामले का विस्तृत खुलासा हो पाएगा। पुलिस, बीएसएफ और सीआईडी के करीब 40 जवान गांव 365 हेड के अन्य स्थानों पर भी तलाशी ले रहे हैं। फिलहाल, बरामद सामान को जब्त कर लिया गया है और युवक कुलदीप को हिरासत में लिया गया है। पुलिस अभी भी मौके पर सर्च अभियान चला रही है।

छह साल से फरार तस्कर जोधपुर में गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर की लूणी पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी में वांटेड चल रहे पांच हजार की इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी वर्ष 2019 से फरार था। उसके खिलाफ चार प्रकरण जिनमें लूट, मारपीट और आगजनी के दर्ज हो रखे हैं। पुलिस उपायुक्त पश्चिम ने उसके खिलाफ पांच हजार का इनाम घोषित कर रखा था।

लूणी थानाधिकारी हमीर सिंह ने बताया कि पुलिस आयुक्त शरत कविराज, डीसीपी वेस्ट कमल शेखावत के निर्देशानुसार प्रशिक्षु आरपीएस देवेंद्र सिंह के सुपरविजन में टीम का गठन किया गया। 14 नवंबर 2019 में मादक पदार्थ तस्करी का वांटेड बीबासर सदर झुंझुंनू निवासी सौरभ मीणा पुत्र सत्यवीर सिंह फरार चल रहा था। पुलिस उसकी छह साल से तलाश में लगी थी। पुलिस की गठित टीम आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

खेतड़ी में डंपर की टक्कर से युवक की मौत

खेतड़ी, (निसं)। मेहाड़ा थाना क्षेत्र के गुरजवास स्थित देर शाम को डंपर ने राहगीर को टक्कर मार दी। इस दौरान हादसे में राहगीर की मौत हो गई। घटना के दौरान ग्रामीणों ने डंपर ड्राइवर को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया और आक्रोश जताया।

एएसआई भोमाराम ने बताया कि गुजरवास निवासी मालाराम (71) रिछपालसिंह देर शाम को सड़क किनारे स्टैंड से अपने घर जा रहे थे। इस दौरान जब वह गांव के नजदीक पहुंचे तो पिछे से आए एक डंपर ने उनको टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मालाराम घायल हो गए। हादसे के दौरान आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा घायल मालाराम को उपचार के लिए नारनौल ले जाया गया। इस दौरान हालत गंभीर होने पर उसे जयपुर रैफर कर दिया कि रास्ते में उसकी मौत हो गई।

परिजन सुरेंद्र दायमा ने बताया कि मृतक मालाराम खेती का कार्य करता था। इनके तीन बेटे रामसिंह, हिरालाल व विक्रम है जो मजदूरी करते हैं। मृतक शाम को सड़क किनारे टहल कर अपने घर आ रहा था कि हादसे का शिकार हो गया। एएसआई भोमाराम ने बताया कि राजकीय उप जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है, परिजनों की ओर से दी जाने वाली रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

स्टेट जीएसटी ने जोधपुर के रिसॉर्ट के रिकार्ड खंगाले

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर में स्टेट जीएसटी ने बड़ी कार्रवाई की। बुधवार को टीम ने शहर के 9 मिल क्षेत्र स्थित ओटीसी रिसॉर्ट पहुंची। 24 से ज्यादा अधिकारी और कर्मचारियों की टीम ने रेड डाली। इस दौरान टीम ने रिसॉर्ट का ऑनलाइन ट्रांजैक्शन बिलिंग रिकॉर्ड और बाकी डाक्यूमेंट्स देखे। जानकारी के अनुसार टीम को टैक्स चोरी और इन्वेस्टमेंट संबंधी कई जानकारी मिली थी। इसी को लेकर बुधवार को स्टेट जीएसटी की टीम ओटीसी रिजॉर्ट पहुंची और यहां सारे बिल और बाकी डाक्यूमेंट्स खंगाले।

बताया जा रहा है कि 4 घंटे चली इस कार्रवाई में टीम ने कई रिकॉर्ड्स भी जब्त किए हैं। हालांकि इसे लेकर कोई अधिकारी बयान सामने नहीं आया है, लेकिन माना जा रहा है कि इस मामले को लेकर कई बड़े खुलसे हो सकते हैं।

जंगली जानवर ने पांच बकरियों का शिकार किया

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी क्षेत्र में जंगली जानवर का आतंक बरकरार है। जंगली जानवर ने लगातार दूसरे दिन अशोकनगर में शिकार की घटना को अंजाम देते हुए पांच बकरियों का शिकार कर लिया। अशोकनगर निवासी पशुपालक रामसिंह ने बताया कि रात्रि में बकरियों के बाड़े में घुसकर अज्ञात जंगली जानवर ने पांच बकरियों का शिकार कर लिया, जिससे पांचों बकरियों की मौत हो गई। जंगली जानवर द्वारा बकरियों की शिकारी सूचना मिलने पर ग्रामीण मनीराम कटारिया, रणवीर सिंह, कल्याण सिंह, प्रभु सिंह, धर्मपाल सिंह सहित दर्जनों ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की कि खेतड़ी बांशियाल वन्य जीव अभ्यारण में जंगली जानवर तो छोड़ दिए हैं, लेकिन उनकी चारदीवारी चार-चार फिट बनाई गई है तथा जंगल में पानी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से जंगली जानवर आबादी क्षेत्र में आ जाते हैं एवं मवेशियों का शिकार कर लेते हैं। वन विभाग ऐसी व्यवस्था करें कि जंगली जानवर आबादी क्षेत्र में नहीं आए तथा बकरी पालक को उचित मुआवजा दिया जाए।

डिग्गी में डूबने से किसान की मौत

बीदासर, (निसं)। कस्बे के निकट हरिनगर क्षेत्र में गुरुवार अलसुबह एक दर्दनाक हादसे में खेत की डिग्गी में गिरने से किसान की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार हरिनगर निवासी परमेश्वर पुत्र घासीराम मेघवाल सुबह करीब चार बजे खेत में स्थित डिग्गी पर बूस्टर चालू करने गए थे। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वे गहरे पानी में जा गिरे। डिग्गी में 20 फीट से अधिक पानी भरा हुआ था। काफी प्रयास के बावजूद वे बाहर नहीं निकल सके।

घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सूचना पर तहसीलदार अमर सिंह, पुलिस जाब्ते सहित मौके पर पहुंचे। वहीं सुजानगढ़ से हारे का सहारा टीम के संयोजक श्याम सुंदर सोनी, गोताखोर नेमीचंद गुलेरिया, चांदरत्न गुलेरिया, हर्षरत्न गुलेरिया तथा एंबुलेंस चालक नवरत्न बिजारणिया मौके पर पहुंचे। गोताखोर चांदरत्न गुलेरिया ने रेस्क्यू अभियान चलाकर मात्र 10 मिनट से भी कम समय में गहराई में फंसे शव को बाहर निकाल लिया। इसके बाद शव को बीदासर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट पर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया तथा मामले की जांच शुरू कर दी।

कोटपूतली में अवैध हथियार सहित पांच जने गिरफ्त में

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से देशी पिस्टल, देशी कट्टा व जिन्दा कारतूस बरामद किये।

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय थाना पुलिस ने अवैध फायर आर्म्स के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुये 1 देशी पिस्टल, 1 देशी कट्टा व 8 जिन्दा कारतूस सहित 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं उनके कब्जे से फायर आर्म्स हथियारों के अतिरिक्त लड़ाई-झगड़ा व मारपीट करने के उद्देश्य से तैयार करवाये हुये हथियार एवं अवैध हथियारों से लैस होकर घूमने में प्रयुक्त वाहन स्विफ्ट कार को जब्त किया गया हैं। इस सम्बंध में जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने प्रैस वार्ता कर जानकारी दी।

एसपी सिंह द्वारा अवैध फायर आर्म्स हथियार रखने वालों तथा खरीद फरोख्त करने वालों के खिलाफ अधिक से अधिक एवं प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश पर थानाधिकारी राजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा संदिग्ध वाहनों की चैकिंग करते हुये आरोपी संदीप पुत्र छीतरमल गुर्जर निवासी मुगलपुर थाना हरसौरा, हिमांशु पुत्र जगदीश गुर्जर निवासी बूटेरी थाना बानसूर, राहुल पुत्र सुरेश रावत निवासी मोहनपुर थाना नांगल चौधरी जिला महेन्द्रगढ़ (हरियाणा), बिजेन्द्र पुत्र गिर्राज गुर्जर निवासी वार्ड नं. 5 भूड़ावाली, खैरथल व हर्ष पुत्र गिरधारीलाल दर्जी निवासी दुधवा थाना मेहाड़ा जिला झुंझुनू को अवैध हथियार सहित पकड़ कर उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपियों से जप्तशुदा अवैध हथियारों के सम्बंध में गहनता से अनुसंधान जारी है।

भारत-पाक सीमा से सटे रणजीतपुरा गांव में मोहर लगा सफेद कबूतर मिला

- कबूतर को सुरक्षित रूप से थाना परिसर में रखा गया, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हुई
- कबूतर के पंखों पर नीले रंग की मोहर लगी है, उस पर अंकित शब्द स्पष्ट नहीं पढ़े जा सके

बज्जू, (निसं)। भारत-पाक अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे बज्जू उपखंड के रणजीतपुरा थाना क्षेत्र में एक सफेद कबूतर मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। कबूतर के पंखों पर नीले रंग की मोहर लगी है, हालांकि उस पर अंकित शब्द स्पष्ट नहीं पढ़े जा सके हैं।

जानकारी के अनुसार यह कबूतर रणजीतपुरा थाना क्षेत्र के चक 13 आरडीवाई-ए स्थित किसान रूपाराम लेघा के खेत में मिला। कबूतर सामान्य रूप से खेत और घर के आसपास घूमता दिखाई दिया। बाद में उसके पंखों पर नीले रंग की मोहर लगी होने का पता चलने पर किसान परिवार ने इसकी सूचना पुलिस को दी। किसान रामचन्द्र ने बताया कि कबूतर के पंखों पर नीली स्याही की मोहर दिखाई दी, जिसके बाद उन्होंने तत्काल रणजीतपुरा पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और कबूतर को अपने साथ थाना परिसर ले गए।

रणजीतपुरा थानाधिकारी सीआई लक्ष्मणसिंह राठौड़ ने बताया कि कबूतर को सुरक्षित रूप से थाना परिसर में रखा गया है। मामले की जानकारी जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय बीकानेर, बीएसएफ की जी ब्रांच तथा वन विभाग को दे दी गई है। फिलहाल क्षेत्र में किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति नहीं है और शांति बनी हुई है, लेकिन एहतियात के तौर पर निगरानी रखी जा रही है। गौरतलब है कि भारत-पाक सीमा से लगे क्षेत्रों में पूर्व में भी कई बार संदिग्ध परिस्थितियों में कबूतर, गुब्बारे और अन्य वस्तुएं मिलने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। ऐसे मामलों में सुरक्षा एजेंसियां हर पहलू की जांच करती हैं। फिलहाल संबंधित विभाग कबूतर पर लगी मोहर और उसके स्रोत की जानकारी जुटाने में लगे हुए हैं।

एटीएम कार्ड फंसने के बहाने महिला से 25 हजार की ठगी

- शातिर ठगों ने एटीएम कार्ड मशीन में फंसने के बहाने युवती के बैंक अकाउंट से तीन ट्रांजेक्शन के जरिए रकम निकाल ली

अलवर, (निसं)। अलवर में एटीएम से रुपये निकालने गई एक युवती के साथ शातिर ठगों ने 25 हजार रुपए की ठगी कर ली। शातिर ठगों ने एटीएम कार्ड मशीन में फंसने के बहाने युवती के बैंक अकाउंट से तीन ट्रांजेक्शन के जरिए रकम उड़ा ली। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार आरोपी ने खुद को मददगार बताते हुए पीड़िता को मशीन पर लिखे कस्टमर केयर के नंबर पर बात करने के लिए कहा और उसके बाद युवती को गलत नंबर डलवाए। इस दौरान शातिर बदमाशों ने गलत पिन नंबर दर्ज करवाकर नए पिन नंबर चेंज करवा दिए। मामला मंगलवार रात आठ बजे का है। गुलाब नगर बख्तल की चौकी निवासी दीपक विधूड़ी ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि नौ जून की शाम करीब आठ बजे वह नंगली सर्किल स्थित पीएनबी एटीएम से पैसे निकालने गई थी। इसी दौरान उसका एटीएम कार्ड मशीन में फंस गया। वहां मौजूद एक युवक ने एटीएम मशीन पर लिखे कस्टमर केयर नंबर पर कॉल करने की सलाह दी। कॉल करते समय युवती को दूसरी तरफ खड़े शातिर युवक ने कस्टमर केयर के गलत नंबर दर्ज करवा दिए, जो उसके दोस्त के नंबर थे। इस दौरान कस्टमर केयर बनकर बात कर रहे दोस्त ने पिन नंबर डालने के लिए कहा। इस दौरान उसने पिन नंबर गलत बताकर चेंज करवा दिए। जिसके बाद बताए गए तरीके से प्रक्रिया पूरी करने के बावजूद कार्ड बाहर नहीं निकला तो फोन करने वाले ने कहा कि कार्ड अब नहीं निकलेगा और अगले दिन आकर ले जाना। फिर पीड़िता वहां से चली गई। करीब आधे घंटे बाद पीड़िता के मोबाइल पर 9 हजार, 9 हजार और 7 हजार रुपए के तीन ट्रांजेक्शन के मैसेज आए। इस तरह उसके खाते से कुल 25 हजार रुपए अज्ञात व्यक्ति ने धोखाधड़ी कर निकाल लिए। फिर पीड़िता ने पीएनबी बैंक में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई, जहां से उसे पुलिस में एफआईआर कराने की सलाह दी गई। फिर पीड़िता ने बुधवार शाम को कोतवाली पुलिस ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। फिलहाल पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

तस्कर ने नोखा थाने में सरेण्डर किया

नोखा, (निसं)। पुलिस ने एमडीएमए की खरीद-फरोख्त में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। नशा तस्करी में आरोपी की संलिप्तता देखते हुए छापेमारी की जा रही थी। इसे देखकर बुधवार शाम को आरोपी ने थाने में सरेंडर कर दिया।

थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान आनंद तेजी उर्फ पुली (20) पुत्र अशोक कुमार वाल्मीकि के रूप में हुई है। वह वार्ड संख्या 33, शिव मंदिर के पीछे, नवल हरिजन बस्ती, बीकानेर का निवासी है। वर्तमान में वो सुभाषपुरा माताजी मंदिर के पास, थाना सदर बीकानेर स्थित आरिफ अली के मकान में किराए पर रह रहा था। थानाधिकारी अरविंद कुमार भारद्वाज के निर्देशन में उप निरीक्षक कुशलाराम की टीम ने इस गिरफ्तारी को अंजाम दिया।

पुलिस के प्रारंभिक जांच में आरोपी की एमडीएमए मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त और आपूर्ति श्रृंखला में संलिप्तता प्रथम दृष्टया प्रमाणित हुई। इसके बाद उसे भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के प्रावधानों के तहत विधिवत गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब आरोपी से मादक पदार्थ के स्रोत, उसके सप्लाई नेटवर्क और इस कारोबार से जुड़े अन्य संभावित आरोपियों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि जांच के आधार पर आगे और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।

जांच अधिकारी एसआई कुशलाराम ने बताया कि पूर्व में गिरफ्तार एक अन्य आरोपी से इसने खरीद फरोख्त की थी, नशा तस्करी में शामिल होने की आशंका देखते हुए गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही थी, बुधवार शाम को आरोपी ने थाने आकर सरेंडर कर दिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सानिवि नगर खण्ड बीकानेर
क्रमांक-607 दिनांक-3/6/26
Notice Inviting Bid-: 03/2026-27
Bid for the "Various Civil Works" are invited from interested bidders from 03.06.2026 [09:30 AM] to 15.06.2026 [06:00 PM] & Open date 16.06.2026 [11:00 AM], other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www.pwd.rajasthan.gov.in & eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 194.63 Lakhs.
UBN No.- 1. PWD2627WSOB03892, 2. PWD2627WSOB03893, 3. PWD2627WSOB03894 4. PWD2627WSOB03895, 5. PWD2627WSOB03896, 6. PWD2627WSOB03897 7. PWD2627WSOB03898, 8. PWD2627WSOB03899, 9. PWD2627WSOB03902
Executive Engineer
DIPR/C/10001/2026 PWD City Division, Bikaner

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वा. अभि. विभाग, परियोजना खण्ड करौली मुख्यालय टोडाभीम
email: eeproj.kar.hed@rajasthan.gov.in, email: eecsnpkaroli@gmail.com
क्रमांक- अ.अ./जन स्वा./परि.ख.क/मु.टो./2026-27/840-48 दिनांक-05.06.2026
शुद्धि पत्र
इस कार्यालय के पत्रांक 736-44 दिनांक 01.06.2026 के द्वारा आमंत्रित निविदा संख्या 06/2026-27 को निविदा संख्या 09/2026-27 पढा जावें।
(रवि कुमार मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग
परियोजना खण्ड करौली
मुख्यालय टोडाभीम
DIPR/C/10082/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड धौलपुर
क्रमांक- 971-83 **संशोधन पत्र** दिनांक-08.06.2026
NIB CODE WD2627A0594 and UBN is: PWD2627WSOB02683
NIB CODE WD2627A0594 and UBN is: PWD2627WSOB02688
इस कार्यालय के पत्रांक 731-746 दिनांक 18.05.2026 के द्वारा जारी निविदा सूचना संख्या 01/2026-27 जो दिनांक 26.05.2026 से 01.06.2026 सायं 6.00 बजे तक बेची जाकर दिनांक 02.06.2026 को खोली जानी थी को संशोधन पत्र क्रमांक 863-908 दिनांक 01.06.2026 के द्वारा निविदा 08.06.2026 को बेची जाकर दिनांक 09.06.2026 सायं 4.00 बजे खोले जाने की अवधि बढाई गयी थी। उक्त निविदा अपरिहार्य कारणों से अब दिनांक 18.06.2026 तक बेची जाकर दिनांक 19.06.2026 को सायं 04.00 बजे खोली जावेगी। निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेगी।
(नरेश चन्द मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड धौलपुर
DIPR/C/10205/2026

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, सा.नि.वि. वृत्त करौली
क्रमांक-1084 दिनांक-04.06.2026
निविदा सूचना संख्याः 04/2026-27
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर जिला करौली में बजट घोषणा 2026-27 की सड़कों के निर्माण कार्य के लिए मय नियमानुसार मरम्मत एवं संधारण की अवधि लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत "एए" "ए" श्रेणी तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में 2 निर्माण कार्य हेतु जिनकी कुल राशि रूपये 245.91 लाख हैं, प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dir.rajasthan.gov.in व http://eroc.rajasthan.gov.in व http://spp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। कार्यवार UBN संख्या निम्नानुसार है।
NIB NO.: PWD2627A0927, PWD2627A0921
UBN NO.: PWD2627WSOB03995, PWD2627WSOB03962
(देवेन्द्र कुमार गुप्ता)
अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि. वृत्त-करौली
DIPR/C/10085/2026

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर
स्वास्थ्य भवन, त्यागी वाटिका, जेल वैल, बीकानेर
फोन नं. 0151-2201142 email-eemhbikaner@ymail.com
क्रमांक EE/M&H/BKN/2026-27/1190 दिनांक- 02.06.2026
ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्या-07/2026-27
निम्नहस्ताक्षरकर्ता द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला बीकानेर में कुल रू. 317.88 लाख के 06 उप स्वास्थ्य केन्द्र के कार्य हेतु निविदा में बताये अनुसार श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष उपर्युक्त सिविल श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे/एमईएस इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त सिविल श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदाये आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dironline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।
UBN NO. 1. NRH2627WSOB00322, 2. NRH2627WSOB00323, 3. NRH2627WSOB00324, 4. NRH2627WSOB00325, 5. NRH2627WSOB00326, 6. NRH2627WSOB00327
(शिम्भू राम जाटव)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर
DIPR/C/10043/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि.विभाग खण्ड सॉचौर
एन.एच. 68, PHED, सॉचौर (जालोर)
Te. Pho. No 02979-283624, E-mail.: eephedscr@gmail.com
क्रमांकः अ.अ. / जन स्वा./ सॉ / निविदा/2026-27/571 दिनांकः- 05106/2026
निविदा सुचना संख्या - 05/2026-27
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड सॉचौर के अधीन विभिन्न कार्य कराने हेतु लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग प्रकिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

कार्यालय का नाम व स्थान	अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	Annual Rate Contract of repair Rewinding of Submersible Motor pump set and repair of Starter with lowering un-lowering Complete under division Sanchore
निविदा की कुल लागत (राशि लाखो में)	कुल निविदा 03 रु. 45.00 लाख
निविदा प्रपत्र वेबसाईड पर उपलब्ध एवं ऑन लाईन सबमिट की दिनांक	05.06.2026 से 18.06.2026 को 13.00 बजे तक
निविदाएँ खोलने की तिथी व समय	19.06.2026 को 12.00 बजे से
निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://dipr.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं भरा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल वेबसाईड पर ही अपलोड किये जायेगे।	

(पृथ्वीसिंह) अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग,
खण्ड सॉचौर
DIPR/C/10210/2026

नकली खाद-बीज पर शिकंजा : कृषि मंत्री ने कानोता के हीरावाला की फैक्ट्री पर मारा छापा

रीको क्षेत्र में कार्रवाई से हड़कंप मचा, जब्त नमूने जांच के लिए भेजे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में नकली खाद और बीज के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने गुरुवार को जयपुर के कानोता क्षेत्र स्थित हीरावाला रीको औद्योगिक क्षेत्र में संचालित 'जयपुर बायो फर्टिलाइजर्स' इकाई पर औचक निरीक्षण कर बड़ी कार्रवाई की। मंत्री के अचानक पहुंचने से फैक्ट्री संचालकों और आसपास के औद्योगिक क्षेत्र में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान जैविक उर्वरक निर्माण और भंडारण से जुड़ी कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, जिसके बाद कृषि विभाग ने नमूने जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

- मंत्री किरोड़ीलाल ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने गुरुवार को कानोता क्षेत्र स्थित हीरावाला रीको औद्योगिक क्षेत्र में संचालित 'जयपुर बायो फर्टिलाइजर्स' इकाई पर औचक निरीक्षण कर कार्रवाई की।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि जैविक उर्वरक का निर्माण निर्धारित तकनीकी मानकों के विपरीत किया जा रहा था। विशेषज्ञों के अनुसार जैविक खाद में मौजूद लाभकारी सूक्ष्मजीवों को सुरक्षित रखने के लिए निर्माण प्रक्रिया के दौरान तापमान लगभग 20 डिग्री सेल्सियस होना चाहिए, लेकिन फैक्ट्री में खाद 45 डिग्री सेल्सियस तापमान पर तैयार की जा रही थी। अधिकारियों के अनुसार इतने अधिक तापमान पर लाभकारी सूक्ष्मजीव नष्ट हो जाते हैं और उत्पाद की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

जांच में लेबलिंग से जुड़ा बड़ा फर्जीवाड़ा भी सामने आया। दानेदार जैविक उर्वरक की सामान्य शेल्फ लाइफ छह माह होती है, जबकि उत्पाद के पैकेटों पर 24 माह तक उपयोग योग्य होने का उल्लेख किया गया था। इसके अलावा कच्चे माल के भंडारण और रख-रखाव में भी गंभीर लापरवाही पाई गई। गोदाम में रखे कच्चे माल पर पहचान संबंधी आवश्यक लेबल नहीं लगे थे, जो उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 की धारा 19 का उल्लंघन माना गया है।मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने स्वयं फैक्ट्री परिसर का निरीक्षण किया और कई सीलबंद कट्टों को खुलवाकर खाद की गुणवत्ता की जांच की। विभागीय अधिकारियों ने विभिन्न उत्पादों के नमूने लेकर परीक्षण के लिए सरकारी प्रयोगशाला भेज दिए हैं। साथ ही फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में मौजूद खाद और बीज के स्टॉक की भी जांच की जा रही है।

कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों के हितों के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नकली खाद और घटिया बीज बेचने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अन्नदाताओं की मेहनत की कमाई से धोखाधड़ी करने वालों को किसी भी सूरत में नहीं छोड़ा जाएगा।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। यदि नमूने अमानक या नकली पाए गए तो संबंधित फैक्ट्री संचालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के साथ-साथ लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी।उल्लेखनीय है कि डॉ. किरोड़ी लाल मीणा इससे पहले भी सीकर के रीको क्षेत्र स्थित श्री बालाजी एग्रो इंडस्ट्रीज, जोधपुर की विभिन्न खाद-बीज निर्माण इकाइयों तथा बोरानाडा स्थित बालाजी मूंगफली फैक्ट्री सहित कई प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण और छापामार कार्रवाई कर चुके हैं। कृषि विभाग का कहना है कि प्रदेशभर में गुणवत्तापूर्ण खाद और बीज उपलब्ध कराने तथा नकली कृषि उत्पादों के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से औद्योगिक विकास फास्ट्रैक पर

सीकर, रींगस, फुलेरा, ब्यावर और सिरोही से गुजर रहे कॉरिडोर से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मिल रही नई गति

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डब्ल्यूडीएफसी) के माध्यम से देश-प्रदेश में औद्योगिक विकास तेजी से फास्ट्रेक पर दौड़ हो रहा है। कॉरिडोर में विशेषकर रेल-पर-ट्रक की सेवा से माल का आवागमन अधिक तेज और सुगम बना है। जवाहर लाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल (जेएनपीटी) से दादरी तक फैले इस वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की लम्बाई 1506 किमी. एवं लागत 1.24 लाख हजार करोड़ रुपये से अधिक है। कॉरिडोर का लगभग 39 प्रतिशत हिस्सा राजस्थान से होकर गुजरता है। यह कॉरिडोर राजस्थान को भारत के उत्तरी एवं पश्चिमी बाजारों तक बेहतर संपर्क प्रदान करता है। कॉरिडोर के अंतर्गत जेएनपीटी से न्यू सफाले (वेतरणा) सेक्शन पर हाल ही में सफलतापूर्वक ट्रायल रन हो चुका है। इस कॉरिडोर का काम पूर्ण हो चुका है। कई सेक्शन में माल परिवहन पहले से ही प्रारंभ है।

- राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच से लोकल बनेगा ग्लोबल
- जेएनपीटी से दादरी तक 1506 किमी. तक फैला कॉरिडोर, 1.24 लाख करोड़ रुपये की लागत से तैयार
- कॉरिडोर का लगभग 39 प्रतिशत हिस्सा राजस्थान में, उत्तरी-पश्चिमी बाजारों तक बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध

यह कॉरिडोर राजस्थान के सीकर, रींगस, फुलेरा, ब्यावर, सिरोही से होकर गुजर रहा है। जिससे इन जिलों के साथ-साथ अन्य स्थानों के उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी। हाल ही में अजमेर के सराधना में नए गतिशक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल का उद्घाटन हुआ है। इस टर्मिनल में आधुनिक कार्गो हैंडलिंग अवसंरचना, वेयरहाउसिंग सुविधाएं तथा निर्बाध मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई गई है, जिससे उद्योगों एवं व्यापारियों के लिए माल परिवहन अधिक तेज, सुरक्षित एवं किफायती होगा। यह टर्मिनल प्रति माह लगभग 40 रेक (लगभग 1.5 मिलियन टन प्रति वर्ष) कार्गो हैंडल करने में सक्षम होगा, जिसमें मार्बल, ग्रेनाइट, खनिज तथा अन्य वस्तुएं शामिल हैं। यानि किशनगढ़ के मार्बल को कॉरिडोर के उच्च गति माल परिवहन नेटवर्क के माध्यम से जेएनपीटी, पीपावाव एवं मुंद्रा बंदरगाहों तक पहुंचाया जाएगा। इससे लोकल फॉर ग्लोबल का संकल्प साकार होगा।

यह कॉरिडोर लॉजिस्टिक्स अवसंरचना को सुदृढ़ करने के साथ ही माल परिवहन को तेजी से बढ़ाने की दीर्घकालिक पहल है। सामान्य कॉरिडोर की तुलना में 66 प्रतिशत वृद्धि के साथ इस कॉरिडोर की ऊंचाई 7.1 मीटर और 14 प्रतिशत वृद्धि के साथ चौड़ाई 3660 एमएम रखी गई है। ट्रेन की लम्बाई 1500 मीटर है, जबकि सामान्य कॉरिडोर में 700 मीटर ही होती है। वहीं, डबल कन्टेनर स्टेक और 2.4 प्रतिशत ट्रेन लोड की क्षमता भी इस कॉरिडोर में उपलब्ध है। इस कॉरिडोर में ट्रेन की रफ्तार भी औसतन 25 किमी. से बढ़ाकर 65 किमी. प्रति घण्टे की गई है। उल्लेखनीय है कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसमें पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के अंतर्गत दादरी से जीएनपीटी एवं पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के तहत लुधियाना से डंकुनी तक जोड़ा गया है। यह परियोजना देश का लगभग 70 प्रतिशत माल परिवहन करने के उद्देश्य से बनाई गई है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के दोनों तरफ 150 किलोमीटर का प्रभाव क्षेत्र दिल्ली-मुम्बई इण्डस्ट्रीयल कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत खुशखेड़ा-भिवाड़ी-नीमराना निवेश क्षेत्र और जोधपुर-पाली-मारवाड़ औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं।

सतीश पूनियां, अलका सिंह और नीरज डांगी बने निर्विरोध राज्यसभा सांसद

18 जून को प्रस्तावित मतदान की नहीं पड़ी जरूरत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान से राज्यसभा द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के तहत तीनों प्रत्याशी गुरुवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिए गए। भारतीय जनता पार्टी के डॉ. सतीश पूनिया और डॉ. अलका सिंह तथा कांग्रेस के नीरज डांगी को विधानसभा परिसर में निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

- विधानसभा में तीनों नेताओं को निर्वाचित प्रमाण पत्र सौंपे गए

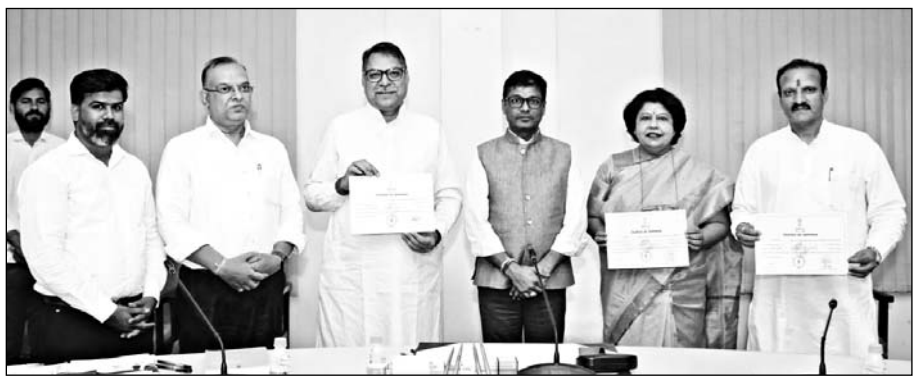

राजस्थान से राज्यसभा की तीन सीटों पर डॉ. सतीश पूनिया, डॉ. अल्का सिंह व नीरज डांगी चुने गये।

राज्यसभा चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर एवं विधानसभा सचिव भारत भूषण शर्मा ने नाम वापसी की समय सीमा समाप्त होने के बाद तीनों प्रत्याशियों के निर्वाचित होने की औपचारिक घोषणा की।

राजस्थान की तीन राज्यसभा सीटों के लिए केवल तीन उम्मीदवार मैदान में थे, जिसके चलते मतदान की आवश्यकता नहीं पड़ी। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार 18 जून को मतदान होना था, लेकिन सभी प्रत्याशियों के निर्विरोध चुने जाने से चुनाव प्रक्रिया पहले ही पूर्ण हो गई। इन सीटों का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा था, उससे पहले ही नए सदस्यों का निर्वाचन संपन्न कर लिया गया। नव निर्वाचित सांसदों का कार्यकाल जून 2032 तक रहेगा।

राज्यसभा में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसदों की संख्या अब भी भाजपा और कांग्रेस के बीच बराबरी पर बनी हुई है। राजस्थान से राज्यसभा में भाजपा के मदन राठौड़, घनश्याम तिवाड़ी, चुन्नीलाल गरासिया, डॉ. सतीश पूनिया और डॉ. अलका सिंह सदस्य होंगे, जबकि कांग्रेस की ओर से सोनिया गांधी, मुकुल वासनिक, रणदीप सिंह सुरजेवाला, प्रमोद तिवारी और नीरज डांगी राज्यसभा में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में राज्यसभा चुनावों के दौरान कड़े मुकाबले के चलते राजनीतिक दलों को अपने विधायकों की बाड़ेबंदी करनी पड़ती थी, लेकिन इस बार विधानसभा में संख्या बल के आधार पर दो सीटों पर भाजपा और एक सीट पर कांग्रेस की जीत पहले से तय मानी जा रही थी। अब राजस्थान में अगला राज्यसभा चुनाव जून 2028 में होगा, जब चार सीटों पर निर्वाचन कराया जाएगा। उस समय कांग्रेस के रणदीप सिंह सुरजेवाला, मुकुल वासनिक, प्रमोद तिवारी तथा भाजपा के घनश्याम तिवाड़ी का कार्यकाल समाप्त होगा।

आबकारी विभाग के पुनर्गठन आदेश पर अंतरिम रोक

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने आबकारी विभाग के पुनर्गठन और आबकारी प्रवर्तन एवं निरोधक बल के गठन से जुड़े राज्य सरकार के गत एक जून के आदेशों की क्रियांविति पर आगामी आदेशों तक रोक लगा दी है। वहीं राज्य सरकार सहित अन्य पक्षकारों से जवाब देने के लिए कहा है। अवकाशकालीन जस्टिस चन्द्र प्रकाश श्रीमाली ने यह निर्देश राजस्थान आबाकारी सेवा संघ की याचिका पर दिया।

हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना कि यदि नए सेवा नियम बनाए बिना नई प्रशासनिक व्यवस्था लागू होती है तो इससे उन कर्मचारियों के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं, जो मौजूदा नियमों के तहत पदों पर कार्यरत हैं।

कोर्ट ने यह भी माना कि ऐसी स्थिति में वरिष्ठता, पदोन्नित और भर्ती से जुड़े कई जटिल विवाद पैदा हो सकते हैं। इससे न केवल कर्मचारियों के अधिकार प्रभावित होंगे बल्कि विभाग में अनावश्यक कानूनी विवाद भी बढ़ सकते हैं।

रेल मंत्री के कार्यक्रम में तीन बार गुल हुई बिजली

13 मिनट अंधेरे में बोले अश्विनी वैष्णव

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । भाजपा प्रदेश मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित केंद्रीय रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के मीडिया संवाद कार्यक्रम के दौरान बिजली व्यवस्था चर्चा का विषय बन गई। कार्यक्रम के बीच तीन बार बिजली गुल हुई, जिससे मीडिया हॉल में अंधेरा छा गया। एक बार बिजली करीब 13 मिनट तक नहीं आई, जिसके चलते रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अंधेरे में ही पत्रकारों को संबोधित किया। उस समय राज्य के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर भी मंच पर मौजूद थे, लेकिन कुछ देर इंतजार के बाद वे हॉल से बाहर चले गए और बिजली बहाल होने पर वापस लौटे।

- भाजपा प्रदेश मुख्यालय में मीडिया संवाद के दौरान बाधित हुई बिजली आपूर्ति
- ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर बीच में हॉल से बाहर निकले

बिजली कटौती के बीच आयोजित मीडिया संवाद में अश्विनी वैष्णव ने मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों और राजस्थान में हुए विकास कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के समय राजस्थान को रेलवे के लिए केवल 682 करोड़ रुपये का बजट मिलता था, जबकि वर्तमान में यह बढ़कर 10,828 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में लगभग 76 हजार करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न रेल परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है।

कार्यक्रम से पूर्व अश्विनी वैष्णव, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और संगठन महामंत्री अजेय कुमार ने मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। रेल मंत्री ने बताया कि राजस्थान के 85 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें जयपुर, गांधी नगर, जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर, कोटा, अजमेर और अलवर सहित कई प्रमुख स्टेशन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के बाद राजस्थान को 46 नई रेलगाड़ियां मिली हैं और अजमेर-जयपुर-दरभंगा रेल सेवा को नियमित रूप से संचालित करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही राज्य में कई रेल लाइन डबलिंग और नई रेल लाइन परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है।अश्विनी वैष्णव ने जयपुर के लिए पांच बड़ी सौगातों की घोषणा करते हुए कहा कि एमएनआईटी जयपुर में क्वांटम लैब, सेमीकंडक्टर लैब और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) लैब स्थापित की जाएंगी।

इसके अलावा जयपुर में अत्याधुनिक एआई डेटा सेंटर और मेडिकल हब भी विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं प्रदेश में निवेश, रोजगार और तकनीकी विकास के नए अवसर पैदा करेंगी तथा विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करेंगी।

बलात्कार के झूठे मुकदमे से 3 करोड़ की रंगदारी मांगी

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के दक्षिण जिले की पुलिस ने हनीट्रैप और झूठे मुकदमों के जरिए लोगों को ब्लैकमेल करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए एक महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर बलात्कार का झूठा मुकदमा दर्ज करवाने की धमकी देकर परिवादी और उसके परिवार से 3 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने का आरोप है। गिरोह ने पीड़ित का आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उसे बंधक बनाया और ब्लैकमेलिंग का खेल चला रखा था।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में रवि कुमार टांक (25) निवासी मदनबाड़ी, हरमाड़ा तथा एक महिला शामिल है। जांच में सामने आया कि रवि टांक ने महिला को नया मकान और रोजगार दिलाने का झांसा देकर अपने साथ मिला लिया। इसके बाद दोनों ने अन्य साथियों के साथ मिलकर हनीट्रैप की साजिश रची।

पुलिस के अनुसार आरोपी महिला ने योजनाबद्ध तरीके से परिवादी को अपने जाल में फंसाया। इसके बाद गिरोह ने दोनों का आपत्तिजनक वीडियो तैयार कर लिया। वीडियो के आधार पर परिवादी को बदनाम करने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया गया।आरोपियों ने पहले परिवादी के परिवार से 3 करोड़ रुपए की मांग की। बाद में पीड़ित को सुनसान स्थान पर ले जाकर बंधक बनाया गया और उससे परिजनों को फोन कर तत्काल 2 लाख रुपए मंगवाए गए। जब परिवादी ने रकम देने से इनकार किया तो दबाव बनाने के लिए उसके खिलाफ बलात्कार का झूठा मुकदमा दर्ज करवा दिया गया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी रवि टांक के खिलाफ पहले भी हरमाड़ा थाने में आपराधिक मामला दर्ज है। इस प्रकरण में शामिल गिरोह के अन्य सदस्य दिलखुश उर्फ विलेन और अर्जुन हरिजन फिलहाल फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। डीसीपी राजर्षि राज ने बताया कि जयपुर दक्षिण जिले में 1 जनवरी 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच जांच में 654 मामले झूठे पाए गए हैं। इनमें से 86 मामलों में झूठी एफआईआर दर्ज कराने वाले परिवादियों के खिलाफ धारा 217/248 बीएनएस के तहत न्यायालय में इस्तगासे पेश किए जा चुके हैं, जबकि अन्य मामलों में कानूनी कार्रवाई प्रक्रिया में है।

जवाब मांगा

जयपुर । हाईकोर्ट ने ग्राम विकास अधिकारी के तौर पर कार्यरत रहे कर्मचारी को दिए गए वेतनमान और ग्रेड पे परिलाम की वसूली करने पर प्रमुख पंचायती राज सचिव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, कोटा और पेंशन निदेशक सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश प्रेम प्रकाश नागर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

प्रदेश की ग्राम पंचायतों में आज से लगेंगे 'ग्रामीण सेवा शिविर'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिए आमजन की समस्याओं के मौके पर त्वरित समाधान के निर्देश

जयपुर । मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की मंशा एवं निर्देशों की अनुपालना में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को राज्य सरकार की विभिन्न जन-कल्याणकारी एवं फ्लैगशिप योजनाओं का सीधा लाभ पहुँचाने के लिए 12 जून से 15 जुलाई तक "ग्रामीण सेवा शिविर-2026" का आयोजन किया जाएगा। महा-अभियान के तहत राजस्व विभाग के अतिरिक्त 21 अन्य महत्वपूर्ण विभागों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। शिविरों का समय सप्ताह के कार्य दिवसों में प्रातः 9:30 बजे से सायं 6 बजे तक (अथवा कार्य समाप्ति तक) रहेगा। मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देशानुसार शिविर में आने वाले प्रत्येक नागरिक का कार्य उसी दिन पूर्ण करने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। यदि सायं 06:00 बजे तक कुछ कार्य अपूर्ण या लंबित रहते हैं, तो विभागवार उनकी सूची संधारित की जाकर समयबद्ध रूप से निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। शिविर की शुरुआत से समाप्ति तक सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी।

- 22 प्रमुख विभागों की सहभागिता से नागरिकों को मौके पर ही मिलेगा योजनाओं का लाभ
- प्रातः 9:30 से सायं 6 बजे तक रहेगा समय, लंबित कार्यों का समयबद्ध निस्तारण होगा सुनिश्चित

ग्रामीण सेवा शिविर में राजस्व विभाग को अभियान का नोडल विभाग बनाया गया है। विभाग द्वारा राजस्व अभिलेखों एवं खातों का शुद्धिकरण, खातों का विभाजन, रास्तों संबंधी प्रकरणों का निस्तारण, नामांतरण (म्यूटेशन), सरकारी एवं चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने, भूमिहीन किसानों को भूमि आवंटन, खातेदारी अधिकार प्रदान करने, सीमाज्ञान, आबादी विस्तार एवं विभिन्न प्रकार के प्रमाण-पत्र जारी करने की कार्यवाही की जाएगी। ग्रामीण विकास विभाग द्वारा वीबी-जी राम जी योजना का प्रचार-प्रसार एवं प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पात्र परिवारों को लाभान्वित किया जाएगा। तथा स्वयं सहायता समूहों के गठन,बैंक खाता खुलवाना और बैंक लिंकेज की प्रक्रिया को गति देगा। पंचायती राज विभाग स्वच्छता संबंधी कार्यों, आईएचएचएल की स्वीकृतियां,विमुक्त घुमन्तु एवं अद्धर्घुमन्तु श्रेणी के परिवारों को पट्टा वितरण, भूखण्ड आवंटन तथा जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र जारी करने की सेवाएं उपलब्ध कराएगा। वन विभाग द्वारा वन भूमि संबंधी प्रकरणों का निस्तारण एवं पौधों का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग मातृ-शिशु स्वास्थ्य जांच, कैंसर एवं सिकल सेल स्क्रीनिंग, टीबी जांच, टीकाकरण तथा आयुष्मान भारत कार्ड वितरण करेगा। पशुपालन विभाग द्वारा पशु स्वास्थ्य शिविर, टीकाकरण एवं मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत बीमा पॉलिसियां वितरित की जाएगी। ग्रामीण सेवा शिविर में ऊर्जा विभाग द्वारा विद्युत सप्लाई,ट्रांसफार्मर एवं बिजली संबंधी शिकायतों का समाधान किया जाएगा। जबकि कृषि विभाग किसानों को विभिन्न योजनाओं एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जानकारी उपलब्ध कराएगा। आयोजना विभाग जनधन खाते, सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं, अटल पेंशन योजना एवं जनआधार से जुड़े कार्य करेगा। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग एनएफएसए से संबंधित लंबित प्रकरणों, ई-केवाईसी एवं आधार सीडिंग का निस्तारण करेगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग पेंशन सत्यापन, पालनहार योजना, यूडीआईडी कार्ड, कृत्रिम अंग वितरण एवं मुख्यमंत्री कन्यादान योजना से संबंधित कार्य किए जाएंगे।शिविरों में महिला एवं बाल विकास विभाग लाडो प्रोत्साहन योजना, काली बाई भील सम्बल उड़ान योजना, पन्नाधाय सुरक्षा एवं समान केन्द्र,मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह अनुदान योजना,वन स्टॉप सेन्टर,महिला हेल्पलाइन,शिक्षा सेतु,मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजनाओं का लाभ पात्र महिलाओं तक पहुंचाएगा।

फर्जी एम.टेक. डिग्री लगाकर सरकारी नौकरी पाने वाला जलदाय विभाग का जेईएन दुर्गाशंकर मेनारिया गिरफ्तार

आरोपित ने आरपीएससी भर्ती में स्वयं को अधिक योग्य दिखाने के लिए एम.टेक. की कूटरचित डिग्री प्रस्तुत की थी

-कार्यालय संवाददाता -

जयपुर। राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने फर्जी शैक्षिणक दस्तावेजों के जरिए सरकारी नौकरी हासिल करने के एक मामले का पर्दाफाश करते हुए जलदाय विभाग के एक जूनियर इंजीनियर (जेईएन) को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने आरपीएससी भर्ती में स्वयं को अधिक योग्य दिखाने के लिए एम.टेक. की कूटरचित डिग्री प्रस्तुत की थी। एसओजी ने आरोपित को न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।

एसओजी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित दुर्गाशंकर मेनारिया उदयपुर जिले की भीण्डर तहसील के वाना गांव का निवासी है। वह वर्तमान में जलदाय विभाग में जूनियर इंजीनियर के पद पर भीण्डर क्षेत्र में कार्यरत है।

जांच में सामने आया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी), अजमेर द्वारा वर्ष 2018-19 में समूह अनुदेशक, सर्वेयर एवं सहायक शिक्षिता सलाहकार ग्रेड-द्वितीय भर्ती परीक्षा आयोजित की गई थी। इस भर्ती के लिए केवल स्नातक की योग्यता निर्धारित थी, लेकिन आरोपी ने स्वयं को अधिक योग्य साबित करने के उद्देश्य से अपने ऑनलाइन आवेदन के साथ मानव भारती विश्वविद्यालय, सोलन (हिमाचल प्रदेश) से वर्ष 2010 से 2012 के दौरान प्राप्त एम.टेक. (इलेक्ट्रिकल पावर सिस्टम) की डिग्री

दुर्गाशंकर मेनारिया

भी संलग्न कर दी।लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के बाद आरपीएससी ने उसका चयन कर लिया और दस्तावेज सत्यापन के लिए अभिलेख प्राविधिक शिक्षा निदेशालय, जोधपुर को भेजे गए।

दस्तावेजों की जांच के दौरान जब मानव भारती विश्वविद्यालय से एम.टेक. डिग्री का सत्यापन कराया गया तो विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया कि उक्त डिग्री आरोपी के नाम से कभी जारी ही नहीं की गई। जांच में डिग्री पूरी तरह फर्जी और कूटरचित पाई गई।

इसके बाद प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के निदेशक ने एसओजी थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया, जिस पर कार्रवाई करते हुए एसओजी ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

एसओजी की पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी ने इसी कथित एम.टेक. डिग्री के आधार पर वर्ष 2015 से 2020 तक सिरोही जिले के पिंडवाड़ा स्थित माधव विश्वविद्यालय में सहायक तकनीकी अधिकारी के रूप में नौकरी की थी। वहां से प्राप्त अनुभव प्रमाण पत्र का उपयोग भी उसने अपनी योग्यता और अनुभव दर्शाने के लिए किया था।एसओजी अब इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी ने फर्जी एम.टेक. डिग्री किस माध्यम से प्राप्त की, इसमें किसी दलाल, विश्वविद्यालय कर्मचारी अथवा अन्य व्यक्ति की भूमिका तो नहीं रही। साथ ही आरोपी की बी.टेक. सहित अन्य शैक्षिणक योग्यता संबंधी प्रमाण पत्रों का भी सत्यापन कराया जा रहा है।एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और फर्जी डिग्री रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका सामने आने पर उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सार-समाचार

कठपुतली नहीं बनेंगे युवा : शेखावत

जोधपुर, (कासं)। एक डिजिटल मार्केटिंग कंपनी द्वारा सोशल मीडिया इंफ्यूएंसर्स के माध्यम से जोधपुर के नए एयरपोर्ट टर्मिनल को लेकर सोशल मीडिया पर निगेटिव कैंपेन चलाने की तैयारी पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस तरह के फॉल्स नरेटिव गढ़ने का षड्यंत्र देश और विकास, दोनों ही एजेंडों को बाधित करता है। गुरुवार को जोधपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह के दुष्प्रचार से सोशल मीडिया की क्रेडिबिलिटी तार-तार होती है। ऐसी चीजों का खंडन भी हो और यह विषय जनता के संज्ञान में भी लाया जाए, यह मेन स्ट्रीम मीडिया की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग बेनकाब हों और देश और दुनिया के सामने ऐसे लोगों का षड्यंत्र ठीक से प्रदर्शित हों, यह हम सब की जिम्मेदारी है। केंद्रित मंत्री गजेन्द्र शेखावत ने कहा कि पिछले 12 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ईमानदारी से योजनाओं को धरातल पर उतारने की वजह से जो परिवर्तन आया है, उसे पूरा विश्व देख रहा है। शेखावत ने कहा कि पूरा विश्व इस बदली हुई परिस्थिति में भारत की तरफ एक आशा के दृष्टिकोण और नए विश्वास की नजर से देख रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत आर्थिक, सैन्य दृष्टि के साथ-साथ अन्य दृष्टिकोण से आत्मनिर्भर होते हुए विकसित होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह सब भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में चुने हुए प्रधानमंत्री के रूप में सर्वाधिक लंबे समय तक काम करने के दौरान नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार की स्पष्ट नीति का परिणाम रहा है।

बाप में बटुक भैरव जयंती तैयारी शुरू

फलोदी, (कासं) । फलोदी जिले की बटुक भैरव नगरी से विकसित बाप शहर के ऐतिहासिक मेघराजसर तालाब पर स्थित चमत्कारी बटुक भैरुनाथ बाबा की जयंती 24 जून को आयोजित होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार आयोजन को लेकर गांव वाशियो में उत्साह हे । आयोजन तैयारियों में बाप के गणमान्य व्यक्तियों, युवाओ द्वारा भव्य ऐतिहासिक कार्यक्रम की तैयारियों में कमेटी का गठन कर सोसल मीडिया से लेकर पोस्टर , पेपलेट वितरण की तैयारियों की गई है। भैरुनाथ बाबा की जयंती के दिन दर्जनों कार्यक्रम का आयोजन होगा। जहां सुबह से शाम तक मंदिर प्रागण में तेल अभिषेक पाठ, स्मृति , चालीसा, चेतना मंत्र ,धूप यज्ञ ,भक्ति सरिता ,महा आरती व रात्रि भव्य जागरण के साथ प्रसादी का आयोजन होगा । मंदिर में यजमान द्वारा अभिषेक किया जाएगा। वही बीकानेर के नामी भैरव बाबा पंडित द्वारा पूजन कार्य विधिवत करवाया जाएगा। भैरव नगरी में जयंती के दिवस बाजार , तालाब , मंदिर को पुष्प, रोशनी से जगमगाया जाएगा । पूर्व में लगातार 11 बार पुजारी नरेश शर्मा द्वारा पहल कर जन सहयोग से हर्षोल्लास के साथ जयंती मनाई जाती है, जो इस बार भी भव्य मनाई जाएगी । पुजारी नरेश शर्मा ने बताया कि जयंती को लेकर गांव वाशियो के सहयोग से कार्यक्रम की रूपरेखा तय की जाती है। इस वर्ष भी जागरूक व्यक्तियों के साथ जयंती मनाई जाएगी । जयंती का भक्तों के लिए बहुत शुभ होता है। भक्तों के जीवन में जयंती की पूजा अर्चना को अति सुख समृद्धि माना गया है।

खाद बीज विक्रेता दुकानें बंद रखेंगे

फलोदी, (निसं) । फलोदी जिले में तथाकथित किसान संघ के नाम पर नेतागिरी कर खाद बीज विक्रेताओं को परेशान करने को लेकर आक्रोशित खाद बीज विक्रेता संघ के जिला अध्यक्ष राहुल चौधरी के नेतृत्व में गुरुवार को कृषि विभाग के जिला कार्यालय में ज्ञापन सौंप अनिश्चितकालीन बंद का आव्हान किया गया है। ज्ञापन में बताया कि कुछ तथाकथित किसान नेताओं द्वारा फलोदी खाद बीज व्यापार संघ की छवी धूमिल की जा रही है, वो संघ द्वारा किसी प्रकार से बर्दाश्त नहीं की जायेगी। कुछ तथाकथित व्यक्ति किसान नेता बनकर व्यापारियों को परेशान व धमकी देकर प्रताडति कर रहे हैं। जब तक हमारे साथ ये खेल होता रहेगा तब तक फलोदी खाद बीज व्यापार संघ अनिश्चितकालीन हडताल पर रहेगा। इस दौरान किसानों को होने वाली परेशानी के लिए ये तथाकथित किसान नेता व किसान स्वयं जिम्मेवार होंगे। विभाग द्वारा सेल स्टॉप (बिक्री रोक) तक की गई कार्यवाही से ऊपर बढकर किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं होगी। अगर कृषि विभाग संघ के विरूद्ध कोई कार्यवाही करेगा, तो किसानों की असुविधा का जिम्मेदार कृषि विभाग होगा। फलोदी खाद बीज विक्रेता संघ हमेशा किसानों के हित में कार्य करता रहा है व आगे भी सदैव किसानों के हित में कार्य करता रहेगा। किसी भी दशा में संघ स्वयं व किसानों के साथ कभी गलत नहीं होने देगा। संघ सदैव किसान हित सर्वोपरी रखेगा।

पक्षियों के लिए1097 परिंडे लगाए

जालोर, (कासं)। भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए रूप सिंह राठौड नारणावास द्वारा संचालित 'परिंडे लगाओ पक्षी बचाओ अभियान' के तहत राजस्थान सरकार के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने नारणावास में मिट्टी के परिंडे लगाए। अप्रैल 2026 से अब तक इस अभियान के तहत 1097 परिंडे स्थापित किए जा चुके हैं। मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने पेडों परिंडे बांधकर उनमें पानी भरा। उन्होंने कहा कि प्रकृति संरक्षण हमारा संकल्प है। नन्हे जीवों के लिए जल की व्यवस्था कर हम सेवा, संवेदना और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। आइए, मिलकर जीवों के प्रति करुणा और प्रकृति के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि पक्षी प्रकृति की शान हैं। जल है तो जीवन है, और ये बेजुबान भी उसी जल के हकदार हैं। उन्होंने रूप सिंह राठौड के अभियान की सराहना करते हुए कहा कि प्रकृति के घटकों के संरक्षण के लिए ऐसे अभियानों का बहुत महत्व है। ऐसे अभियानों से लोग प्रेरणा लेकर अपने घरों, सार्वजनिक स्थानों और जंगलों में परिंडे लगाते हैं और उनमें नियमित जल भरते हैं। अभियान संचालक रूप सिंह राठौड ने बताया कि गर्मी में हर साल हजारों पक्षी पानी के अभाव में दम तोड देते हैं। एक परिंडा रोज सैकडों पक्षियों की जान बचा सकता है। उन्होंने ग्रामीणों से घर-आंगन और खेतों में परिंडे लगाने और रोजाना पानी भरने की अपील की।

सांसद कंगना ने मोदी की तारीफ की

जोधपुर, (कासं)। फिल्म अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस पद पर 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कहा कि उनके नेतृत्व में देश दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। वे दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। अपनी आने वाली फिल्म भारत भाग्य विधाता के प्रीमियर के लिए गुरुवार को कंगना जोधपुर पहुंची। एयरपोर्ट पर मीडिया से संक्षिप्त बातचीत के दौरान कंगना ने कहा कि दुनिया जब युद्ध से ठास्त है, तब भी भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है। प्रधानमंत्री को दुनिया सबसे ज्यादा रेटिंग दे रही है। उन्होंने इसे उनके नेतृत्व की शुरुआत बताया और आने वाला दशक देखने की उम्मीद जताई। कंगना ने अपनी फिल्म भारत भाग्य विधाता के बारे में बताया कि इसके प्रेरणा स्त्रोत देश के वे हजारों भाई-बहन कर्मचारी हैं, जो दिन-रात देश को बनाने में जुटे रहते हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म का ठौंड प्रीमियर जोधपुर में रखा गया है। अभिनेता जॉन अब्राहम को फिल्म का टाइटल देने के लिए उन्होंने धन्यवाद दिया। एयरपोर्ट से कंगना सीधे सिनेमा हॉल के लिए रवाना हो गईं जहां प्रीमियर आयोजित किया गया। बता दे कि पूर्व में कंगना रनौत 2024 लोकसभा चुनाव के दौरान केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के समर्थन में जोधपुर आई थीं। उस समय उन्होंने सर तन से जुदा जैसे मुद्दों पर बात की थी। जोधपुर के अलावा उन्होंने बाड़मेर और पाली में भी चुनाव प्रचार किया था।

सत्येन्द्रसिंह सीमावर्ती लोगों से होंगे रूबरू

जैसलमेर, (नि.सं.)। जोधपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक सत्येन्द्रसिंह द्वारा पुलिस थाना तनोट में कल 13 जून को सुबह 10 बजे जनसुनवाई के माध्यम से सीमावर्ती लोगों से संवाद कर जन समस्या सुनी जाकर समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। तत्पश्चात बोर्डर का भ्रमण करेंगे एवं सीमा सुरक्षा बल के जवानों एवं अधिकारियों से संवाद कर उनका हौसला अफजाई करेंगे। सभी सीमावर्ती लोगों से अपील हैं कि जनसुनवाई कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा शरीक होकर सहभागिता अदा करें।

अवैध बजरी से भरा डंपर पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। पाली रोड पर खनिज विभाग ने नाकाबंदी में अवैध बजरी से भरा डंपर को जब्त किया। चालक के खिलाफ माइनिंग एक्ट में रिपोर्ट दी गई। विवेक विहार थाना पुलिस ने बताया कि खनिज विभाग के कार्यदेशक कपिल स्वामी ने मामला दर्ज कराया है। इसमें बताया कि 9 जून की अलसुबह उन्होंने विभागीय नाकेबंदी के समय पाली रोड पर काठियाडी होटल के सामने बजरी से भरा डम्पर लेकर जा रहे एक शख्स को पकड़ा। वह बजरी के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। इस पर उसे नामजद किया। विवेक विहार पुलिस ने धवा डोली निवासी गुमानराम के खिलाफ माइनिंग एक्ट में प्रकरण बनाया।

तहसीलदार पर वकीलों ने धमकी व बदसलूकी के आरोप जड़े

रानीवाड़ा, (नि.सं.)। वकीलों के अनुसार प्रशासनिक कुर्सी के रसूख के दम पर रानीवाड़ा तहसील कार्यालय इन दिनों भ्रष्टाचार और नियम-विरुद्ध कारनामों का मुख्य अड्डा बन चुका है। आम जनता तो दूर, अब न्याय के रक्षक यानी अधिवक्ता भी यहां के तहसीलदार हनुवंतसिंह देवड़ा के अड़ियल और भ्रष्ट रवैये से सुरक्षित नहीं हैं। तहसील परिसर में दलाल सिस्टम इस कदर हावी है कि बिना चढ़ावे के वैध फाइलें भी रद्दी के ढेर में डाल दी जाती हैं, जबकि भ्रष्टाचार की मलाई के दम पर नियम-कानूनों की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। इस तानाशाही के खिलाफ अब रानीवाड़ा बार एसोसिएशन ने पूरी तरह से मोर्चा खोल दिया है।

मामला तब गरमा गया जब अधिवक्ता प्रवीण कुमार बिश्नोई 10 जून 2026 को एक पक्षकार की पुनर्अवलोकन प्रार्थना पत्र की फाइल लेकर तहसीलदार कार्यालय की उप-पंजीयक शाखा पहुंचे। वहां मौजूद तहसीलदार हनुवंतसिंह देवड़ा ने प्रार्थना पत्र लेने से साफ मना कर दिया। जब अधिवक्ता ने नियमसंगत तरीके से प्रार्थना पत्र लेने का आग्रह किया, तो तहसीलदार अपना आपा खो बैठे। उन्होंने न केवल गरिमा की सीमाएं लांघी, बल्कि अधिवक्ता को धमकी देते हुए कहा, "मेरी राजनीतिक पहुंच बहुत ऊपर तक है, तुम यहां से भाग जाओ... नहीं तो पुलिस में मुकदमा दर्ज कराकर तुम्हें जेल भिजवा दूंगा।" इतना ही नहीं, पक्षकार द्वारा इस पूरी घटना का वीडियो बनाने पर भी तहसीलदार भड़क गए।

नियमों के मुताबिक किसी भी अधिकारी की तैनाती उसके गृह जिले में नहीं होनी चाहिए, लेकिन तहसीलदार देवड़ा जालोर जिले के ही मूल निवासी होने के बावजूद लंबे समय से इसी जिले में पदस्थापित हैं। वकीलों का आरोप है कि इसी स्थानीय राजनीतिक रसूख और ऊपर तक सेटिंग के घमंड में चूर होकर तहसीलदार लगातार नियम-विरुद्ध कार्यों को अंजाम दे रहे हैं।

इस अभद्र व्यवहार और दलालों के बढ़ते दखल के विरोध में 11 जून 2026 को बार एसोसिएशन रानीवाड़ा की एक आवश्यक बैठक बुलाई गई, जिसमें तहसीलदार के इस कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा की गई।

इसके बाद बार संघ के अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह देवड़ा के नेतृत्व में वकीलों का एक प्रतिनिधिमंडल उपखंड अधिकारी सुनील कुमार से मिला और राजस्व मंडल अजमेर के नाम एक कड़क ज्ञापन सौंपा।

बार संघ के अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह देवड़ा के साथ अधिवक्ता प्रवीण कुमार बिश्नोई, जबरा राम पुरोहित, जानूराम, मोहन लाल, पुखराज बिश्नोई, नारायण सिंह करनोत, अमृत कटारिया, रमेश सैन, रमेश गर्ग, भोपाल सिंह, केसरदान, जगदीश सिंह, ललित पुरोहित सहित बार एसोसिएशन के तमाम सदस्य और वरिष्ठ अधिवक्ता मौजूद रहे।

तहसीलदार हनुवंतसिंह देवड़ा को उनके गृह जिले जालौर से अविलंब हटाया जाए। नियमों के विरुद्ध किए जा रहे कार्यों और तहसील में सक्रिय दलाल सिस्टम की उच्च स्तरीय जांच हो। अधिवक्ता के साथ की गई बदसलूकी और धमकी के मामले में दंडात्मक कार्रवाई की जाए। वकीलों ने साफ अल्टीमेटम दिया है कि यदि इस तानाशाह और भ्रष्ट कार्यप्रणाली पर तुरंत लगाम नहीं कसी गई, तो बार एसोसिएशन उठा आंदोलन और न्यायिक कार्यों के बहिष्कार के लिए मजबूर होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

बार एसोसिएशन रानीवाड़ा के अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह देवड़ा के नेतृत्व में वकीलों के प्रतिनिधिमंडल ने उपखंड अधिकारी सुनील कुमार को राजस्व मंडल अजमेर के नाम ज्ञापन सौंपा। फोटो-राष्ट्रदूत

हाईकोर्ट में अब हर केस के स्थगन की होगी गिनती

जोधपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने न्यायिक कार्यवाही में पारदर्शिता और लंबित मामलों की प्रभावी निगरानी के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी स्थायी आदेश के अनुसार अब प्रत्येक मामले में दिए गए स्थगनों की संख्या अलग से दर्ज की जाएगी और इसे कॉज लिस्ट में भी प्रदर्शित किया जाएगा।

आदेश में बताया गया है कि यह व्यवस्था 14 मई 2026 को ओमप्रकाश बनाम राज्य सरकार में पारित न्यायालय के निर्देशों की पालना में लागू की जा रही है। इसके तहत अपीलकर्ता, याचिकाकर्ता, आवेदक, प्रतिवादी अथवा अन्य कारणों से हुए स्थगनों का रिकॉर्ड विशेष सॉफ्टवेयर में संधारित किया जाएगा।

हालांकि नॉट रीच श्रेणी वाले मामलों को स्थगन की गणना में शामिल नहीं किया जाएगा। सभी न्यायिक शाखाओं के प्रभारी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे एकमुश्त अभ्यास के रूप में प्रत्येक प्रकरण में अब तक हुए स्थगनों की संख्या सॉफ्टवेयर में दर्ज करवाएं। साथ ही सूचीबद्ध किए जाने वाले हर मामले में स्थगन संबंधी विवरण अपडेट रखना अनिवार्य होगा।

लूणी के लोगों का पानी के लिए जोधपुर में प्रदर्शन

जोधपुर, (कासं)। नहर बंदी समाप्त होने के पंद्रह दिन भी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल स्थिति में सुधार अब तक नहीं हो पाया है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अब भी पानी के लिए त्राहि-त्राहि मची हुई है। लोगों को अब भी पानी के टैंकर खरीद कर पानी पीने का मजबूर होना पड़ रहा है। जलदाय विभाग कायलाना और तख्त सागर की भराव क्षमता को पूरी तरह बढ़ाने के बाद पेयजल स्थिति में सुधार की आस लगाए बैठा है, मगर आमजन का पेयजल के बिना जीना दुश्वार सा हो गया है।

बुधवार को लूणी तहसील के कई ग्रामीण सुबह कलेक्ट्रेट पर पहुंचे और प्रदर्शन करने लगे। लोगों मटकियां फोड़ कर रोष जाहिर किया। बाद में जिला कलेक्टर को एक ज्ञापन भी दिया गया।

ग्रामीणों का नेतृत्व कर रहे गौतम सिंह ने कहा कि क्षेत्र के हजारों ग्रामीण महीनों से पेयजल के लिए परेशान हैं। कई गांवों में नियमित जलापूर्ति नहीं होने से लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन को दिए ज्ञापन में प्रभावित गांवों के लिए स्थायी पेयजल परियोजना की लिखित कार्ययोजना और समय-सीमा सार्वजनिक करना, स्थायी व्यवस्था होने तक प्रत्येक प्रभावित परिवार को निशुल्क टैंकर जलापूर्ति अथवा प्रतिमाह दो हजार रुपये जल विफलता मुआवजा देना, 24 घंटे डिजिटल हेल्पलाइन एवं टैंकरों की जीपीएस ट्रैकिंग व्यवस्था लागू करना तथा तीसरे पक्ष से भौतिक सत्यापन और ऑडिट करवाना शामिल है। गौतम सिंह का कहना है कि ग्रामीणों को योजनाओं की प्रगति और जलापूर्ति व्यवस्था की सही जानकारी नहीं मिल पा रही है।

जालोर में कांग्रेसजनों ने 'मोहब्बत का शरबत' पिलाया

जालोर में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय राजेश पायलट की 26वीं पुण्यतिथि मनाई। फोटो : राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं किसान केसरी के नाम से विख्यात स्वर्गीय राजेश पायलट जी की 26वीं पुण्यतिथि पर जालौर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धांजलि सभा एवं मोहब्बत का शरबत कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आयोजक कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश महासचिव अमीन मोयला ने बताया कि देश में बढ रही धार्मिक और सामाजिक वैमनस्यता के माहौल के बीच आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का संदेश देने के उद्देश्य से आमजन को मोहब्बत का शरबत पिलाया गया तथा भीषण गर्मी में राहत पहुंचाने का प्रयास किया गया।

इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय राजेश पायलट जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया तथा उनके किसान, गरीब और आमजन हितैषी योगदान को स्मरण किया। एआईसीसी सदस्य जितेंद्र कसाना, महिला कांग्रेस प्रदेश सचिव, कामिनी शर्मा, सेवादल जिलाध्यक्ष भेरूपाल सिंह, अल्पसंख्यक विभाग जिलाध्यक्ष जाकिर खान रंगरेज अल्पसंख्यक विभाग प्रदेश संयोजक रज्जब खान खोखर, एव सलीम मोयला इकबाल खान कोटवाल, एससी विभाग प्रदेश सचिव सुरेश मेघवाल, आरपीजीआरएस जिला महासचिव पुखराज माली, एनएसयूआई जिला महासचिव समीर हाडा, जिला सचिव कयूम हाडा, युवा नेता चारुल शर्मा, रज्जाक मोयला, अल्पसंख्यक ब्लॉक अध्यक्ष फकरुद्दीन मेहर, बंसी माली मुस्ताक खान पार्षद जगदीश कुमार, टैक्सी यूनियन जिलाध्यक्ष अंबालाल माली, श्रवण कुमार, मुख्तियार नागौरी, इरफान, जमील खान , मोंटू हाडा मोहसिन खान सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे। उपस्थित जनों ने देश में प्रेम, सद्भाव और सामाजिक एकता को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

पोकरण में भागवत कथा ज्ञान यज्ञ शुरू, शोभायात्रा निकाली

पोकरण, (निसं)। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर शहर स्थित अंजनी माता गौशाला, सालम सागर हनुमान मंदिर प्रांगण में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा पुराण एवं ज्ञान यज्ञ का गुरुवार को भव्य शोभायात्रा, कलश यात्रा एवं वैदिक विधि-विधान के साथ शुभारंभ हुआ। कथा के प्रथम दिवस श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अदभूत संगम देखने को मिला। बडी संख्या में महिला, पुरुष, युवा एवं बुजुर्ग श्रद्धालुओं ने आयोजन में भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त किया।

कथा प्रारंभ होने से पूर्व सुबह श्रद्धालुओं द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में सुसज्जित रथ पर श्रीमद्भागवत महापुराण की स्थापना की गई तथा संत तारा देवी व्यास का श्रद्धापूर्वक स्वागत किया गया। शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए कथा स्थल पहुंची। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। भजन-कीर्तन, धार्मिक जयघोष और ढोल-नगाडों की मधुर ध्वनि से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालु भगवान के जयकारे लगाते हुए भक्ति रस में सराबोर नजर आए। कथा स्थल पहुंचने पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन कर श्रीमद्भागवत कथा पुराण का शुभारंभ किया गया। व्यासपीठ पर विराजमान संत तारा देवी व्यास ने प्रथम दिवस की कथा में श्रीमद्भागवत महापुराण की महिमा का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि भागवत कथा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मानव जीवन को आध्यात्मिक ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाला दिव्य ज्ञान का स्त्रोत है। उन्होंने कहा कि भागवत कथा मनुष्य को सत्य, प्रेम, करुणा, भक्ति और सदाचार का संदेश देती है तथा जीवन को सार्थक बनाने की प्रेरणा प्रदान करती है। संत तारा देवी ने कहा कि वर्तमान समय में भौतिक सुख-सुविधाओं के बीच मनुष्य मानसिक अशांति और तनाव से घिरता जा रहा है। ऐसे समय में श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण व्यक्ति के मन को शांति, संतोष और आत्मिक बल प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि भगवान की भक्ति ही जीवन का वास्तविक आधार है और कथा श्रवण के माध्यम से व्यक्ति भगवान के प्रति अपनी आस्था को और अधिक मजबूत बना सकता है। कथा के दौरान संत तारा देवी ने पुरुषोत्तम मास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह मास भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है। इस मास में किए गए जप, तप, दान, पूजा-पाठ, व्रत और कथा श्रवण का सामान्य दिनों की अपेक्षा कई गुना अधिक पुण्य प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि पुरुषोत्तम मास की एकादशी विशेष रूप से पुण्यदायी मानी जाती है तथा यह दुर्लभ संयोग तीन वर्ष में एक बार प्राप्त होता है। इसलिए प्रत्येक श्रद्धालु को इस अवसर का लाभ उठाते हुए धर्म-कर्म एवं सत्संग में भाग लेना चाहिए।

उन्होंने श्रद्धालुओं से अपने जीवन में धर्म, संस्कार और नैतिक मूल्यों को अपनाने का आ ान करते हुए कहा कि भागवत कथा का उद्देश्य केवल कथा सुनना नहीं, बल्कि उसके संदेशों को जीवन में उतारना है। जब व्यक्ति कथा के आदर्शों को अपने व्यवहार में शामिल करता है, तभी उसका जीवन वास्तव में धन्य बनता है। कथा के प्रथम दिवस बडी संख्या में सनातन धर्म प्रेमी उपस्थित रहे। महिलाओं ने मंगल गीत गाए तथा श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से कथा श्रवण किया। कथा स्थल पर दिनभर भक्तिमय वातावरण बना रहा। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं के बैठने, पेयजल व आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष जुगल किशोर व्यास, सत्यनारायण पुरोहित एडवोकेट, गणेश सेन, पप्पू महाराज, नवनारायण जोशी, पार्षद दिनेश व्यास, सहित कई लोग उपस्थित रहे।

बालोतरा में बिजली, पानी, सड़क व फसल बीमा के लिए आरएलपी का प्रदर्शन

बालोतरा, (निसं)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) ने गुरुवार को विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। बिजली, पेयजल, सडक, फसल बीमा सहित अन्य मुद्दों को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शन का नेतृत्व आरएलपी के वरिष्ठ नेताओं थानसिंह डोली, ताजाराम एवं मगाराम ने किया। इस दौरान जिलेभर से आए सैकडों कार्यकर्ता धरने और प्रदर्शन में शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की स्थिति बदहाल है, ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट गहराता जा रहा है तथा कई सडकें लंबे समय से जर्जर हालत में पडी हैं।

प्रदर्शनकारियों ने किसानों की फसल बीमा संबंधी समस्याओं का भी मुद्दा उठाते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों को समय पर मुआवजा और बीमा क्लेम का भुगतान नहीं मिल रहा है। इसके अलावा रोजगार, चिकित्सा एवं जनसुविधाओं से जुडे अन्य मुद्दों पर भी सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया।

धरने को संबोधित करते हुए आरएलपी नेताओं ने कहा कि यदि जनसमस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो पार्टी आगामी दिनों में आंदोलन को और तेज करेगी। उन्होंने सरकार पर आमजन और किसानों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर सरकार विरोधी नारों के बीच प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा और समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग की।

शेखावत ने संत अडग़ड़ानंद का आशीर्वाद लिया

जोधपुर, (कासं)।केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत आज दिल्ली से अल्प प्रवास पर अपने गृह नगर जोधपुर पहुंचे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जोधपुर आगमन के पश्चात उन्होंने ओसियां स्थित श्री परमहंस आश्रम पहुंचकर संत अडग़ड़ानंद महाराज के दर्शन किए तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर शेखावत ने संत अडग़ड़ानंद महाराज से राष्ट्र की प्रगति, जनकल्याण तथा समस्त देशवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि अडग़ड़ानंद महाराज मानव कल्याण, आत्मज्ञान, योग एवं श्रीमद्भगवद्गीता के संदेश के प्रचार-प्रसार हेतु निरंतर कार्यरत हैं।

शेखावत ने आश्रम में संतों एवं श्रद्धालुओं से भी भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा आध्यात्मिक वातावरण में कुछ समय व्यतीत किया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री जोधपुर पहुंचे और हवाई मार्ग से दिल्ली रवाना हो गए।

कम तेल, ईंधन बचत पर जागरूकता कार्यक्रम हुआ

जालोर के निकट रामसीन में भाजपा महिला मोर्चा ने ऊर्जा बचत, खाध तेल सीमित उपयोग पर जनजागृति कार्यक्रम आयोजित किया। फोटो राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बारह वर्ष स्वर्णिम वर्षों के कार्यक्रम के श्रृंखला में ईंधन संरक्षण,ऊर्जा बचत, खाद्य तेल के सीमित उपयोग के लेकर जनजागृति लाने के उद्देश्य से जालोर के रामसीन में कार्यक्रम आयोजित हुआ। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड,भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष डॉ.राखी राठौड, भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित, संगठन प्रभारी महेंद्र मेघवाल, जिला संयोजक,प्रदेश मंत्री महिला मोर्चा अमरावती शर्मा के निर्देशानुसार भाजपा महिला मोर्चा जालोर के बैनर तले कार्यक्रम हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम जिला सह संयोजक विमला विश्नोई के नेतृत्व में आयोजित हुआ। कार्यक्रम ने बडी संख्या में माताओं बहनों ने भाग लिया कार्यक्रम में ऊर्जा संरक्षण के साथ खाद्यान्न ने कम तेल का उपयोग करने के लेकर जानकारी दी गई महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं द्वारा कार्यक्रम स्थल पर भी कम तेल के उपयोग कर खाना भी बनाया गया इस मौके पर इस कार्यक्रम के जिला सह संयोजक अंजना भट्ट,रामसिन मंडल अध्यक्ष छगन भाटी,नंदा रावल समेत विभिन्न महिला मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कुएं पर आग से कई पशु जिंदा जले

रेवदर, (निसं)। रेवदर क्षेत्र के अनादरा थाना अंतर्गत उडवारियां गांव में एक कृषि कुएं पर भीषण आग लगने से बडा नुकसान हो गया।

आग की चपेट में आने से मौके पर बंधी करीब आठ भैंसों के जलने की सूचना है, जबकि एक गाय और एक भैंस के झुलसने की भी जानकारी सामने आ रही है। दोपहर के समय कृषि कुएं के मालिक घर गए हुए थे। इसी दौरान आग भडक उठी और कुछ ही दूरी पर बंधे पशु इसकी चपेट में आ गए। आग की ऊंची लपटें देखकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कुएं से पानी लाकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। अनादरा थाना पुलिस ने हालात का जायजा लिया। ाशासक जेताराम ने पटवारी को भी घटना की सूचना दी।

अपने शानदार करियर के आखिरी दौर में होने के बावजूद, वे 2026 फीफा वर्ल्ड कप के मुख्य आकर्षण बने हुए हैं। 2026 के इस टूर्नामेंट में रिकॉर्ड संख्या में खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

- बाइचुंग भूटिया

भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान, लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — सेरेना विलियम्स

दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स का क्वींस क्लब टेनिस टूर्नामेंट में युगल अभियान एक मैच के बाद ही खत्म हो सकता है। इस अमेरिकी स्टार की युगल जोड़ीदार और कनाडा की विक्टोरिया एमबोको बुधवार को कैरोलिना प्लिस्कोवा के खिलाफ अपने एकल मुकाबले के दौरान घुटने में चोट लगने के कारण मैच के बीच से हट गईं। उन्हें यह चोट दूसरे सेट में लगी थी। सेरेना और एमबोको ने मंगलवार को अपना पहला युगल मैच जीता था जिसके साथ अमेरिकी खिलाड़ी ने खेल से लगभग चार साल दूर रहने के बाद पेशेवर टेनिस में वापसी थी।

क्या आप जानते हैं ?... आईसीसी रैंकिंग : भारतीय पुरुष टीम आईसीसी वनडे और टी-20 आई रैंकिंग में शीर्ष पर है।

फीफा विश्व कप टिकट कीमतों का इन्फैन्टिनो ने किया बचाव

यदि फीफा गलत कर रहा है तो सभी आयोजक गलत : जियानी इन्फैन्टिनो

मेक्सिको सिटी, 11 जून। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने विश्व कप 2026 के टिकटों की ऊंची कीमतों का बचाव करते हुए कहा कि यदि फीफा गलत कर रहा है, तो उत्तर अमेरिका में टिकट बेचने वाले लगभग सभी आयोजक भी गलत होंगे। विश्व कप के उद्घाटन मुकाबले से पहले आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इन्फैन्टिनो ने टिकट मूल्य निर्धारण, सुरक्षा नियमों और अमेरिका में प्रवेश से रोके गए सोमाली रेफरी के मुद्दे पर अपनी बात रखी।

विश्व कप 2026 के समूह चरण मुकाबलों के टिकट लगभग 140 अमेरिकी डॉलर से शुरू हुए, जबकि फाइनल मुकाबले के टिकटों की कीमत कई हजार डॉलर तक पहुंच गई। फाइनल के कुछ टिकटों की कीमत बाद में और बढ़ाई गई। इन्फैन्टिनो ने कहा कि यदि टिकट कम कीमत पर बेचे जाते तो वे दोबारा बिक्री बाजार और अवैध टिकट कारोबार में बहुत अधिक दाम पर बिकते और उसका लाभ फुटबॉल को नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के लिए औसत टिकट मूल्य 500 डॉलर से कम रखा गया है और यह अमेरिका के अन्य बड़े खेल आयोजनों के स्तर के आसपास है। हाल के दिनों में अमेरिका के कुछ राज्यों में टिकट बिक्री की जांच शुरू हुई है, लेकिन इन्फैन्टिनो ने कहा कि फीफा इसको लेकर चिंतित नहीं है। उन्होंने कहा, हम हर जांच का स्वागत करते हैं। हमने टिकट बिक्री शुरू करने से पहले विशेषज्ञों और कानूनी सलाहकारों के साथ पूरी प्रक्रिया की समीक्षा की थी।

सोमाली रेफरी विवाद पर भी दिया जवाब

विश्व कप में पहली बार सोमालिया से रेफरी बनने जा रहे ओमर आर्टान को अमेरिका में प्रवेश नहीं दिया गया। अमेरिकी अधिकारियों ने सुरक्षा जांच से जुड़ी चिंताओं का हवाला दिया। इस पर इन्फैन्टिनो ने कहा कि फीफा सभी चीजों को नियंत्रित नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, हम समाधान खोजने की कोशिश करते हैं। कभी-कभी थोड़ा शांत रहना भी जरूरी होता है। हर बात पर तुरंत शोर मचाने से समाधान नहीं निकलता। उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है और सरकारों तथा सुरक्षा एजेंसियों के निर्णयों का सम्मान करना पड़ता है।

ईरान टीम के अमेरिका आने को बताया उपलब्धि

इन्फैन्टिनो ने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद ईरान की टीम को विश्व कप में खेलने के लिए अमेरिका पहुंचाने में फीफा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि फीफा को कई जटिल परिस्थितियों के बीच काम करना पड़ता है और यही उसकी जिम्मेदारी भी है। मानव इतिहास का सबसे बड़ा आयोजन होगा विश्व कप इन्फैन्टिनो ने दावा किया कि विश्व कप 2026 संभवतः मानव इतिहास का सबसे बड़ा आयोजन बनने जा रहा है। फीफा को इस प्रतियोगिता से लगभग 11 अरब डॉलर की आय की उम्मीद है। इन्फैन्टिनो ने कहा कि यदि सभी प्रसारण और सेवाएं भुगतान आधारित कर दी जातीं तो आय इससे कहीं अधिक हो सकती थी, लेकिन तब दुनिया भर के करोड़ों दर्शक विश्व कप नहीं देख पाते। 56 वर्षीय इन्फैन्टिनो वर्ष 2016 से फीफा अध्यक्ष हैं और अगले कार्यकाल के लिए भी चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं।

// भारत-अफगानिस्तान वनडे //

धर्मशाला पहुंची दोनों टीमें

धर्मशाला, 11 जून। आईपीएल के कुछ दिनों बाद ही धर्मशाला में एक बार फिर क्रिकेट का रोमांच लौट आया है। इस बार टीम इंडिया और अफगानिस्तान के बीच एकदिवसीय मैच का रोमांच क्रिकेट प्रेमियों को देखने को मिलेगा। टीम इंडिया और अफगानिस्तान के बीच खेली जाने वाली तीन एकदिवसीय मैचों की सीरिज के 13 जून को पहले मैच का गवाह एचपीसीए का धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम बनने जा रहा है। इसी कड़ी में वीरवार को दोनों टीमें धर्मशाला की वादियों में पंहुच गई हैं। वीरवार को दिन में पहले भारतीय टीम धर्मशाला पंहुची जिसके बाद मेहमान टीम अफगानिस्तान भी धर्मशाला पंहुची। दोनों टीमों के खिलाड़ियों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच गगल एयरपोर्ट से धर्मशाला स्थित होटल ब्लू रिजेंसी पंहुचाया गया। इससे पूर्व कांगड़ा के गगल एयरपोर्ट और होटल पहुंचने पर दोनों टीमों का पहाड़ी संस्कृति में स्वागत किया गया। वहीं एयरपोर्ट पर टीम इंडिया के खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी। फैंस ने इंडिया-इंडिया के नारे लगाकर खिलाड़ियों का स्वागत किया। कड़े सुरक्षा घेरे के बीच खिलाड़ियों को उनके होटल पहुंचाया गया।

शुक्रवार को स्टेडियम में नेट प्रैक्टिस करेगी दोनों टीमें

13 जून को होने वाले इस मैच से पहले दोनों ही टीमें कल शुक्रवार को स्टेडियम पंहुचकर नेट में अभ्यास करेंगी। तय कार्यक्रम के मुताबिक मेहमान टीम अफगानिस्तान शुक्रवार को दिन में डेढ़ बजे से साढ़े चार बजे तक नेट पर पसीना बहाएगी जबकि दूसरे सेशन में शाम को साढ़े पांच बजे से साढ़े आठ बजे तक टीम इंडिया स्टेडियम में नेट प्रैक्टिस करेगी। गौरतलब है कि धर्मशाला की पिच आमतौर पर तेज गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती है, जिस पर दोनों टीमें अपनी रणनीति तैयार करेंगी।

बारिश की ठंडी फुहारों ने किया मेहमान टीम का स्वागत

दोपहर बाद गगल एयरपोर्ट पंहुची अफगानिस्तान की टीम का बारिश की ठंडी फुहारों ने स्वागत किया। मेहमान टीम जैसे ही एयरपोर्ट पर उतरी तो मौसम ने अचानक रंग बदला और तेज हवाओं के साथ बारिश की बौछार पड़ने लगी। मोहाली के गर्म मौसम का सामना करने के बाद यहां पंहुची दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने इस सुहावने मौसम का खूब आनंद उठाया।

मैच के दिन मौसम साफ रहने का अनुमान

उधर मौसम विभाग ने मैच के दिन मौसम साफ रहने का अनुमान जताया है, जिससे पूरे 100 ओवर का खेल होने की उम्मीद है। वहीं अगर पिच की बात करें तो शुरुआती ओवरों में तेज गेंदबाजों को स्विंग मिलने की संभावना है, लेकिन जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ेगा, बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसान हो सकता है।

पुलिस ने किए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

मैच को देखते हुए जिला प्रशासन और कांगड़ा पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। स्टेडियम के चारों ओर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। दर्शकों की भारी भीड़ के मद्देनजर धर्मशाला और मैकलोडगंज के लिए ट्रैफिक रूट में भी बदलाव किया गया है, ताकि जाम की स्थिति से बचा जा सके। वहीं, स्थानीय होटलों और होमस्टे में भी 90 प्रतिशत से ज्यादा बुकिंग हो चुकी है, जिससे स्थानीय पर्यटन कारोबारियों के चेहरे खिले हुए हैं। इससे पूर्व धर्मशाला में आईपीएल सीजन के हुए चार मैचों के दौरान भी होटल और पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों ने अच्छी कमाई की थी।

रॉयल, ब्रदर्स, जयपुर बॉयज फुटबॉल अकादमी जीती

जयपुर, 11 जून। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में पूर्णिमा यूनिवर्सिटी जयपुर के फुटबॉल मैदान पर अंडर 13 के चार मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में रॉयल फुटबॉल क्लब ने जयपुर फुटसाल को 8-0 से पराजित किया। रॉयल फुटबॉल क्लब से समर प्रताप से 2 गोल, मुबीन ने 2 गोल किये, अमन ने 1 गोल, नंदिश ने 1 गोल, देवांश से 1 गोल किया, लक्ष्य ने 1 गोल किया। दूसरे मुकाबले में ब्रदर्स फुटबॉल क्लब ओर रेड स्टोन फुटबाल क्लब के बीच मुकाबला हुआ जिसमें ब्रदर्स ने मुकाबला में 8-0 विजय रहा। ब्रदर्स की तरफ़ से नकुल ने 3 गोल किये, तन्मय ने 1 गोल, दिव्यांशु ने 1 गोल ओर जीशान ने 1 गोल किया, आबास ने 1 गोल किया, हिमांशु ने 1 गोल किया। तीसरे मैच में राजस्थान फुटबॉल स्कूल और जयपुर इलीट क्लब के मध्य खेला गया जो मैच 0- 0 से बराबरी पर खत्म हुआ। आखरी मैच: जयपुर बॉयज फुटबॉल अकादमी ने एएसएल फुटबाल क्लब को 2-1 से पराजित किया। जयपुर बॉयज फुटबॉल अकादमी की तरफ से मोनू ने 1 गोल किया और एक गोल हेम ने किया। ए एस एल की तरफ से एकमात्र गोल पुनीत ने किया।

एमबी क्रिकेट अकदमी जीती

जयपुर, 11 जून। अंडर -16 समर कप में एमबी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 38.3 ओवर में 306 रन 10 विकेट के नुकसान

पर बनाएं। आर्यन सिंह ने 107, तुषार सिंह ने 63, राघव शर्मा ने 48 रनों का योगदान दिया। शास्त्री क्रिकेट अकादमी की ओर से अर्णव ने 4, मोहित और रोहन जैन ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी शास्त्री क्रिकेट एकेडमी 29 ओवर में 109 रन पर ऑल आउट हो गई। अर्णव शर्मा ने सर्वाधिक 29 रनों का योगदान दिया। एमबी क्रिकेट अकादमी की ओर से आदित्य ने 3 और केशव जांगिड़ ने 2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच आर्यन सिंह को चुना गया।

दौसा ने अलवर को 9 विकेट से हराया

जयपुर, 11 जून। आरसीए द्वारा आयोजित सीनियर महिला टी -20 चैंपियनशिप 2026-27 के दूसरे मुकाबले में तनिका शर्मा का ऑलराउंड प्रदर्शन मेजबान अलवर को 9 विकेट से दी मात। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि सीनियर महिला 20 चैंपियनशिप जिसके लीग मैच अलवर में सूरत क्रिकेट ग्राऊण्ड पर आयोजित किये जा रहे हैं दौसा का आज दूसरा मुकाबला मेजबान अलवर से हुआ जिसमें दौसा ने अलवर की टीम को 9 विकेट से परास्त किया दौसा की टीम ने आज फिर टॉस हारकर पहले गेंदबाजी की साथ ही क्षेत्ररक्षण किया दौसा की ओर से तनिका शर्मा ने 2विकेट, कृति उपाध्याय, याना वर्मा और निधि सैनी ने 1-1 विकेट लिया। दौसा की टीम ने क्षेत्ररक्षण में शानदार प्रदर्शन करते हुए कसी हुई गेंदबाजी की जिसकी बदौलत मेजबान अलवर की टीम निर्धारित 20 ओवर में 106 रन पर 6 विकेट पर रोक दिया। जवाब में बल्लेबाजी करते हुए दौसा की टीम ने मात्र 15 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। दौसा की ओर से तनिका शर्मा ने ताबड़तोड़ अर्धशतक 46 बाल में 57 रन की पारी खेली तनिका के साथ याना वर्मा सलामी बल्लेबाज ने 14 बॉल पर 12 रन बनाए और तानिया शर्मा ने 30 बाल पर 26 रन बनाए। दौसा की टीम ने 15 ओवर में ही 1 विकेट पर 108 रन बना लिए और 9 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के हीरो दौसा टीम की उप कप्तान तनिका शर्मा रही जिसने ऑल राउंड प्रदर्शन किया। डीसीए सचिव बृज किशोर उपाध्याय द्वारा यह भी बताया गया कि कल दौसा का तीसरा मुकाबला हनुमानगढ़ के साथ होगा सचिव द्वारा टीम मैनेजर श्रीमती शोभना गुर्जर ,कोच प्रेम सिंह नाथावत और सम्पूर्ण टीम को शुभकामनाएँ दी और आगे के मैचों में और अच्छा प्रदर्शन करने हेतु प्रोत्साहित किया।

इंग्लैंड, पुर्तगाल और अल्जीरिया की अंतिम अभ्यास मैचों में जीत के साथ तैयारियां पूरी

फीफा विश्व कप 2026

नई दिल्ली, 11 जून। फीफा विश्व कप से पहले खेले गए अंतिम अभ्यास मुकाबलों में इंग्लैंड, पुर्तगाल और अल्जीरिया ने जीत दर्ज कर अपनी तैयारियों को मजबूत किया। तीनों टीमों ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट से पहले आत्मविश्वास हासिल किया।

इंग्लैंड ने अमेरिका के फ्लोरिडा के ऑरलैंडो में खेले गए मुकाबले में कोस्टा रिका को 3-0 से हराया। खराब मौसम के कारण मैच की शुरुआत एक घंटे देरी से हुई, लेकिन इंग्लैंड ने शुरुआत से ही नियंत्रण बनाए रखा। नौवें मिनट में डेक्लान राइस ने एंथनी गॉर्डन के पास पर गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ में गॉर्डन ने पेनाल्टी पर गोल दागा, जबकि मैच खत्म होने से तीन मिनट पहले ओली वॉटकिंस ने तीसरा गोल कर जीत पक्की कर दी। यह इंग्लैंड की पिछले दस मैत्री मैचों में चौथी जीत रही। अब टीम अपने ग्रुप एल के पहले मुकाबले में क्रोएशिया से भिड़ेगी।

पुर्तगाल ने लीरिया में नाइजीरिया को 2-1 से हराया। क्रिस्टियानो रोनाल्डो पूरे पहले हाफ में सक्रिय रहे, हालांकि वह गोल नहीं कर सके। मैच के 23वें मिनट में पेड्रो नेटो ने डियोगो डालोट के पास पर गोल कर पुर्तगाल को बढ़त दिलाई। नाइजीरिया ने पहले हाफ के अंत से पहले बराबरी कर ली, लेकिन 75वें मिनट में फ्रांसिस्को कॉन्सेसाओ के शानदार कर्लिंग शॉट ने पुर्तगाल को जीत दिला दी। इस जीत के साथ रॉबर्टो मार्टिनेज की टीम ने लगातार पांचवां मैच बिना हार के पूरा किया।

अल्जीरिया ने दिन की सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए बोलिविया को 4-0 से हराया। बंद दरवाजों के पीछे खेले गए इस मुकाबले में ऐसा मांडी ने हाफ टाइम से ठीक पहले पहला गोल किया। दूसरे हाफ में अल्जीरिया पूरी तरह हावी रहा। अमीन गुइरी ने दो मिनट के भीतर दो गोल किए और फिर अनीस हदज मूसा ने चौथा गोल दागकर टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की। अब सभी अभ्यास मुकाबले समाप्त हो चुके हैं और ध्यान फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप चरण पर केंद्रित हो गया है। 48 टीमों वाला यह ऐतिहासिक टूर्नामेंट सह-मेजबान मेक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के बीच उद्घाटन मुकाबले से शुरू होगा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन : सिंधु और तन्वी क्वार्टर फाइनल में

सिडनी, 11 जून। ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और युवा खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने प्री-क्वार्टर फाइनल में भारतीय खिलाड़ी इशारानी बरुआ को 42 मिनट तक चले मुकाबले में 22-20, 21-12 से हराया। पहले गेम में कड़ी चुनौती मिलने के बाद सिंधु ने दूसरे गेम में पूरी तरह दबदबा बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना चीनी ताइपे की चेन सू यू से होगा।

भारतीय खिलाड़ी निखिल ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट में 60 साल बाद जगह लेंगे

नई दिल्ली, 11 जून। भारत में जन्मे और वर्तमान में तस्मानिया तथा होबार्ट हरिकेन्स के लिए खेलने वाले लेग स्पिन ऑलराउंडर निखिल चौधरी को पहली बार ऑस्ट्रेलिया की टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। उन्हें आराम दिए गए ट्रैविस हेड के स्थान पर टीम में जगह मिली है।

इससे पहले 30 वर्षीय निखिल चौधरी भारत में पंजाब के लिए घरेलू क्रिकेट खेल चुके हैं। उन्होंने 2017 से 2019 के बीच पंजाब के लिए 12 टी-20 और दो लिस्ट-ए मुकाबले खेले थे। निखिल वर्ष 2020 में अपने चाचा से मिलने ऑस्ट्रेलिया गए थे। इसी दौरान कोविड महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ बंद हो गईं और वह वहीं रह गए। फिलहाल उनके पास 2027 तक वैध अस्थायी वीज़ा है। उनके पास अभी स्थायी निवास या ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता नहीं है, लेकिन आईसीसी नियमों के अनुसार ऑस्ट्रेलिया में पाँच वर्ष रहने के कारण वह राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने के पात्र हो गए।

ऑस्ट्रेलिया में उन्होंने ग्रेड क्रिकेट से अपनी पहचान बनाई। इसके बाद तत्कालीन हरिकेन्स गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स की नजर उन पर पड़ी और उन्हें होबार्ट हरिकेन्स से अनुबंध मिला। निखिल ने पिछले तीन सत्रों में बिग बैश लीग में शानदार प्रदर्शन किया। 2024-25 सीजन में हरिकेन्स को खिताब दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसके बाद उन्होंने तस्मानिया के लिए लिस्ट-ए और प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया, जहाँ उन्होंने शेफील्ड शील्ड में अपना पहला शतक भी लगाया और पहली बार पाँच विकेट लेने का कारनामा किया।

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मई मंथ : नेपाल, बांग्लादेश व पाक के खिलाड़ियों का दबदबा

दुबई, 11 जून। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मई महीने के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए पुरुष और महिला वर्ग की नामांकित सूची जारी कर दी है। इस सूची में नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला है। **पुरुष वर्ग के नामांकित खिलाड़ी** - पुरुष वर्ग में नेपाल के ऑलराउंडर दीपेंद्र सिंह ऐरी, बांग्लादेश के स्पिनर तैजुल इस्लाम और अनुभवी बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम को नामांकन मिला है। दीपेंद्र सिंह ऐरी (नेपाल) ने यूएई के खिलाफ शतक जड़ा और पूरे महीने में 249 रन बनाए। साथ ही उन्होंने 8 विकेट भी हासिल किए। जबकि तैजुल इस्लाम (बांग्लादेश) ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 13 विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। वहीं, मुशफिकुर रहीम (बांग्लादेश) ने 235 रन बनाकर सीरीज में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। **महिला वर्ग के नामांकित खिलाड़ी** - महिला वर्ग में इंग्लैंड की लॉरेन बेल, पाकिस्तान की गल फरोजा और न्यूजीलैंड की मैडी ग्रीन को शॉर्टलिस्ट किया गया है। लॉरेन बेल (इंग्लैंड) ने न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 13 विकेट लिए।

राजस्थान के कुशाग्र ओझा व रजत बघेल का श्रीलंका दौरे हेतु भारतीय टीम में चयन : डॉ. मोहित

जयपुर, 11 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादवके अनुसार बीसीसीआई जूनियर चयन कमेटी ने भारतीय अंडर 19 टीम के आगामी श्रीलंका दौरे के लिए राजस्थान के युवा प्रतिभावान खिलाड़ी कुशाग्र ओझा व रजत बघेल का चयन भारतीय अंडर 19 टीम में किया है। सुशील जैन, सदस्य, एडहॉक कमेटी के अनुसार राजस्थान के कुशाग्र ओझा व रजत बघेल ने बीसीसीआई क्रिकेट सत्र 2025-26 में राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा से सबको प्रभावित किया।। कुशाग्र ओझा व रजत बघेल को इस वर्ष बीसीसीआई के एनसीए सेण्टर ऑफ़ एक्सीलेन्स अंडर 19 प्रशिक्षण शिविर के चयनित किया गया था।

राजस्थान के कुशाग्र ओझा का चयन भारतीय अंडर 19 टीम के आगामी श्रीलंका दौरे की एक दिवसीय व टेस्ट (मल्टी डेज) दोनों टीमों में व रजत बघेल का चयन एक दिवसीय मैचों के लिए किया गया है। भारतीय अंडर 19 टीम श्रीलंका दौरे पर दिनांक 4 जुलाई, 6 जुलाई व 9 जुलाई को हम्बनटोटो में 3 एक दिवसीय मैच व दिनांक 13 -16 जुलाई को गाले में व दिनांक 20 -23 जुलाई को कोलंबो में 2 4 दिवसीय मैच खेलेगी। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव, सदस्य आशीष तिवाड़ी, धनंजय सिंह खींवसर, सुशील जैन, अरिष्ट सिंघवीने राजस्थान के युवा अंडर 19 खिलाडियों कुशाग्र ओझा व रजत बघेल के श्रीलंका दौरे पर भारतीय अंडर 19 टीम में चयन पर दोनों खिलाडियों को बधाई देते हुए कहा की राज्य के मानव सुथार ने जिस तरह भारतीय टेस्ट टीम में चयन पर अफगानिस्तान के विरुद्ध टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन कर देश, विदेश में अपना व राज्य का नाम रोशन किया है उसी पर राज्य के दोनों अंदर19 खिलाडी भी भारतीय अंडर 19 टीम के लिए शानदार प्रदर्शन करके अपनी प्रतिभा को प्रदर्शत करेंगे।

श्रीलंका सीरीज के लिए भारतीय महिला अंडर-19 टीम घोषित, भविका अहिरे को मिली कप्तानी

नई दिल्ली, 11 जून। भारतीय महिला अंडर-19 टीम के चयनकर्ताओं ने गुरुवार को भारत दौरे पर आने वाली श्रीलंका महिला अंडर-19 टीम के खिलाफ होने वाली शृंखला के लिए भारतीय टीमों की घोषणा कर दी है। इस दौरे में तीन टी20 और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेले जाएंगे। दोनों प्रारूपों में विकेटकीपर बल्लेबाज़ भविका अहिरे को कप्तान बनाया गया है, जबकि महक नरवसे को उपकप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। टी20 और एकदिवसीय टीमों में अधिकांश खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है, हालांकि एकदिवसीय टीम में कुछ बदलाव किए गए हैं। यह शृंखला युवा खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा अवसर मानी जा रही है।

भारतीय महिला अंडर-19 टी20 टीम

भविका अहिरे (कप्तान, विकेटकीपर), इरा जाधव, तनिष्का शर्मा, ईश्वरी आवसरे, अवनी चावड़ा, माहतो निधि, पूर्वा सिवाच, कुमारी पलक, महक नरवसे (उपकप्तान), काश्वी कांडिकुप्पा, मणियार मैत्री, गौरी गोयल, जानवी विकार, अनादी टागड़े, के दीक्षा (विकेटकीपर)।

भारतीय महिला अंडर-19 एकदिवसीय टीम

भविका अहिरे (कप्तान, विकेटकीपर), इरा जाधव, दीया यादव, ईश्वरी आवसरे, वी प्रतीक्षा, माहतो निधि, पूर्वा सिवाच, कुमारी पलक, महक नरवसे (उपकप्तान), काश्वी कांडिकुप्पा, विधि परमार, गौरी गोयल, जानवी विकार, अनादी टागड़े, के दीक्षा (विकेटकीपर)।

अंडर-19 पुरुष टीम घोषित, यशवर्धन होंगे कप्तान

नई दिल्ली, 11 जून। भारतीय जूनियर क्रिकेट समिति ने आगामी श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 पुरुष टीम की गुरुवार को घोषणा कर दी। इस दौरे में भारतीय टीम तीन एकदिवसीय और दो बहु-दिवसीय मुकाबले खेलेगी। यशबर्धन सिंह चौहान को दोनों प्रारूपों के लिए टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि लक्ष्य रायचंदानी उपकप्तान की भूमिका निभाएंगे। दौरे के सभी एकदिवसीय मुकाबले हम्बनटोटा में खेले जाएंगे, जबकि बहु-दिवसीय मैच गॉल और कोलंबो में आयोजित होंगे।

भारतीय अंडर-19 पुरुष वनडे टीम

सागर वीरक, लक्ष्य रायचंदानी (उपकप्तान), यशबर्धन सिंह चौहान (कप्तान), विनीत वी.के., अर्जुन राजपूत, कुशाग्र ओझा, रजत बघेल (विकेटकीपर), अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), अनमोलजीत सिंह, वुटकुरी यशवीर गौड़, रोहित अनिल यादव, शाविन वी., काव्या परेश पटेल, मोहित उलवा, ईशान सूद।

भारत अंडर-19 पुरुष बहु-दिवसीय टीम

सागर वीरक, लक्ष्य रायचंदानी (उपकप्तान), यशबर्धन सिंह चौहान (कप्तान), पटेल कुश, मनल चौहान, कुशाग्र ओझा, मानव कृष्ण (विकेटकीपर), आर्यन संदेश सकपाल (विकेटकीपर), हेमचुदेशन जे., बीके किशोर, रोहित अनिल यादव, काव्या परेश पटेल, प्रियांशु सिंह, प्रणव राघवेंद्र, चिगुरुपति वेंकट।

इंस्पायर अकादमी ने जीत हासिल की

जयपुर, 11 जून। जयपुर के स्थानीय गणपति नगर रेलवे ग्राउंड पर चल रहे 9 हाजी गनी बाबा 20 टूर्नामेंट में रेलवे क्रिकेट अकादमी और इंस्पायर अकादमी के बीच मुकाबला खेला गया। जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए रेलवे क्रिकेट अकादमी 16.5 ओवर में 110/10 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें गौरव मीना, तुषार ने 25-25 रन व मोहम्मद कैफ ने 23 रन की पारी खेली। इंस्पायर की गेंदबाजी की ओर से हरि सिंह ने 3 विकेट व रोहित व रजत ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में इंस्पायर अकादमी ने 11.4 ओवर में 111/3 रन बनाकर जीत हासिल की। जिसमें अमन सिंह शेखावत ने 62 रनों की पारी खेली। रेलवे की गेंदबाजी की ओर से दक्ष, शुभम व गौरव मीणा ने 1-1 विकेट लिए। इंस्पायर क्रिकेट अकादमी ने रेलवे क्रिकेट अकादमी को 7 विकेट से मुकाबला हराया।मैन ऑफ़ द मैच हरि सिंह।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय

जोबनेर 303329, जिला जयपुर (राजस्थान), फोन नं. 01425-254988(का.) e-mail Id : comptroller@sknau.ac.in

क्रमांक :- एफ.3( )/श्रीकनकृवि/वि.नि./ई-बिड/2026/1227 दिनांक :- 08/06/2026

बिड सूचना

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, जयपुर के विश्वविद्यालय मुख्यालय पर प्रशासनिक कार्यालय के अन्तर्गत कार्यरत इकाईयों हेतु सभी श्रेणी के श्रमिक आपूर्ति की ई-बिड आमंत्रित की गई है एवं ई-बिड से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट www.dipronline.org, www.sknau.ac.in, sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। ई-बिड की अन्तिम दिनांक 29.06.2026 समय 2.00 PM बजे तक है।

UBN : SKN2627SLOB00087

राज.संवाद/सी/26/4622 वित्त नियंत्रक

नगर विकास न्यास, पाली

डाक बंगला परिसर, पाली, फोन नं. 02932-223222, ई मेल - uitpali@gmail.com

क्रमांक :- न्या.पा./विज्ञापन/2026/572 दिनांक :- 09/06/2026

ई-निविदा सूचना संख्या - 22/2026-27

नगर विकास न्यास, पाली की ओर न्यास/राजकीय विभाग से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यो हेतु ऑन-लाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा न्यास कार्यालय, पाली में कार्य दिवस के दौरान देखी जा सकती है।

यूबीएन नं. :- ITP2627WSOB00025

राज.संवाद/सी/26/4658 अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगर पालिका सूरौठ, जिला करौली (राज.)

क्रमांक:-न.प.हि./947 दिनांक:- 05.06.2026

-:: ई-निविदा सूचना वर्ष 2026-27 ::-

नगर पालिका सूरौठ की ओर से विकास/मरम्मत /निर्माण कार्यहेतु उपयुक्त श्रेणी के नगर परिषद/नगर निगमों/नगर विकास निकायों, जयपुर विकास प्राधिकरण, आवासन मण्डल व केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/ केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए., बी., सी., डी श्रेणियों के संवेदकों/फर्मो के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ई-निविदा प्राप्त की जावेगी। ई-निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in/ www.sppp.raj.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB CODE : DLB2627A2843

UBN NO. DLB2627WSOB07051, DLB2627WSOB07052, DLB2627WSOB07053

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सूरौठ

राज.संवाद/सी/26/4591

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द(राज.)

Email: np_ntd@yahoo.co.in, nagarpalikanathdwara@gmail.com Ph. 02953-233526

क्रमांक : न.प.नाथ./निविदा/निर्माण/26/2700 दिनांक : 09.06.2026

ई-निविदा सूचना संख्या - 24/2026-27

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि नगरपालिका नाथद्वारा द्वारा इस वित्तीय वर्ष में निम्नानुसार कार्य कराये जाने हेतु ईच्छुक पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया हेतु आनलाईन निविदाऐं निम्नांकित दिनांक तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक पंजीकृत संवेदक/फर्म/व्यक्ति उक्त कार्यों के निविदा फार्म आनलाईन राजकीय वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर डाउनलोड व अपलोड तथा http://sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर देखें जा सकते है :-

क्र.सं.	विवरण	
1.	कुल कार्य की संख्या	01
2.	निविदा अपलोड की अन्तिम दिनांक व समय	19.06.2026 समय- सांय 6:00 बजे तक
3.	निविदा खुलने की दिनांक व समय	22.06.2026 समय- दोपहर 12:00 बजे से
4.	UBN No.	DLB2627WSOB07059

आयुक्त नगरपालिका नाथद्वारा

राज.संवाद/सी/26/4650

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2026-27/6835 - 47 दिनांक :- 09/06/2026

ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 17/2026-27/02

संशोधित निविदा सूचना

भरतपुर विकास प्राधिकरण की ऑनलाईन निविदा सूचना संख्या- 17/2026-27/02 दिनांक 03.06.2026 की कार्य संख्या 02 में वर्णित अधिशाषी अभियंता द्वितीय के क्षेत्र में अल्टीनेटर पम्प द्वारा पानी निकासी का कार्य में निम्न संशोधन किया जाता है।

1 निविदा में कार्य संख्या 02 पर अंकित कार्य "अधिशाषी अभियंता द्वितीय के क्षेत्र में अल्टीनेटर पम्प द्वारा पानी निकासी का कार्य" के लिए निविदादाता को न्यूनतम 3 ट्रैक्टर (अल्टीनेटर सहित) के स्वामित्व संबंधी दस्तावेज (जैसे रजिट्रेशन सर्टिफिकेट इत्यादि) ऑनलाईन निविदा में अपलोड करना अनिवार्य है। स्वामित्व संबंधी दस्तावेज अपलोड न करने वाले निविदादाता को अपात्र माना जायेगा। इस शर्त को शर्त संख्या 27 के स्थान पर पढा जाये।

2 प्रोसेसिंग शुल्क/निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि ऑनलाईन भुगतान एवं जमा करने की तिथि 13.06.2026 सायं 06:00 बजे के स्थान पर 19.06.2026 सायं 06:00 बजे तक पढ़ा जाए।

3 ऑनलाईन निविदा तकनीकी बिड खोलने की तिथि 15.06.2026 सुबह 11:00 बजे के स्थान पर 22.06.2026 सुबह 11:00 बजे पढ़ा जावें।

4 शेष सभी शर्तें यथावत रहेंगी।

राज.संवाद/सी/26/4618 अधिशाषी अभियन्ता - III

कार्यालय नगरपालिका, सांचौर जिला-जालौर (राज.)

(टेलिफोन नम्बर-02979-283280 व ई-मेल आई.डी. eosanchore.lsg@rajasthan.gov.in & eosanchore2010@gmail.com)

क्रमांक/न.पा.सां./ई-निविदा/2026/1370 दिनांक :- 08.06.2026

-::ई निविदा सूचना 03/2026-27

नगर पालिका सांचौर निविदा क्रमांक 1365 दिनांक 08.06.2026 द्वारा विभिन्न निर्माण का कार्य करवाये जाने हेतु पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण जरीये यूबीएन नं. से वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in देखी/डाउनलोड की जा सकती है।

निविदा में कुल कार्य	10 कार्य
निविदा प्रपत्र ऑनलाईन भरने की अंतिम तिथि	दिनांक 22.06.2026 दोपहर 4.00 बजे तक
निविदा प्रपत्र जमा करवाने की तिथि	दिनांक 23.06.2026 दोपहर 12.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 23.06.2026 सांय 12.00 बजे से
UBN NO.	UBN NO.
DLB2627WSRC06843	DLB2627WSRC06844
DLB2627WSRC06845	DLB2627WSRC06846
DLB2627WSRC06847	DLB2627WSRC06849
DLB2627WSRC06850	DLB2627WSRC06852
DLB2627WSRC06854	DLB2627WSRC06855

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सांचौर

राज.संवाद/सी/26/4652

मुख्यमंत्री भजनलाल ने विकसित राजस्थान-2047 का रोड मैप नीति आयोग में प्रस्तुत किया

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई नीति आयोग की 21वीं परिषद की बैठक में उन्होंने भाग लिया

नई दिल्ली/जयपुर, 11 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद् की 11वीं बैठक में शामिल हुए। उन्होंने राजस्थान के विकास के विजन, उपलब्धियों एवं भावी कार्ययोजना को प्रस्तुत करते हुए कहा कि राजस्थान विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप, राज्य सरकार गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति को राज्य सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों के केन्द्र में रखकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के युवाओं की शक्ति के उपयोग के मंत्र को आत्मसात करते हुए, राज्य सरकार प्रदेश की 63 प्रतिशत युवा आबादी को विकास का प्रमुख आधार बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के युवाओं की शक्ति के उपयोग के मंत्र को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार प्रदेश की 63 प्रतिशत युवा आबादी को विकास का मुख्य आधार बना रही है।**

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 2 करोड़ 19 लाख बीमा पॉलिसियां जारी की गई हैं तथा पीएम-कुसुम योजना (कम्पोनेंट-ए) के तहत 723 मेगावाट क्षमता की 496 सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की गई हैं। इन दोनों क्षेत्रों में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है।

उन्होंने बताया कि नीति आयोग की वर्ष 2025-26 की तृतीय तिमाही रैंकिंग में नीमराना ब्लॉक ने राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है, जबकि दौसा जिले के रामगढ़ पचवारा तथा जैसलमेर जिले के फतेहगढ़ ब्लॉक ने विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर तक जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के लिए ग्राम विकास रथ भिजवाए गए।

मीनाक्षी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया गया कि नटराजन का नामांकन खारिज कर दिया गया, जबकि उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं था, जिसे चुनाव कानून के तहत उजागर करना आवश्यक था। चुनाव आयोग द्वारा अपने कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श के बाद जल्द ही निर्णय लेने की उम्मीद है। नटराजन मध्य प्रदेश से कांग्रेस की एकमात्र राज्यसभा उम्मीदवार थीं, और उनके नामांकन खारिज होने के कारण पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पार्टी अब कोई दूसरा उम्मीदवार खड़ा कर नहीं सकती, क्योंकि नटराजन का पर्चा नामांकन की अंतिम तिथि 8 जून के बाद खारिज किया गया। यह विवाद 2022 में तेलंगाना के एक मामले से उत्पन्न हुआ, जिसमें एक महिला ने एक कांग्रेस नेता पर उत्पीड़न और धमकियों का आरोप लगाया था। महिला ने दावा किया कि शिकायत के बावजूद, कांग्रेस नेतृत्व ने रेड्डी के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने यह मामला उस समय कांग्रेस संगठन से जुड़ी मीनाक्षी नटराजन के सामने भी उठाया था। कांग्रेस का तर्क है कि नटराजन किसी एफआईआर में आरोपी नहीं थीं और उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं था। इसलिए पार्टी का कहना है कि नामांकन हलफनामे में इस मामले का उल्लेख करने की कोई कानूनी आवश्यकता नहीं थी। मध्य प्रदेश से भाजपा के राज्यसभा उम्मीदवार महेश केवट का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश में चल रही।

अशोक गहलोत का जैसा लगाव वैभव के साथ है, वैसा ही मेरे से है - पायलट

राजेश पायलट की 26वीं पुण्यतिथि पर सचिन ने गहलोत को मोहब्बत का पैगाम दिया

दौसा 11 जून (निसं)। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने गुरुवार को भंडाना में किसान नेता राजेश पायलट की 26 वीं पुण्यतिथि पर राजेश पायलट स्मारक पर हजारों लोगों की मौजूदगी में पुष्पाजंलि अर्पित की। सचिन पायलट जयपुर से अपने काफिले के साथ सभा स्थल पर साढ़े दस बजे पहुंचे।

- **इस भावुक अवसर पर स्व. राजेश पायलट की पत्नी रमा पायलट तथा सचिन पायलट के दोनों पुत्र आरान और विहान भी उपस्थित थे।**

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने गुरुवार को भंडाना में किसान नेता राजेश पायलट की 26 वीं पुण्यतिथि पर राजेश पायलट स्मारक पर पुष्पाजंलि अर्पित की।

इस मौके पर कांग्रेस के महासचिव व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा हाल ही में मानेसर प्रकरण को दोबारा हवा दिए जाने के सवाल पर कहा कि अशोक गहलोत का जैसा लगाव और स्नेह अपने पुत्र वैभव गहलोत के साथ है, वैसा ही स्नेह और आशीर्वाद मेरे साथ भी है।

उन्होंने कहा कि आज देश के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। पायलट ने नीट परीक्षा सहित देश में लगातार हो रहीं दर्जनों परीक्षाओं के पेपर लीक मामलों पर गहरी चिंता व्यक्त की। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं सहित, समाज के विभिन्न वर्गों से आए हजारों लोगों ने पायलट को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ और उपस्थित जनसमूह ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस भावुक क्षण में राजेश पायलट की पत्नी रमा पायलट और उनके पुत्र व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट मौजूद रहे। साथ ही, सचिन पायलट के दोनों बेटे आरान और विहान भी दादा की पुण्यतिथि पर विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राजस्थान कांग्रेस के कई वर्तमान व पूर्व मंत्रियों, सांसदों और विधायकों ने शिरकत की। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री बीडी कल्ला, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, जितेन्द्र सिंह, ममता भूपेश, हेमाराम चौधरी और जायदा खान मौजूद थे। इनके अलावा, दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा, सांसद भजनलाल जाटव, सांसद संजना जाटव, बस्सी विधायक लक्ष्मण मीणा, पूर्व विधायक रमेश मीणा, पाली विधायक भीमराज भाटी, अमीन कागजी, सुरेश मोदी, विधायक मुकेश भाकर, दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा, पूर्व विधायक वेदप्रकाश सोलंकी, धीरज गुर्जर, प्रशांत बैरवा, इंद्राज गुर्जर, निहारिका जोरवाल, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रामजीलाल ओढ , पूर्व विधायक जीआर खटाना, संदीप शर्मा, जिला प्रमुख हीरालाल सैनी, जिला प्रवक्ता मुकेश राणा सहित सैकड़ों पार्टी पदाधिकारी प्रधान एवं हजारों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अभिषेक बनर्जी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने ऐसी कोई अनुमति नहीं दी थी।

आरोप है कि विधायकों के हस्ताक्षर जाली हैं। यह एक गंभीर आरोप है और यदि यह साबित हो जाता है तो सात वर्ष तक की जेल की सजा हो सकती है। अभिषेक को चारों ओर से मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है और उनके खिलाफ विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है।

इस समय पार्टी के भीतर से यह आवाज तेज हो रही है कि अभिषेक बनर्जी पार्टी का नेतृत्व करने के लिए उपयुक्त नहीं हैं। आज पार्टी के वरिष्ठ नेता और अनुभवी राजनेता कल्याण बनर्जी, जो अब तक ममता बनर्जी के सबसे वफादार समर्थकों में गिने जाते थे, उन्होंने भी पार्टी छोड़ दी है। कल्याण बनर्जी ने कहा कि या तो अभिषेक बनर्जी पार्टी के नेता बने रहेंगे और वे बाहर हो जाएंगे, अर्थात ममता बनर्जी को पार्टी में अभिषेक की स्थिति पर निर्णय लेना होगा और उन पुराने वफादार नेताओं के पक्ष में फैसला करना होगा, जिन्होंने वर्षों तक उनके साथ काम किया है। पहले ही 80 निर्वाचित विधायकों में से 64 विधायक पार्टी नेतृत्व की बात मानने से इनकार कर चुके हैं और वे सभी ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में एकजुट हो गए हैं। इन विधायकों ने ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता नामित किया है। कहा जा रहा है कि और विधायक भी उनके साथ जुड़ सकते हैं। दूसरी ओर, राज्यसभा में पार्टी के एक और सदस्य ने इस्तीफा दे दिया है, जिससे पार्टी के सदस्यों की संख्या घटकर 10 रह गई है। सांसदों और विधायकों की संख्या बहुत कम हो जाने के कारण पार्टी की राजनीतिक हैसियत लगभग नगण्य रह गई है।

चुनावी हार के बाद स्थिति पूरी तरह बदल गई है। ममता बनर्जी, जिन्हें पहले राष्ट्रीय राजनीति में विशेष महत्व दिया जाता था, अब मुलाकातों के लिए इंतजार करने को मजबूर बताई जा रही हैं। कुछ लोगों का कहना है कि विभिन्न राष्ट्रीय नेताओं को किए गए उनके फोन कॉल का भी जवाब नहीं दिया रहा है।

भारतीय राजनीति की सबसे तूफानी नेता ममता बनर्जी के पास दो ही विकल्प हैं, या तो खत्म हो जाएं या हाशिए पर चली जाएं। उन्हें अब याचक जैसी भूमिका का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व में, जब भी वे दिल्ली से लौटती थीं तो राष्ट्रीय राजनीति के मुद्दों पर खुलकर टिप्पणी करती थीं, लेकिन कल कोलकाता हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की। अब उनकी हालत ऐसी हो गई है कि उन्हें नौकरी की तलाश में आवेदन करना पड़ रहा है। पिछले दो दिनों में ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी ने क्रमशः सोनिया गांधी और राहुल गांधी से कई बार मुलाकात की। बताया जा रहा है कि उन्हें अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय करने का प्रस्ताव दिया गया है। कहा जा रहा है कि ममता और अभिषेक को अखिल भारतीय स्तर पर कुछ पद देने का आश्वासन दिया गया है। लेकिन उनसे यह भी कहा गया है कि वे अपनी पार्टी का पूरी तरह कांग्रेस में विलय कर दें और अलग राजनीतिक दल के रूप में तृणमूल कांग्रेस को भूल जाएं। यह प्रस्ताव कांग्रेस के लिए भी आकर्षक हो सकता है। ममता और अभिषेक की राजनीतिक प्रासंगिकता काफी घट चुकी है। वे अपना जनाधार खो चुके हैं और राज्य विधानसभा तथा संसद, दोनों में विधायकों और सांसदों पर उनका नियंत्रण समाप्त हो गया है। हालांकि पार्टी के पास अभी भी भारी मात्रा में धनराशि मौजूद है। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस के पास लगभग 3,000 करोड़ रुपये का राजनीतिक कोष है। चुनावी बॉन्ड से प्राप्त चंदे में भाजपा के बाद और कांग्रेस से आगे, तृणमूल कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही थी। अब पार्टी नेताओं को इस खजाने के असली हकदार के तौर पर अपनी वैधता साबित करनी होगी। अब तक पार्टी की धनराशि का नियंत्रण शीर्ष दो पदाधिकारियों, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के पास था। लेकिन अब, जब अधिकांश विधायक और सांसद एकजुट होकर स्वयं को वास्तविक तृणमूल कांग्रेस बता रहे हैं, तो इस धनराशि पर नियंत्रण का प्रश्न बड़ा विवाद बन सकता है। पार्टी फंड पर अधिकार को लेकर भविष्य में गंभीर संघर्ष होने की संभावना जताई जा रही है।

म.प्र. से भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया गया, जिनमें तरुण चुग, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट शामिल हैं। रिटर्निंग अधिकारी अरविंद शर्मा ने भाजपा के तीनों निर्विरोध निर्वाचित उम्मीदवारों को निर्वाचन के प्रमाण पत्र सौंप दिए हैं।

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश से राज्यसभा की तीन सीटों का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है। इनमें दो सीटें भाजपा और एक सीट कांग्रेस के खाते की है।

इन तीनों रिक्त होने वाली सीटों पर द्विवार्षिक निर्वाचन के लिए भाजपा के तीन उम्मीदवार-तरुण चुग, महेश केवट और रजनीश अग्रवाल तथा कांग्रेस की मीनाक्षी नटराजन ने नामांकन दाखिल किया था, लेकिन भाजपा की आपत्ति के बाद हलफनामे में अनियमितताएं पाए जाने के आधार पर कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन गत मंगलवार को खारिज कर दिया गया था।

'कर्नाटक...

बढ़कर 2,400 रुपये प्रति टन हो गई है। जो लगभग 950 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि पुरानी कचरा प्रबंधन व्यवस्था पर 30 वर्षों में लगभग 6,117 करोड़ रुपये का खर्च आता, जबकि नए अनुबंध के तहत अनुमानित लागत 39,000 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908